शुक्रवार, 11 अप्रैल 2025

मौसम

तापमान	37 – 26
आर्द्रता	61%
सूर्योदय: 5:20	सूर्यास्त: 17:55

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

www.samagya.in

समाज्ञा

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

कोलकाता, चैत्र शुक्लपक्ष चतुर्दशी, वि.स. 2082, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

सुविचार : बहुत समय पड़ा है, यही वहम सबसे बड़ा है।

भाजपा नये वक्फ कानून को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर जागरूकता अभियान शुरू करेगी –पृष्ठ 7

RED-X
B.W.P. PLY,
BOARDS& DOORS
'X' Factor that Makes A Difference
Stockist :
GULAB CHAND
LAL CHAND& Co.
9831114555
9874415555

नौकरी जाने और पुलिस कार्रवाई के विरोध में शिक्षकों ने शुरू की भूख हड़ताल

कसबा में डीआई कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन के दौरान हुए लाठीचार्ज को लेकर शिक्षकों में रोष

कोलकाता, समाज्ञा : सुप्रीम कोर्ट द्वारा बंगाल में शिक्षक भर्ती प्रक्रिया को दोषपूर्ण और भ्रष्ट करार देने के फैसले के बाद नौकरी गंवाने वाले 25,753 शिक्षकों में से कुछ ने गुरुवार को कोलकाता के साल्टलेक में राज्य स्कूल सेवा आयोग (एसएससी) कार्यालय के बाहर भूख हड़ताल शुरू कर दी। नौकरी गंवाने वाले शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों ने कहा कि बुधवार को दक्षिण कोलकाता के कसबा स्थित जिला निरीक्षक (डीआई) कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन के दौरान अपने साथी शिक्षकों पर हुए बर्बर पुलिस कार्रवाई के विरोध में वे भूख हड़ताल पर बैठने को बाध्य हुए हैं। उल्लेखनीय है कि कसबा में डीआई कार्यालय के बाहर बुधवार को विरोध प्रदर्शन के दौरान शिक्षकों और पुलिस के बीच हिंसक झड़प हो गई थी। इसमें कई शिक्षकों के साथ छह पुलिस कर्मी घायल हो गए थे।

प्रदर्शनकारियों में से एक ने एसएससी कार्यालय के बाहर संवाददाताओं से कहा कि हमने एक शिक्षक के साथ भूख हड़ताल शुरू की है और जल्द ही इस मुद्दे पर आगे का कार्यक्रम तय करेंगे। प्रदर्शनकारी शिक्षक बुधवार रात से एसएससी कार्यालय के आचार्य सदन भवन के बाहर धरना दे रहे हैं। वे नौकरी जाने और अपने साथियों पर पुलिस कार्रवाई के विरोध में प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि कसबा में डीआई कार्यालय के बाहर प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने उनपर लाठीचार्ज किया, धक्का-मुक्की की और कुछ को लात भी मारी। नौकरी गंवाने वाले शिक्षकों का कहना है कि उनकी इस स्थिति के लिए आयोग जिम्मेदार है, क्योंकि उसने यह फर्क नहीं किया कि किस अभ्यर्थी ने फर्जी तरीके से नौकरी हासिल की और किसने नहीं। प्रदर्शनकारी शिक्षकों ने संकेत दिया कि वे अपने आंदोलन को और तेज कर सकते हैं।

नौकरी जाने और पुलिस कार्रवाई के विरोध में 'योग्य' शिक्षकों ने कोलकाता में निकालीं रैलियां

राज्य में करीब 500 'योग्य' शिक्षकों ने गुरुवार को कोलकाता शहर में रैली निकाली और मांग की कि उन्हें दंडित नहीं किया जाना चाहिए और उन्हें 'दागी' लोगों के साथ नहीं जोड़ा जाना चाहिए। इस दौरान, 'जोग्यो (योग्य) शिक्षक मंच' के एक प्रवक्ता महबूब मंडल ने कहा कि हम योग्य शिक्षकों की मांगों को लेकर सड़कों पर उतरे हैं। हम चाहते हैं कि 2016 में भर्ती परीक्षा में बैठने वाले और नियुक्ति पत्र पाने वाले योग्य और दागी उम्मीदवारों के बीच अंतर करने में स्कूल सेवा आयोग (एसएससी) द्वारा नाकामी के लिए उन्हें दंडित न किया जाए। महबूब मंडल ने कहा कि शहर में जिला शिक्षा निरीक्षक के कार्यालय में एक ज्ञापन को सौंपने के लिए जाने के दौरान पुलिस ने हम पर लाठीचार्ज किया और एक पुलिस अधिकारी ने हमें लात मारी। हम राज्य सरकार द्वारा बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के कारण हमारी नौकरियों को छीने जाने के खिलाफ लोकतांत्रिक तरीके से विरोध भी नहीं कर सकते। तो अब हम कहां जाएं? हम सड़कों पर हैं और कोई दूसरा विकल्प नहीं मिल रहा है। यह पूछे जाने पर कि क्या वे एसएससी कार्यालय भवन के सामने योग्य शिक्षकों के दूसरे समूह के साथ क्रमिक भूख हड़ताल में शामिल होंगे, मंडल ने कहा कि हम इस कार्यक्रम के बाद फैसला करेंगे। अगर वे (अनशन करने वाले शिक्षक) भी योग्य हैं, तो हम उनके साथ होंगे। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि मंच का संबंध शहीद मीनार पर धरना दे रहे शिक्षकों के दूसरे वर्ग से नहीं है, बल्कि वह किसी भी योग्य उम्मीदवार की जायज मांग का समर्थन करेगा। एक रैली सेंट्रल एवेन्यू से होते हुए दो किमी से अधिक की दूरी तय कर एस्प्लेनेड पहुंची, जबकि दूसरी रैली सियालदह में निकाली गई। दोनों रैलियों के दौरान भारी पुलिस बल मौजूद था, लेकिन कोई अप्रिय घटना नहीं हुई क्योंकि शिक्षक 'हमें अपनी नौकरी वापस चाहिए' और 'एसएससी को दागी/बेदाग उम्मीदवारों की सूची जारी करनी चाहिए' लिखी तख्तियां लेकर आगे बढ़ रहे थे।

हजारों की नौकरी गई, अब आंदोलन तेज करने दिल्ली रवाना एसएससी से निकाले गए शिक्षक

कोलकाता : आंदोलन को और तीव्र करने के उद्देश्य से नौकरी से निकाले गए शिक्षक राजधानी दिल्ली की ओर रुख कर रहे हैं। एसएससी यानी स्कूल सर्विस कमिशन के माध्यम से नियुक्त किए गए इन शिक्षकों का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट को अपने फैसले पर पुनर्विचार करना चाहिए। इसी मांग को लेकर वे दिल्ली के जंतर मंतर पर धरना प्रदर्शन करने जा रहे हैं। आगामी 16 अप्रैल को जंतर मंतर पर विरोध प्रदर्शन की योजना बनाई गई है, जिसमें नौकरी से निकाले गए शिक्षक हिस्सा लेंगे। इस आंदोलन के लिए दिल्ली पुलिस से पहले ही अनुमति मिल चुकी है। पुलिस की ओर से 150 लोगों को जंतर मंतर पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने की इजाजत दी गई है। आंदोलनकारियों का कहना है कि जब तक उन्हें न्याय नहीं मिलता, तब तक वे चुप नहीं बैठेंगे। राज्य सरकार और केंद्र सरकार दोनों से वे अपील कर रहे हैं कि इस अन्याय के खिलाफ हस्तक्षेप किया जाए।

वक्फ अधिनियम को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर 16 अप्रैल को उच्चतम न्यायालय में होगी सुनवाई

नयी दिल्ली : प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता में उच्चतम न्यायालय की एक पीठ वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वालीं लगभग 10 याचिकाओं पर 16 अप्रैल को सुनवाई करेगी, जिनमें एआईएमआईएम के नेता असदुद्दीन ओवैसी की याचिका भी शामिल है। उच्चतम न्यायालय की वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, प्रधान न्यायाधीश के अलावा न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति के.वी. विश्वनाथन भी याचिकाओं पर सुनवाई करने वाली इस पीठ में शामिल होंगे।

बांग्लादेश की अदालत ने शेख हसीना और उनकी बेटी के खिलाफ नया गिरफ्तारी वारंट जारी किया

ढाका : बांग्लादेश की एक अदालत ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना, उनकी बेटी साइमा वाजिद पुतुल और 17 अन्य के खिलाफ भ्रष्टाचार के एक मामले में बृहस्पतिवार को नया गिरफ्तारी वारंट जारी किया। इन पर धोखाधड़ी के जरिये आवासीय भूखंड हासिल करने का आरोप है। ढाका मेट्रोपॉलिटन के वरिष्ठ विशेष न्यायाधीश जाकिर हुसैन गालिब ने भ्रष्टाचार निरोधक आयोग (एसीसी) द्वारा दाखिल आरोपपत्र को स्वीकार कर लिया। चूंकि, आरोपी फरार हैं, इसलिए अदालत ने उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया। एसीसी की ओर से पेश वकील मीर अहमद सलाम ने संवाददाताओं को बताया, ''मेट्रोपोलिटन वरिष्ठ विशेष न्यायाधीश जाकिर हुसैन गालिब ने मामले में एसीसी के आरोपपत्र को स्वीकार करते हुए वारंट जारी किया।''

एनआईए ने मुंबई हमलों के आरोपी तहव्वुर राणा को अमेरिका से प्रत्यर्पण के बाद गिरफ्तार किया

नयी दिल्ली : राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने 26/11 मुंबई आतंकी हमलों के मुख्य आरोपी तहव्वुर हुसैन राणा को अमेरिका से प्रत्यर्पण के बाद बृहस्पतिवार को दिल्ली हवाई अड्डे पर उतरते ही ''औपचारिक रूप से गिरफ्तार'' कर लिया। एजेंसी ने बताया कि राणा को एनआईए और राष्ट्रीय सुरक्षा गारद (एनएसजी) के वरिष्ठ अधिकारियों की टीम लॉस एंजिलिस से एक विशेष विमान से दिल्ली लेकर आई। इसने कहा कि एनआईए की जांच टीम ने हवाई अड्डे पर सभी आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद विमान से उतरते ही पाकिस्तानी मूल के कनाडाई नागरिक राणा को गिरफ्तार कर लिया। एजेंसी ने प्रत्यर्पण के बाद राणा की एनआईए अधिकारियों की हिरासत में एक तस्वीर भी साझा की। इसने एक बयान में कहा कि एनआईए ने वर्षों के सतत और ठोस प्रयासों के पश्चात तथा अमेरिका से प्रत्यर्पण पर रोक लगवाने के आतंकी सरगना के अंतिम प्रयास विफल होने के बाद उसे भारत लाया जाना सुनिश्चित किया। एनआईए ने कहा कि भारत के विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय के साथ-साथ अमेरिका में संबंधित प्राधिकारियों के समन्वित प्रयासों से उसने पूरी प्रत्यर्पण प्रक्रिया के दौरान भारतीय खुफिया एजेंसियों के साथ मिलकर काम किया। इसने कहा कि यह दुनिया के किसी भी हिस्से में रह रहे आतंकवाद में शामिल व्यक्तियों को न्याय के कठघरे में लाने के भारत के प्रयासों में एक बड़ा कदम है। मुंबई में हुए भीषण आतंकी हमलों में कुल 166 लोग मारे गए थे और 238 से अधिक घायल हुए थे।

राणा का प्रत्यर्पण मुंबई आतंकी हमले के पीड़ितों के लिए न्याय की दिशा में महत्वपूर्ण कदम : अमेरिका

तहव्वुर राणा की 18 दिन की कस्टडी मंजूर, एनआईए ने मांगी थी 20 दिन की हिरासत

राणा से पूछताछ में मुंबई हमले में पाकिस्तान की भूमिका उजागर होने की उम्मीद

अमेरिका से प्रत्यर्पित किए गए तहव्वुर हुसैन राणा को भारत में न्यायिक प्रक्रिया का सामना करना पड़ेगा और जांचकर्ताओं को उम्मीद है कि उससे पूछताछ में 26/11 के मुंबई आतंकवादी हमलों में पाकिस्तान के सरकारी तत्वों की भूमिका उजागर होगी। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि जांचकर्ताओं को यह भी उम्मीद है कि पूछताछ में नवंबर 2008 में देश की आर्थिक राजधानी में हुए भयावह हमलों से पहले राणा की उत्तर और दक्षिण भारत के कुछ हिस्सों की यात्राओं के बारे में महत्वपूर्ण सुराग मिलेंगे।

चीन पर कुल टैरिफ 145 फीसदी

भारत को 26% अतिरिक्त अमेरिकी शुल्क से 9 जुलाई तक राहत

वाशिंगटन : अमेरिका ने भारत से आने वाले उत्पादों पर लगाई गई 26 प्रतिशत की अतिरिक्त टैरिफ (आयात शुल्क) को अस्थायी रूप से 90 दिनों के लिए टाल दिया है। अब यह टैरिफ 9 जुलाई 2025 तक लागू नहीं होगा। इस फैसले की जानकारी व्हाइट हाउस की ओर से जारी कार्यकारी आदेश में दी गई है।

9 जुलाई तक समझौते पर होगा मंथन

यह टैरिफ अस्थायी तौर पर टाला गया है। इसका भविष्य इस बात पर निर्भर करेगा कि भारत और अमेरिका के बीच अगले 90 दिनों में व्यापार को लेकर कैसी बातचीत होती है। अगर समझौता हो गया, तो शायद यह टैरिफ पूरी तरह हटा दिया जाए। लेकिन अगर बात नहीं बनी, तो 9 जुलाई के बाद ये शुल्क दोबारा लागू हो सकता है।

75 देशों ने हमारी चिंताओं को दूर करने के लिए संपर्क किया- ट्रंप

डोनाल्ड ट्रंप ने कार्यकारी आदेश में कहा, जब से मैंने (राष्ट्रपति ने) कार्यकारी आदेश 14257 पर हस्ताक्षर किए हैं, 75 से अधिक अन्य विदेशी व्यापार साझेदारों ने हमारे आर्थिक संबंधों में व्यापार पारस्परिकता की कमी और हमारी राष्ट्रीय और आर्थिक सुरक्षा चिंताओं को दूर करने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका से संपर्क किया है। 9 अप्रैल को जारी इस आदेश में कहा गया है, यह इन देशों की ओर से गैर-पारस्परिक व्यापार व्यवस्थाओं को सुधारने और आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा मामलों पर संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ पर्याप्त रूप से सहयोग करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

डोमिनिकन गणराज्य में नाइट क्लब की छत ढहने से हुए हादसे में मृतक संख्या बढ़कर 221 हुई

सैंटो डोमिंगो : डोमिनिकन गणराज्य की राजधानी सैंटो डोमिंगो में एक नाइट क्लब की छत गिरने से हुए हादसे में मृतक संख्या बढ़कर 221 हो गई है। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। आपातकालीन संचालन केंद्र के निदेशक जुआन मैनुअल मेंडेज ने कहा कि घटनास्थल पर मौजूद कर्मचारी अब भी पीड़ितों और बचे लोगों की तलाश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''हम अपना प्रयास जारी रखेंगे।'' अधिकारियों ने बताया कि 200 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं, जिनमें से 24 अस्पताल में भर्ती हैं और इनमें से आठ की हालत गंभीर है। अधिकारियों ने बुधवार को बताया था कि सैंटो डोमिंगो का मशहूर जेट सेट नाइट क्लब सोमवार देर रात गायकों, संगीत प्रेमियों, एथलीट और सरकारी अधिकारियों से खचाखच भरा हुआ था।

बिहार के कई जिलों में वज्रपात, ओलावृष्टि की चपेट में आने से 25 लोगों की मौत

पटना : बिहार के कई जिलों में बृहस्पतिवार को आकाशीय बिजली गिरने और ओलावृष्टि की चपेट में आने से 25 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) की ओर से जारी बयान के अनुसार, नालंदा में 18 लोगों की मौत हुई। इसके बाद सीवान में दो, कटिहार, दरभंगा, बेगूसराय, भागलपुर और जहानाबाद में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई। बयान में कहा गया है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इन घटनाओं में लोगों की मौत पर शोक व्यक्त किया और मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। बुधवार को बिहार के चार जिलों में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से 13 लोगों की मौत हो गई थी। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने दरभंगा, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, पश्चिम चंपारण, किशनगंज, अररिया, सुपौल, गया, सीतामढ़ी, शिवहर, नालंदा, नवादा और पटना सहित कई जिलों के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' (सावधान रहें) जारी किया है। इन जिलों में शुक्रवार और शनिवार को भारी बारिश का अनुमान जताया गया है। आईएमडी ने एक बुलेटिन में कहा, ''मधुबनी, दरभंगा, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, पश्चिम चंपारण, किशनगंज, अररिया, सुपौल, गया, सीतामढ़ी, शिवहर, नालंदा, नवादा, पटना में कुछ स्थानों पर गरज के साथ बारिश, आकाशीय बिजली गिरने और तेज हवाएं (40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से) चलने की संभावना है।'' बृहस्पतिवार को भारी बारिश के बाद पटना के कई हिस्सों से जलजमाव की भी खबर आई। राज्य की राजधानी में शाम साढ़े पांच बजे तक औसतन 42.6 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। पटना नगर निगम (पीएमसी) और जिला प्रशासन के अधिकारियों ने दावा किया कि भारी बारिश के बावजूद बेहद कम समय के अंदर पानी निकाल दिया गया।

यूपी के कई हिस्सों में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से 22 लोगों की मौत (पृष्ठ 6)

राष्ट्रपति मुर्मू को स्लोवाकिया में डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया

नाइट्रा (स्लोवाकिया) : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को बृहस्पतिवार को यहां 'कॉन्स्टेंटाइन द फिलॉसफर' विश्वविद्यालय द्वारा ''सार्वजनिक सेवा में उनके विशिष्ट योगदान'' के लिए डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। राष्ट्रपति स्लोवाकिया और पुर्तगाल की अपनी चार दिवसीय यात्रा के अंतिम दिन सम्मान प्राप्त करने के लिए विश्वविद्यालय परिसर पहुंचीं। विश्वविद्यालय ने एक बयान में कहा कि राष्ट्रपति मुर्मू को सार्वजनिक सेवा और शासन में उनके विशिष्ट योगदान, सामाजिक न्याय एवं समावेश की वकालत के लिए सम्मानित किया जा रहा है। बयान में कहा गया कि मुर्मू ने शिक्षा, महिलाओं के सशक्तीकरण और सांस्कृतिक एवं भाषाई विविधता के संरक्षण और संवर्धन में योगदान दिया है। राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में कहा कि वह भारत के 1.4 अरब लोगों की ओर से सम्मान स्वीकार कर रही हैं। मुर्मू ने कहा कि दार्शनिक सेंट कॉन्स्टेंटाइन सिरिल के नाम वाले संस्थान से मानद उपाधि प्राप्त करना विशेष रूप से मायने रखता है क्योंकि भाषा, शिक्षा और दर्शन में उनका विशिष्ट योगदान था।

वैश्विक प्लास्टिक कचरे में भारत का योगदान 2022 में मात्र 3.5 प्रतिशत रहा: विश्लेषण

नयी दिल्ली : साल 2022 में दुनिया में लगभग 26.8 करोड़ टन प्लास्टिक कचरा उत्पन्न हुआ, जिसमें भारत की हिस्सेदारी सिर्फ 3.54 प्रतिशत रही। एक नए शोधपत्र में यह बताया गया है। पत्रिका 'नेचर' में प्रकाशित विश्लेषण में कहा गया है कि 2022 में लगभग 40 करोड़ टन प्लास्टिक का उत्पादन हुआ, जिसमें भारत की हिस्सेदारी पांच प्रतिशत रही। इस साल प्लास्टिक उत्पादन में चीन का योगदान 32 प्रतिशत तो अमेरिका का योगदान 42 प्रतिशत रहा। चीन प्लास्टिक का सबसे बड़ा उपभोक्ता है, जो दुनिया की आपूर्ति का 20 प्रतिशत उपयोग करता है। अमेरिका 18 प्रतिशत, यूरोपीय संघ (ईयू) 16 प्रतिशत, भारत छह प्रतिशत तथा जापान चार प्रतिशत प्लास्टिक का उपभोग करता है। रिपोर्ट में कहा गया कि 2022 में सर्वाधिक प्रति व्यक्ति खपत 216 किलोग्राम अमेरिका में थी।

आयुष्मान भारत योजना नहीं लागू करने वाले राज्यों की सरकारें बाहर हो गईं, अब बंगाल की बारी: नड्डा

नयी दिल्ली : केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रमुख जे पी नड्डा ने बृहस्पतिवार को राजनीतिक विरोधियों पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जिन सत्तारूढ़ दलों ने अपने राज्यों में आयुष्मान भारत योजना लागू नहीं की, वे सत्ता से बाहर हो गए और अब पश्चिम बंगाल की बारी है। दिल्ली सरकार ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) को लागू करने के लिए पांच अप्रैल को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने के बाद प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन (पीएम-एबीएचआईएम) के कार्यान्वयन के लिए केंद्र के साथ एक और समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। पीएम-एबीए-

चआईएम को यह सुनिश्चित करने के लिए अक्टूबर 2021 में शुरू किया गया था ताकि सार्वजनिक स्वास्थ्य बुनियादी ढांचा भविष्य की महामारियों और बीमारियों के प्रकोप का प्रभावी ढंग से प्रबंधन कर सके। एमओयू पर हस्ताक्षर करने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा कि एबी-पीएमजेएवाई दुनिया का सबसे बड़ा स्वास्थ्य-कवरेज कार्यक्रम है, जिसके तहत वर्तमान में 62 करोड़ लोग लाभान्वित हो रहे हैं। उन्होंने कहा, यह गर्व की बात है कि दिल्ली में 36 लाख लोग अब आयुष्मान भारत-पीएमजेएवाई से लाभान्वित होंगे। नड्डा ने यह भी बताया कि दिल्ली में आयुष्मान भारत-पीएमजेएवाई के लागू होने से 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिक आयुष्मान वय वंदना योजना के अंतर्गत आएंगे, भले ही उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति कुछ भी हो। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत 8.19 करोड़ लोग पहले ही इलाज करा चुके हैं और सरकार ने इसके लिए कुल 1.26 लाख करोड़ रुपये खर्च किए हैं। नड्डा ने कहा कि लाभार्थियों में से 19 लाख वंचित लोग हैं जो आयुष्मान भारत स्वास्थ्य कवरेज के बिना इन उपचारों का खर्च नहीं उठा सकते थे। नड्डा ने कहा, आयुष्मान भारत योजना के परिणामस्वरूप, आज जेब से होने वाला खर्च 62 प्रतिशत से घटकर 38 प्रतिशत रह गया है। उन्होंने दोहराया कि एबी-पीएमजेएवाई एक आश्वासन है न कि बीमा योजना, जिसके तहत सरकार लाभार्थियों को पांच लाख रुपये के स्वास्थ्य कवरेज का आश्वासन देती है और उसके ऊपर, दिल्ली सरकार ने पांच लाख रुपये और जोड़े हैं, जिससे कुल कवरेज 10 लाख रुपये हो गया है।

आर्थिक स्थिरता हेतु रेपो दरों में कटौती

अमेरिका के टैरिफ युद्ध से उपजी वैश्विक आर्थिक अस्थिरता के बीच केंद्रीय बैंक ने सावधानी के फैसले लेने शुरू कर दिए हैं। शेयर बाजारों के ध्वस्त होने के बाद आर्थिक मंदी की आहट अमेरिका समेत पूरी दुनिया में महसूस की जा रही है। वैश्विक प्रतिकूलताओं के बीच केंद्रीय बैंक द्वारा हाल ही में दूसरी बार रेपो दर में 25 आधार अंक की कटौती अनिश्चितता के बीच सावधानी का ही संकेत है। केंद्रीय बैंक ने अब रेपो दर 6.25 से घटाकर 6 प्रतिशत करने का निर्णय लिया है। इस साल यह दूसरी बार कटौती है। जबकि पहली कटौती पांच साल बाद की गई थी। यह कदम वैश्विक अस्थिरता के प्रति रिजर्व बैंक की चिंता को ही दर्शाता है। निश्चित रूप से आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा के नेतृत्व में मौद्रिक नीति समिति द्वारा समायोजन के साथ बदलती प्राथमिकताओं का संकेत दिया है। अब बैंक की प्राथमिकता मुद्रास्फीति के बजाय विकास को गति देना है। निर्विवाद रूप से केंद्रीय बैंक ने यह कदम ऐसे समय पर उठाया है जब संयुक्त राज्य अमेरिका से उपजे व्यापार तनाव और टैरिफ संकट के बीच आर्थिक अनिश्चितता बढ़ रही है। ये हालात घरेलू स्तर पर खपत में कमी करके मंदी की आशंका बढ़ा सकते हैं। साथ ही विकास में निजी निवेश की संभावनाओं पर भी भारी पड़ सकते हैं। इसके साथ ही केंद्रीय बैंक ने देश के सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर के पूर्वानुमान को संशोधित करके 6.5 फीसदी कर दिया है। जो आने वाली आर्थिक चुनौतियों के मद्देनजर पैदा होने वाली चिंताओं को ही रेखांकित करता है। निश्चित रूप से यह फैसला आवास और ऑटो ऋण ले चुके लोगों के लिये राहत भरी खबर है क्योंकि रेपो रेट घटने पर ऋण लेने वालों की ईएमआई घट सकती है। साथ ही यह कदम नये ऋण लेने वाले लोगों को भी प्रोत्साहित करेगा। इससे रियल एस्टेट सेक्टर को गति मिलने की संभावना भी बढ़ गई है।

हालांकि, उन लोगों को कुछ निराशा हो सकती है जो बैंकों में सावधि जमा राशि के जरिये जीवनयापन करते हैं। ऐसे में ब्याज दरों में गिरावट से उनका वास्तविक रिटर्न कम हो सकता है। फलत: निवेश को प्रोत्साहन देने के लिये नई रणनीति बनाने की जरूरत है। निस्संदेह, रेपो दरों में कटौती मौद्रिक अनुशासन का एक जरूरी उपकरण है, लेकिन ये अंतिम रामबाण उपचार भी नहीं है। इसके साथ ही केंद्रीय बैंक को मुद्रास्फीति के दबाव व मुद्रा अस्थिरता के प्रति भी सतर्क रहना चाहिए। जिससे महंगाई बने रहने की चिंता भी पैदा हो सकती है। जरूरी है कि केंद्रीय बैंक द्वारा रेपो दरों में की गई कटौती का लाभ बैंक यथाशीघ्र अपने ऋण लेने वाले ग्राहकों को प्रदान करें। बहरहाल, दरों की यह कटौती केंद्रीय बैंक की विकास को गति देने की मंशा को ही जाहिर करती है। लेकिन यह कदम तभी प्रभावकारी हो सकता है जब राजकोषीय उपायों और संरचनात्मक सुधारों को गति प्रदान की जाए। बहरहाल, आम आदमी के लिये यह सुखद है कि उसकी ईएमआई कम हो जाएगी। साथ ही नये लोन भी सस्ते होंगे। जिससे हाउसिंग क्षेत्र में डिमांड बढ़ेगी। साथ ही लोग रियल एस्टेट में अधिक निवेश कर सकेंगे। निश्चित रूप से इस कदम से रियल एस्टेट सेक्टर को नई ताकत मिलेगी। वहीं उद्योग जगत ने भी केंद्रीय बैंक के फैसले का स्वागत किया है। उद्योग जगत लंबे समय से ब्याज दरों में कटौती की मांग करता रहा है, जबकि केंद्रीय बैंक की प्राथमिकता मुद्रास्फीति पर नियंत्रण की बनी रही थी। बहरहाल, केंद्रीय बैंक ने अर्थव्यवस्था में मुद्रा के प्रवाह को बढ़ाने का मन बना लिया है। यह तार्किक ही कि आर्थिक प्रतिकूलताओं के बीच मंदी के प्रभाव को टालने के लिये अर्थव्यवस्था में मुद्रा का प्रवाह बढ़ाने का सहारा लिया जाए। केंद्रीय बैंक को अहसास है कि टैरिफ टकराव से घरेलू विकास दर प्रभावित हो सकती है। साथ ही निर्यात पर भी प्रतिकूल असर पड़ सकता है। ऐसे में सकारात्मक स्थिति यह है कि दुनिया में कच्चे तेल के दामों में गिरावट आई है, जिससे सरकार को महंगाई को काबू में रखने में मदद मिल सकती है।

बढ़ती गर्मी एवं हीट वेव से जुड़े जीवन-संकट

ललित गर्ग

भारत में इस समय गर्मी एवं हीट वेव का प्रकोप बढ़ता जा रहा है, खासकर उत्तर भारत के अनेक राज्यों विशेषतः गुजरात, राजस्थान, दिल्ली, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और ओडिशा में अप्रैल के प्रारंभ में ही बढ़ती गर्मी एवं हीट वेव लोगों को अपनी चपेट में लेने लगी, कई शहरों में पारा 44-45 डिग्री तक चढ़ गया है। राजस्थान के बाडमेर में तापमान 46 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है, जो चिन्ताजनक होने के साथ अनेक समस्याओं एवं परेशानियों का सबब है। लगातार बढ़ती गर्मी के आंकड़े एक बार फिर जलवायु परिवर्तन के परिणामों और इसकी वजह से खड़े हुए संकट को ही दर्शा रहे हैं। अधिक तापमान पानी की गंभीर कमी का कारण बन सकता है, कृषि को प्रभावित कर सकता है और विशेष रूप से घनी आबादी वाले क्षेत्रों में महत्वपूर्ण स्वास्थ्य जोखिम का कारण बन सकता है। भीषण गर्मी एवं लू का प्रकोप लोगों की सेहत, कार्य-क्षमता और उत्पादकता पर गंभीर खतरा है। विश्व बैंक के एक अध्ययन के मुताबिक, देश का करीब 75 फीसदी कार्यबल कृषि और निर्माण क्षेत्र में गर्मी का सीधे सामना करने वाले श्रम पर निर्भर करता है। इसके मुताबिक साल 2030 तक गर्मी के प्रकोप से जुड़ी उत्पादकता में गिरावट की वजह से दुनिया भर में कुल होने वाली नौकरियों के नुकसान में अकेले भारत का योगदान करीब 43 फीसदी तक हो सकता है।

इस बार बढ़ती गर्मी के पूराने सारे रेकॉर्ड तोड़ देने की चेतावनी दी जा रही हैं जो हमारे लिए चौंकाने से ज्यादा गंभीर चिंता की बात है। गुजरात एवं राजस्थन के अनेक स्थानों पर अभी से गर्मी इतनी तेज है कि कुछ ही

दिनों में धरती तवे की तरह तपने लगेगी। पानी की कमी, बिजली कटौती और गर्म लू के कारण बीमारी के हालात गंभीर हो सकते हैं। इतनी तेज गर्मी में पेयजल की उपलब्धता, बिजली की आपूर्ति व ट्रिपिंग की समस्या से निजात पाना मुश्किल होगा। सवाल यह है कि इस भीषण लू या यों कहें कि हीटवेव के लिए बहुत कुछ हम, हमारी सुविधावादी जीवनशैली और हमारा विकास का नजरिया भी जिम्मेदार है। आज शहरीकरण और विकास के नाम पर प्रकृति को विकृत करने में हमने कोई कमी नहीं छोड़ी है। पेड़ों की खासतौर से छायादार पेड़ों की अंधाधुंध कटाई एवं गांवों में हो या शहरों में आंख मींचकर कंक्रिट के जंगल खड़े करने की होड़ के दुष्परिणाम से ही गर्मी कहर बरपाती है और प्रकृति एवं पर्यावरण की विकरालता के रूप में सामने आती हैं। जल संग्रहण के परंपरागत स्रोतों को नष्ट करने में भी हमने कोई गुरेज नहीं किया। अब विकास एवं सुविधाओं और प्रकृति के बीच सामंजस्य की और ध्यान देना होगा, अन्यथा आने वाले साल और अधिक चुनौती भरे होंगे। कंक्रिट के जंगलों से लेकर हमारे दैनिक उपयोग के अधिकांश साधन एवं विकास की भ्रामक सोच तापमान को बढ़ाने वाले ही हैं।

विडंबना यह है कि ग्लोबल वार्मिंग की दस्तक देने के बावजूद विकसित व संपन्न देश पर्यावरण संतुलन के प्रयास करने तथा आर्थिक सहयोग देने से बच रहे हैं। ऐसा नहीं है कि मौसम की मार से कोई विकसित व संपन्न देश बचा हो, लेकिन प्राकृतिक संसाधनों के क्रूर दोहन से औद्योगिक लक्ष्य पूरे करने वाले ये देश अब विकासशील देशों को नसीहत दे रहे हैं। निश्चित रूप से बढ़ता तापमान उन लोगों के लिये बेहद कष्टकारी है, जो पहले ही जीवनशैली से जुड़े रोगों एवं समस्याओं से जूझ रहे हैं। जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता असाध्य रोगों की वजह से चूक रही है। ऐसा ही संकट वृद्धों के लिये भी है, जो बेहतर चिकित्सा सुविधाओं व सामाजिक सुरक्षा के अभाव में जीवनयापन कर रहे हैं। वैसे एक तथ्य यह भी है कि मौसम के चरम पर आने, यानी अब चाहे बाढ़ हो, शीत लहर हो या फिर लू हो, मरने वालों में अधिकांश गरीब व कामगार तबके के लोग ही होते हैं। जिनका जीवन गर्मी में बाहर निकले बिना या काम किये बिना चल नहीं सकता। निष्कर्षतः कह सकते हैं कि उन्हें मौसम और गरीबी दोनों मारती है।

प्रतिवर्ष धरती का तापमान बढ़ रहा है। आबादी बढ़ रही है, जमीन छोटी पड़ रही है। हर चीज की उपलब्धता कम हो रही है। आक्सीजन की कमी हो रही है। जलवायु परिवर्तन की वजह से हो रहा तापमान में लगातार असंतुलन सामान्य घटना नहीं है, जिसका दायरा अब वैश्विक हो गया है। भले ही कोई इस विनाशकारी स्थिति को तात्कालिक घटना कहकर खारिज कर दे लेकिन जमीनी सच्चाई यह है की बड़े पैमाने पर ग्लेशियर्स का पिघलना और हीट वेव बहुत बड़े वैश्विक खतरें की आहट है, जिसको अनदेखा नहीं किया जा सकता है। कथित विकास की बेहोशी से दुनियां को जागना पड़ेगा। ग्लोबल वार्मिंग की वजह से 'तीसरा ध्रुव' कहे जानें वाले हिमालय के ग्लेशियर 10 गुना तेजी से पिघल रहे हैं। ब्रिटेन की लीड्स यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं के अनुसार, आज हिमालय से बर्फ के पिघलने की गति 'लिटल आइस एज' के वक्त से औसतन 10 गुना ज्यादा है। लिटल आइस एज का काल 16वीं से 19वीं सदी के बीच का था। इस दौरान बड़े पहाड़ी ग्लेशियर का विस्तार हुआ था। वैज्ञानिकों की मानें, तो हिमालय के ग्लेशियर दूसरे ग्लेशियर के मुकाबले ज्यादा तेजी से पिघल रहे हैं। विशेषज्ञों के एक अनुमान के अनुसार अंटार्कटिका के ग्लेशियर के पूरी तरह से पिघलने पर पृथ्वी की ग्रेविटेशनल पावर शिफ्ट हो जाएगी। इससे पूरी दुनिया में भारी उथल पुथल देखने को मिलेगी। पृथ्वी के सभी महाद्वीप आंशिक रूप से पानी के भीतर समा जाएंगे। भारी मात्रा में जैव-विविधता को हानि पहुंचेगी। पृथ्वी पर रहने वाली हजारों प्रजातियां भी खत्म हो जाएंगी। पृथ्वी पर एक विनाशकारी एवं विकराल स्थिति का उद्भव होगा। इसके साथ ही दुनियां भर में करोड़ों की संख्या में लोगों को एक जगह से दूसरी जगह पर माइग्रेट करना पड़ेगा।

दुनियाभर में कूलिंग सिस्टम्स यानी एयरकंडीशन की मांग कई गुना बढ़ी है। सुविधावादी जीवनशैली एवं तथाकथित आधुनिकता ने पर्यावरण के असंतुलन को बेतहाशा बढ़ाया है। तापमान में भी साल-दर-साल बढ़ोतरी अनेक संकटों की दस्तक है। जहां तापमान ने नए रिकॉर्ड्स बनाने शुरू कर दिए हैं वहीं, भारी बारिश के कारण बाढ़ के हालात बन रहे हैं। ग्लोबल वार्मिंग के कारण मौसम को लेकर अनिश्चितता बढ़ती जा रही है। सरकारों को नीतिगत फैसला लेकर बदलते मौसम की चुनौतियों को गंभीरता से लेना होगा। समय रहते बचाव के लिये नीतिगत फैसले नहीं लिए गए तो एक बड़ी आबादी के जीवन पर संकट मंडराएगा। यह संकट तीखी गर्मी से होने वाली बीमारियों व लू से होने वाली मौतें ही नहीं होंगी, बल्कि हमारी कृषि एवं खाद्य सुरक्षा श्रृंखला भी प्रभावित होगी। हालिया अध्ययन बता रहे हैं कि मौसमी तीव्रता से फसलों की उत्पादकता में भी कमी आई है। दरअसल, मौसम की यह तल्खी केवल भारत ही नहीं ,वैश्विक स्तर पर नजर आ रही है।

सरकारों को मानना होगा कि वैसे तो प्रकृति किसी तरह का भेदभाव नहीं करती मगर सामाजिक असमानता के चलते वंचित समाज इसकी बड़ी कीमत चुकाता है। सरकार रेड अलर्ट व ऑरेंज अलर्ट की सूचना देकर अपने दायित्वों से पल्ला नहीं झाड़ सकती। बढ़ती गर्मी को देखते हुए स्कूल-कालेजों के संचालन, दोपहर की तीखी गर्मी के बीच कामगारों व बाजार के समय के निर्धारण को लेकर देश में एकरूपता का फैसला लेने की जरूरत है। कुछ जगहों पर धारा 144 लागू करना इस संकट का समाधान कदापि नहीं है। कभी संवेदनशील भारतीय समाज के संपन्न लोग सार्वजनिक स्थलों में प्याऊ की व्यवस्था करते थे। लेकिन आज संकट यह है कि पानी व शीतल पेय के कारोबारी मुनाफे के लिये सार्वजनिक पेयजल आपूर्ति को बाधित करने की फिराक में रहते हैं। सरकारें भी जल के नाम पर राजनीति करती है। हमारे राजनीतिज्ञ, जिन्हें सिर्फ वोट की प्यास है और वे अपनी इस स्वार्थ की प्यास को पानी से बुझाना चाहते हैं। विभिन्न प्रांतों के बीच का यह विवाद आज हमारे लोकतांत्रिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न कर रहा है, जनजीवन से खिलवाड़ कर रहा है। इस तरह की तुच्छ एवं स्वार्थ की राजनीति करने वाले नेता क्या गर्मी एवं जल-समस्याओं का समाधान दे पायेंगे?

भारत को पाम ऑयल की खेती में आत्मनिर्भरता क्यों हासिल करनी चाहिए

डॉ. अनुपम बारिक

यह उल्लेखनीय है कि भारत ने चावल, गेहूं, धान और चीनी के उत्पादन में आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की है। अब समय आ गया है कि हम खाद्य तेलों के मामले में भी 'आत्मनिर्भर भारत' की दिशा में कदम बढ़ाएं। आज हमारे घरेलू उत्पादन ने कृषि निर्यात में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं और भारत को एक प्रमुख कृषि निर्यातक देश के रूप में गिना जाता है। इसके बावजूद, खाद्य तेलों के आयात पर हमारी निर्भरता अभी भी बहुत अधिक है, और यह समझना आवश्यक है कि पाम ऑयल की घरेलू खेती की आवश्यकता क्यों है।

भारत में पाम ऑयल की शुरुआत 1886 में कोलकाता के नेशनल रॉयल बॉटनिकल गार्डन में हुई थी। इसके बाद 1947 से 1959 के बीच महाराष्ट्र एसोसिएशन फॉर कल्टीवेशन ऑफ साइंसेज द्वारा पुणे के पास नहर किनारे, घरेलू बगानों और कुछ हद तक जंगलों में अफ्रीकी ड्यूरा पाम लगाए गए। बाद में, केरल (1971 से 1984) और अंडमान व निकोबार द्वीपसमूह (1976 से 1985) में बड़े पैमाने पर इसकी खेती शुरू हुई। 2015-16 तक भारत में 3 लाख हेक्टेयर में पाम ऑयल की खेती हो रही थी, और यह कई राज्यों में एक सफल फसल बन चुकी थी।

वित्तीय वर्ष 2022-23 में भारत ने लगभग 80,000 करोड़ का खाद्य तेल आयात किया, जिसमें पाम ऑयल का हिस्सा 56% था, यानी भारत ने अकेले पाम ऑयल पर 40,000 करोड़ से अधिक खर्च किया। यह आत्मनिर्भरता की आवश्यकता को रेखांकित करता है। इस दिशा में भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया 'राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन- पाम ऑयल' एक रणनीतिक कदम है जो आयात पर निर्भरता कम करने, खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने, बेरोजगारी से लड़ने और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए उठाया गया है।

2022-23 में भारत में पाम ऑयल की खपत में 24% की वृद्धि हुई और आने वाले वर्षों में इसके और बढ़ने की संभावना है। भारत सालाना 2.4 करोड़ टन खाद्य तेल का उपभोग करता है, जिसमें से 1.5 करोड़ टन आयात किए जाते हैं और इनमें पाम ऑयल का हिस्सा 56% है। भारत विश्व का सबसे बड़ा पाम ऑयल आयातक है और इसका 90% से अधिक हिस्सा मलेशिया, इंडोनेशिया और थाईलैंड से आता है। अक्टूबर 2022 में खाद्य तेलों का आयात बिल 1.57 लाख करोड़ तक पहुंच गया, जिससे घरेलू उत्पादन की आवश्यकता और स्पष्ट हो जाती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अगस्त 2021 में घोषित एनएमईओ-ओपी के तहत 11,040 करोड़ (1 बिलियन डॉलर से अधिक) का निवेश किया गया है। इस मिशन का लक्ष्य 2025-26 तक घरेलू उत्पादन को तीन गुना कर 11 लाख मीट्रिक टन और 2028-29 तक 28 लाख मीट्रिक टन तक बढ़ाना है। साथ ही, पाम ऑयल की खेती का दायरा 2025-26 तक 10 लाख हेक्टेयर और 2029-30 तक 16.7 लाख हेक्टेयर तक विस्तारित करने का लक्ष्य है।

तेल पाम मिशन न केवल नई भौगोलिक क्षेत्रों में पाम ऑयल को बढ़ावा देता है बल्कि किसानों को बीज सामग्री, निजी कंपनियों से खरीदी की गारंटी, और वैश्विक कीमतों की अस्थिरता से सुरक्षा देने के लिए वायबिलिटी गैप पेमेंट के माध्यम से संपूर्ण समर्थन प्रदान करता है।

इस मिशन के तहत किसानों को पौध रोपण, रख-रखाव, ड्रिप सिंचाई प्रणाली, डीजल/इलेक्ट्रिक पंप-सेट, जल संचयन संरचनाएं, अंतःफसल के लिए सामग्री, वर्मी कम्पोस्ट यूनिट, मशीनरी, कटाई उपकरण आदि के लिए वित्तीय सहायता दी जाती है। इसके अलावा प्रोसेसर्स को नर्सरी, सीड गार्डन और ऑयल पाम मिलों के लिए भी सहायता दी जाती है। यह सहायता केंद्र और राज्य सरकारों के बीच 60:40 के अनुपात में बांटी जाती है, जबकि पूर्वोत्तर राज्यों के लिए यह अनुपात 90:10 है। वहीं, आंध्र प्रदेश के पेदावेगी स्थित इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ ऑयल पाम रिसर्च और इंफाल स्थित सेंट्रल एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी को अनुसंधान एवं आधारभूत संरचना के लिए 100% सहायता दी जा रही है।

तेल पाम का आर्थिक जीवनकाल लगभग 30 वर्षों का होता है। उपयुक्त पौध, सिंचाई और बेहतर प्रबंधन के साथ, पाँच वर्षों के बाद प्रति हेक्टेयर 20-25 मीट्रिक टन ताजे फलों के गुच्छे प्राप्त किए जा सकते हैं, जिससे 4-5 मीट्रिक टन पाम ऑयल और 0.4-0.5 मीट्रिक टन पाम कर्नेल ऑयल प्राप्त होता है। यह पारंपरिक तिलहनों की तुलना में पाँच गुना अधिक उत्पादन है।

आईसीएआर-आईआईओपीआर की 2020 की पुनर्मूल्यांकन समिति ने देश के 22 राज्यों में 27.99 लाख हेक्टेयर भूमि को पाम ऑयल की खेती के लिए उपयुक्त पाया, जिसमें से 9.65 लाख हेक्टेयर क्षेत्र पूर्वोत्तर राज्यों में स्थित है। आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और केरल इस फसल के प्रमुख उत्पादक राज्य हैं और कुल उत्पादन का 98% हिस्सा इन्हीं से आता है। कर्नाटक, तमिलनाडु, ओडिशा, छत्तीसगढ़ और मिजोरम में भी काफी क्षेत्र में इसकी खेती हो रही है। हाल ही में अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर और नागालैंड ने भी एनएमईओ-ओपी के तहत पाम ऑयल की खेती शुरू की है। मार्च 2024 तक 10 राज्यों में कुल 4.60 लाख हेक्टेयर में पाम ऑयल की खेती की जा चुकी है, जिससे 27 लाख टन ऋझझी और 4.25 लाख टन उझझज का उत्पादन हुआ।

पाम ऑयल एक भूमि-संरक्षण वाली फसल है जो भारत में किसी भी अन्य फसल की तुलना में प्रति हेक्टेयर अधिक तेल देती है। यह बिना वनों की कटाई के कुवांरी भूमि पर टिकाऊ ढंग से उगाई जा सकती है। अन्य वनस्पति तेल फसलों जैसे सरसों, मूंगफली, रेपसीड, राइस ब्रैन, सोया या सूरजमुखी की तुलना में पाम ऑयल प्रति इकाई भूमि 4 से 10 गुना अधिक उत्पादन देता है। उदाहरण के लिए, जहां ये फसलें प्रति हेक्टेयर 300-500 किलोग्राम तेल देती हैं, वहीं पाम ऑयल की फसल प्रति हेक्टेयर चार टन तक उत्पादन देती है। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय की 'आवर वर्ल्ड इन डेटा' के अनुसार, पाम ऑयल दुनिया के 36% तेल का उत्पादन करता है, जबकि यह तेल उत्पादन के लिए उपयोग की जाने वाली कृषि भूमि का केवल 9% उपयोग करता है। इसलिए, पाम ऑयल पर किसी भी प्रकार का प्रतिबंध लगाना पर्यावरण के लिए हानिकारक हो सकता है, क्योंकि इसके विकल्पों को अधिक भूमि की आवश्यकता होगी।

सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने सोलिडेरिडैड नेटवर्क के साथ मिलकर सितंबर 2017 में आईपीओएसए इंडियन पाम ऑयल सस्टेनेबिलिटी फ्रेमवर्क लॉन्च किया, जिसका उद्देश्य स्थिरता, व्यापार को बढ़ावा देना, किसानों की उत्पादकता और मुनाफे में सुधार करना और इसे मलेशियाई चड्झज और इंडोनेशियाई आईएसपीओ जैसे अन्य राष्ट्रीय स्थिरता मानकों के अनुरूप बनाना है।

भारत में पाम ऑयल की आवश्यकता निर्विवाद है और एनएमईओ-ओपी इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है जो न केवल आयात पर निर्भरता को कम करेगा बल्कि किसानों को आय और रोजगार के नए अवसर भी देगा। इस योजना के तहत किसानों को पौध सामग्री लागत का 85% और बागवानी रख-रखाव के लिए पर्याप्त वित्तीय सहायता दी जाती है। सरकार ने वृक्षारोपण में 100% एफडीआई की अनुमति दी है और किसानों व प्रोसेसर्स के लिए भारी वित्तीय सहायता की घोषणा की है। सतत पाम ऑयल की खेती न केवल संभव है बल्कि भारत के आर्थिक और पर्यावरणीय भविष्य के लिए अत्यंत आवश्यक भी है।

अनिश्चितताओं की दुनिया में भारत प्रगति का शानदार उदाहरण है: राष्ट्रपति मुर्मू

ब्रातिस्लावा /नाइट्रा (स्लोवाकिया) : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को स्लोवाकिया के उद्योगपतियों को 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया और इस बात पर जोर दिया कि भारत आज की अनिश्चितताओं भरी दुनिया में प्रगति का एक शानदार उदाहरण है। राष्ट्रपति ने यहां 'जगुआर लैंड रोवर' सुविधा केंद्र का दौरा किया। इस दौरान वह 'लैंड रोवर डिफेंडर' के विनिर्माण संयंत्र की शुरुआत की साक्षी बनीं। मुर्मू दो देशों की अपनी राजकीय यात्रा के दूसरे चरण में बुधवार को यहां पहुंचीं। वह स्लोवाक गणराज्य की यात्रा करने वाली दूसरी भारतीय राष्ट्राध्यक्ष हैं। राष्ट्रपति ने संयंत्र में कार्यरत भारतीय कर्मचारियों से मुलाकात की, जो उनसे मिलने के लिए पंक्ति में खड़े थे। आखिरी बार किसी भारतीय राष्ट्रपति ने 29 साल पहले स्लोवाकिया का दौरा किया था। मुर्मू मध्य यूरोपीय देश का दौरा करने वाली दूसरी भारतीय राष्ट्रपति हैं। विदेश मंत्रालय द्वारा यहां आयोजित स्लोवाकिया-भारत व्यापार मंच को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि स्लोवाकिया अपनी कार्यबल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विदेशों से मेहनती कुशल श्रमिकों और पेशेवरों की तलाश कर रहा है। उन्होंने कहा, ''मुझे विश्वास है कि भारतीय प्रतिभा स्लोवाकिया की आर्थिक प्रगति में एक मूल्यवान भागीदार हो सकती है।'' राष्ट्रपति ने कहा कि भारत के आने वाले वर्षों में 5,000 अरब (पांच ट्रिलियन) अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की उम्मीद है और ''हम स्लोवाकिया जैसे अपने मित्र देशों के साथ साझेदारी में ऐसा करने की उम्मीद करते हैं।''

आज का पंचांग

कोलकाता : 11 अप्रैल, शुक्रवार, 2025, विक्रम सम्वत् 2082, चैत्र शुक्लपक्ष चतुर्दशी, 27:23 तक, नक्षत्र :उत्तर फाल्गुनी, 15:06 तक, योग : ध्रुव, 19:42 तक , सूर्योदय: 5:20, सूर्यास्त: 17:55, चन्द्रोदय : 16:38, चन्द्रास्त: 04:14, शक सम्वतः 1947 विश्वावसु, अमान्ता महीना, सूर्य राशि : मीन, चन्द्र राशि : कन्या, राहू काल : 10:04 से 11:37

राशिफल

मेष : आज समस्याओं का निदान होगा। अपने विचारों को नकारात्मक न होने दें। पार्टनरशिप में किसी कारण अनबन हो सकती है। परिवार में मनोरञ्जन का वातावरण रहेगा।

वृष : आज सेहत का विशेष ध्यान रखना चाहिये। वाहन चलाते समय सावधानी रखें। छात्रों को परिश्रम का सार्थक परिणाम मिलेगा। साझेदारी वाले कार्यों में आपको लाभ मिलेगा।

मिथुन : आज व्यापार में नवीन प्रस्ताव मिल सकते हैं। ईर्ष्या की भावना के कारण आपका मन उद्वेलित रहेगा। मीडिया से जुड़े लोगों को अधिक भागदौड़ करनी पड़ेगी।

कर्क : आज आपके व्यवहार से लोग प्रसन्न रहेंगे। शाम के समय मनोरञ्जक यात्रा हो सकती है। रुके हुये पैसे आपको मिल सकते हैं। दोस्तों के साथ आपके सम्बन्ध मधुर होंगे।

सिंह : आज पति-पत्नी के बीच अनबन हो सकती है। माता के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखें। परिवार के किसी सदस्य की चिन्ता रहेगी। आपको थकान और चिड़चिड़ापन महसूस होगा।

कन्या : आज धार्मिक स्थल की यात्रा कर सकते हैं। लोग आपसे काफी प्रेरणा लेंगे। कारोबार में उच्च आर्थिक लाभ प्राप्त होगा। आपके मन में सन्तोष की भावना रहेगी।

तुला : आज किसी काम में आपकी रुचि कम हो सकती है। प्रेम सम्बन्ध किसी कारण प्रभावित हो सकते हैं। जोखिम भरे कार्यों से आपको बचना चाहिये।

वृश्चिक : आज कार्य की गुणवत्ता में वृद्धि होगी। आपकी कोई मनोकामना पूर्ण हो सकती है। कोई भी निर्णय लेने से पूर्व आपको थोड़ी परेशानी होगी। अपनी गलतियों को सुधारने का प्रयास करेंगे।

धनु : आज आप काफी व्यस्त रहेंगे। सम्पत्ति के क्रय-विक्रय से आपको धन लाभ मिलेगा। प्रेमी जनों के साथ आपके सम्बन्ध मधुर रहने वाले हैं। मित्रों के साथ मिलने के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर : आज काम में रुकावटें आने की आशंका है। ऐसा कोई भी कार्य न करें जिससे लोग आपकी आलोचना करें। दूर के रिश्तेदारों से आज मुलाकात होगी। मन काफी आनन्दित रहेगा।

कुम्भ : आज आपको अशुभ समाचार मिल सकता है। कार्यक्षेत्र में आपको थोड़ी परेशानी होगी। अधूरे काम समय पर पूर्ण न होने से मन व्यथित होगा।

मीन : आज बड़े निर्णय लेने के योग बन रहे हैं। कारोबारी यात्राओं से आपको लाभ मिलेगा। सुख-सुविधाओं में आप काफी ध्यान देंगे। दाम्पत्य सम्बन्धों में प्रगाढ़ता आयेगी।

वर्ग पहेली नं. 3059

1		■	2		3		4	■	5
	■	6		■		■	7	8	
9			■	10		11	■	12	
	■	13	14	■	15		16	■	
17	18	■	19			■	20	21	
■	22			■	■	23			■
24		■	■	25			■	26	27
	■	28			■	29		■	
30			■	31			■	32	

बायें से दायें:- 1) धावा; शोर, 2) मृत्यु, 6) दफ़ा, 7) बंद करना (आँखें), 9) धोखा, 10) राज़ी होना, 12) नेस्तनाबूदी, 13) नाड़ी, 15) कक्ष, 17) महीना, 19) कुटिल, 20) झोपड़ी , 22) घुड़साल, 23) शरण, 24) उबला हुआ चावल, 25) गीदड़, 26) तिब्बती धर्मगुरु, 28) सड़ा, 29) संबंध, 30) ठहरना, 31) पुरुषोचित, 32) ग़लती.

ऊपर से नीचे:- 1) प्रतिज्ञापत्र, 2) विलंब, 3) बोझिल, 4) गीला-पन; सीलन, 5) विध्वंसक, 6) एक इतिहासकालीन बादशाह, 8) छोला, 11) पौधों का डंठल, 14) फूल-पौधें लगाने का मिट्टी का पात्र, 16) मुकरना, 18) अखंड, 21) शुरुआती, 23) अनुमति-पत्र, 24) सूर्य, 25) जुल्म, 27) वातावरण, 28) दुगुना.

(उत्तर: अगले अंक में)

पिछली पहेली का उत्तर

आ	श्वा	स	न	■	■	द	श	ह	रा
लो	■	■	शा	का	हा	री	■	रा	ज
च	र	म	■	म	ल	■	रा	■	धा
ना	■	त	न	या	■	आ	म	द	नी
■	ह	ल	■	बी	स	■	फ	ल	■
ब	रा	ब	री	■	ब	द	ल	■	प
क	मी	■	म	च	ल	ना	■	मा	रे
वा	■	न	■	र	■	द	शा	■	शा
द	कि	या	नू	स	■	न	म	की	न

Mob. No. 08329510310

सुडोकू-पहेली-3019

				3				2
	5					7		
	6	1						
						5	1	
4				8				
						6		
2			5		7			
			1				8	
								4

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 3018 का उत्तर

2	7	1	6	5	8	3	9	4
4	3	9	7	2	1	5	6	8
8	6	5	9	4	3	7	2	1
9	1	8	4	3	5	2	7	6
3	2	4	8	7	6	9	1	5
7	5	6	1	9	2	8	4	3
5	9	2	3	6	4	1	8	7
1	4	3	2	8	7	6	5	9
6	8	7	5	1	9	4	3	2

नौकरी गंवाने वाले शिक्षकों के समर्थन में कोलकाता में भाजपा, माकपा और कांग्रेस ने निकाली रैली

कोलकाता, समाज्ञा : उच्चतम न्यायालय के आदेश के कारण नौकरी गंवाने वाले शिक्षकों के समर्थन में एकजुटता दिखाने के लिए विपक्षी दलों भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और कांग्रेस ने गुरुवार को कोलकाता में अलग-अलग रैली आयोजित करके विरोध जताया और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग की। विपक्षी दलों ने हजारों 'बेदाग' अभ्यर्थियों के भविष्य पर मंडरा रही अनिश्चितता के लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को जिम्मेदार ठहराया। रैली में शामिल लोगों ने बुधवार को पात्र शिक्षकों के खिलाफ उस समय की गई पुलिस कार्रवाई की निंदा की, जब वे कस्बा में जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआई) के कार्यालय में ज्ञापन

सौंपने गए थे। भाजपा उत्तर कोलकाता जिला इकाई के अध्यक्ष तमघ्नो घोष ने अमहर्स्ट स्ट्रीट पुलिस थाने के सामने प्रदर्शन किया, जहां लगभग 200 भगवा पार्टी समर्थक एकत्र हुए और ममता बनर्जी प्रशासन, एसएससी और शिक्षा विभाग के खिलाफ नारे लगाए। इस दौरान, घोष ने संवाददाताओं से कहा कि जब यह सरकार हजारों पात्र शिक्षकों के लिए नौकरियां सुनिश्चित नहीं कर सकती, तब यह उन पर पुलिस बल का इस्तेमाल करती है जो भविष्य की पीढ़ी के निर्माताओं को पीटते हैं और उन्हें सार्वजनिक रूप से लात मारते हैं। शर्मनाक है। प्रदर्शनकारी भाजपा कार्यकर्ताओं ने सड़क पर टायर भी जलाए, जिससे यातायात बाधित हुआ। दूसरी तरफ, माकपा की छात्र शाखा एसएफआई के समर्थकों ने कॉलेज स्ट्रीट क्षेत्र में एक रैली निकाली। एसएफआई की राज्य इकाई के सदस्य शुवजीत सरकार ने मांग की कि स्कूल सेवा आयोग (एसएससी) की वर्ष 2016 की भर्ती से जुड़ी परीक्षा की ओएमआर शीट अविलंब सार्वजनिक की जाए और हटाए गए 'पात्र'

शिक्षकों की नौकरी बहाल करने के लिए कदम उठाए जाएं। वहीं, कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने भी मध्य कोलकाता में रैली निकाली जिसमें लोगों ने इसी मुद्दे को लेकर नारे लगाए। लगभग एक साथ आयोजित की गई इन रैलियों के कारण उत्तर-मध्य कोलकाता के अधिकांश इलाकों में एक घंटे से अधिक समय तक यातायात प्रभावित रहा।

नौकरी खोने वाले सभी 26,000 शिक्षकों और गैर-शिक्षकों को इस महीने वेतन देगी बंगाल सरकार

❑ **नौकरी रद्द होने के बावजूद स्कूलों के वेतन पोर्टल पर शिक्षकों का नाम बरकरार**

कोलकाता, समाज्ञा : स्कूलों का वेतन पोर्टल फिर से खोला गया। इसमें सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा रद्द किए गए लगभग 26 हजार शिक्षकों और शिक्षा कर्मियों के नाम अब भी पोर्टल की सूची में शामिल हैं। इससे जहां कुछ हद तक बर्खास्त शिक्षकों को राहत मिली है, वहीं वेतन मिलने को लेकर संदेह बना हुआ है। उल्लेखनीय है कि पिछले सप्ताह सुप्रीम कोर्ट ने स्कूल सर्विस कमीशन भर्ती घोटाले में लगभग 25 हजार 735 भर्तियों को रद्द कर दिया था। कोर्ट के इस आदेश के बाद स्कूलों का वेतन पोर्टल अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया था। अब बुधवार की देर शाम इसके फिर से चालू होने पर देखा गया कि बीते महीने जैसी ही सूची बनी हुई है, जिसमें रद्द किए गए शिक्षकों के नाम भी बने हुए हैं। हालांकि, शिक्षक समाज में चिंता अब भी बनी हुई है। प्रिंसिपल्स का कहना है कि वे पोर्टल पर किसी भी शिक्षक का नाम जोड़ने या हटाने के लिए अधिकृत नहीं हैं। वे केवल आयकर या प्रॉविडेंट फंड संबंधी बदलाव दर्ज कर सकते हैं। इसका मतलब है कि शिक्षकों की अंतिम स्थिति को लेकर निर्णय राज्य सरकार और मध्यशिक्षा परिषद के स्तर पर ही लिया जा सकता है। दरअसल, बर्खास्त शिक्षकों के वेतन को लेकर पश्चिम बंगाल मध्यशिक्षा परिषद पहले ही सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर कर चुका है। इस बीच, राज्य के शिक्षा मंत्री ब्रात्य बसु ने कहा है कि कानूनी विकल्पों पर काम किया जा रहा है ताकि योग्य और सेवा दे चुके शिक्षकों को न्याय मिल सके। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट रूप से यह नहीं बताया कि बर्खास्त शिक्षकों को इस महीने वेतन मिलेगा या नहीं।

आंदोलनकारी शिक्षकों के खिलाफ दो मामले दर्ज

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता पुलिस ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद नौकरी गंवाने वाले शिक्षण और गैर-शिक्षण स्टाफ के खिलाफ दो मामले दर्ज किए हैं। बता दें कि गत बुधवार को दक्षिण कोलकाता के कसबा स्थित जिला स्कूल निरीक्षक (डीआई) कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया, जिसमें कई लोग घायल हो गए। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, दो में से एक मामला स्वप्रेरित (सुयो मोटो) दर्ज किया गया है, जबकि दूसरा मामला जिला स्कूल निरीक्षक कार्यालय की ओर से दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर हुआ है। प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दो मामले दर्ज होने की खबर सामने आने के बाद राज्य सरकार विपक्षी दलों के निशाने पर आ गई है। भाजपा और माकपा के नेताओं ने सरकार को संवेदनहीन करार देते हुए तीखी आलोचना की है।

राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने दी महावीर जयंती पर बधाई

कोलकाता, समाज्ञा : राज्यपाल सीवी आनंद बोस और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को महावीर जयंती के अवसर पर प्रदेश वासियों को बधाई दी। राजभवन से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया कि भगवान महावीर की शिक्षाएं हमें शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व और प्रगति के लिए अहिंसा, आध्यात्मिक उन्नति, आत्म-विकास तथा एक-दूसरे के प्रति सौहार्द के मार्ग पर आगे बढ़ाएं। दूसरी तरफ, मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में आज अवकाश है और सभी सरकारी प्रतिष्ठान तथा शिक्षण संस्थान बंद हैं। ममता बनर्जी ने 'एक्स' पर लिखा कि महावीर जयंती के शुभ अवसर पर सभी को शुभकामनाएं। भगवान महावीर की शांति, सत्य और अहिंसा की शिक्षा हम सभी को प्रेरित करें।

विधानसभा से पास हुए बिल क्यों फंसे, राजभवन ने जारी किया स्पष्टीकरण

अधूरी जानकारी के कारण बिलों पर फैसला संभव नहीं

कोलकाता, समाज्ञा : विधानसभा से पास हुए कई बिलों के राजभवन में अटकने को लेकर राज्य सरकार और विधानसभा अध्यक्ष विमान बनर्जी द्वारा बनाए गए दबाव के बीच, बुधवार की देर रात राजभवन ने दो लिखित बयान जारी कर स्थिति स्पष्ट की। राजभवन ने कहा कि राज्यपाल संविधान के दायरे में रहकर और शिष्टाचार का पालन करते हुए कार्य कर रहे हैं। ताजा विवाद की पृष्ठभूमि में, सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु के राज्यपाल को विधानसभा से पास बिलों को मंजूरी नहीं देने पर फटकार लगाई थी। इसके बाद, पश्चिम बंगाल में भी विधानसभा अध्यक्ष ने राज्यपाल पर परोक्ष दबाव बनाते हुए कहा कि

2016 से अब तक 23 बिल राजभवन में लंबित पड़े हैं। अध्यक्ष ने सुझाव दिया कि यदि बिलों में कोई त्रुटि हो, तो राज्यपाल राज्य के महाधिवक्ता (एडवोकेट जनरल) की सलाह ले सकते हैं। स्पीकर ने खासतौर पर जिन प्रमुख बिलों का उल्लेख किया, उनमें मॉब लिंचिंग (सामूहिक पिटाई) रोकने से जुड़ा बिल, हावड़ा और बाली नगरपालिका के विलय से संबंधित बिल, मुख्यमंत्री को विभिन्न विश्वविद्यालयों का कुलपति (चांसलर) बनाने संबंधी आठ बिल, और महत्वपूर्ण 'अपराजिता' बिल शामिल हैं। राजभवन द्वारा जारी बयान में किसी का नाम लिए बिना कहा गया है कि जिन बिलों के अटके होने की बात की जा रही है, उनके संबंध में पूर्ण और आवश्यक जानकारियां अब तक प्राप्त नहीं हुई हैं। बिना पूरी जानकारी के बिलों पर निर्णय लेना उचित नहीं होगा। राजभवन ने यह भी स्पष्ट किया कि संविधान के प्रावधानों के अनुसार ही बिलों पर विचार किया जा रहा है। इस प्रकार, विधानसभा अध्यक्ष द्वारा बनाए जा रहे दबाव के जवाब में राजभवन ने परोक्ष रूप से नवान्न को ही जिम्मेदार ठहराया है।

कोलकाता में वक्फ कानून के खिलाफ रैली और नौकरी गंवाने वाले शिक्षा कर्मियों की पदयात्रा से लगा भारी जाम

कोलकाता, समाज्ञा : शहर कोलकाता के दो इलाकों में गुरुवार की सुबह से ही दो बड़े कार्यक्रमों के चलते ट्रैफिक जाम की स्थिति बन गई। इसका सबसे अधिक असर मध्य कोलकाता में देखने को मिला। नए वक्फ कानून में संशोधन के खिलाफ मौलाली में जमीअत उलेमा-ए-हिंद द्वारा आयोजित विरोध सभा और सियालदह से धर्मतला तक नौकरी गंवाने वाले शिक्षा कर्मियों के मार्च के कारण शहर के कई प्रमुख सड़कों पर गाड़ियों की रफ्तार थमती नजर आई। मौलाली में विरोध कार्यक्रम के चलते पार्क सर्कस, मौलाली, लेनिन सरणी और एजेसी बोस रोड फ्लाईओवर के आसपास जाम की

स्थिति बन गई। मल्लिक बाजार और पार्क सर्कस की ओर जाने वाली सड़कों पर भी गाड़ियों की आवाजाही बेहद धीमी रही। ट्रैफिक पुलिस ने जानकारी दी कि कुछ समय के लिए सीआईटी रोड को भी बंद करना पड़ा। इसी दौरान मां फ्लाईओवर पर भी पार्क सर्कस की ओर गाड़ियों की रफ्तार पर असर पड़ा। उधर, नौकरी गंवाने वाले युवाओं ने भी दोपहर 12 बजे सियालदह से एक रैली शुरू की, जो धर्मतला जाकर समाप्त हुई। इससे मध्य कोलकाता में दोपहर के समय ट्रैफिक जाम और भी बढ़ने की आशंका थी। हावड़ा ब्रिज पर भी गाड़ियों की आवाजाही धीमी रही, जिससे यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। कोलकाता पुलिस के सूत्रों के मुताबिक, वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ मौलाली के रामलीला मैदान तक रैली निकाली गई थी, जिसमें आयोजक संगठन के सैकड़ों सदस्य पहुंचे थे। कई गाड़ियां भी बाहर से शहर में आई थीं, जिसके चलते ट्रैफिक व्यवस्था पर भारी दबाव पड़ा। वहीं, बेरोजगारों का मार्च अपेक्षाकृत छोटा रहा, लेकिन दोनों आयोजनों के कारण मध्य कोलकाता के प्रमुख मार्गों पर दिनभर जाम लगा रहा और सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ।

भूख हड़ताल कर रहे शिक्षकों से मिले अभिजीत-रुद्रनील

कोलकाता, समाज्ञा : प्रदर्शनकारी शिक्षकों को समर्थन देने के लिए भाजपा सांसद व कलकत्ता हाई कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश अभिजीत गंगोपाध्याय व भाजपा नेता रूद्रनील घोष भी धरनास्थल पर पहुंचे। भाजपा सांसद अभिजीत गंगोपाध्याय ने प्रदर्शनकारी शिक्षकों की हालत के लिए राज्य सरकार, एसएससी और तृणमूल कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि दूसरों के अवैध कृत्यों के कारण अपनी नौकरी गंवाने वाले निर्दोष शिक्षकों के खिलाफ पुलिस ने मामले दर्ज किए हैं, जो नहीं होना चाहिए था। भाजपा सांसद ने बताया कि वह पूर्व राज्यसभा सदस्य रूपा गांगुली के साथ धरनास्थल पर आए थे ताकि प्रभावित शिक्षकों और कर्मचारियों के प्रति एकजुटता जताई जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस कार्रवाई के विरोध में वह शिक्षा मंत्री ब्रात्य बसु से मिलने नहीं गए।

बंगाल में वक्फ संपत्ति पर जबरन कब्जे को लेकर केंद्रीय एजेंसी की रिपोर्ट

मंत्री फिरहाद हकीम समेत कई नेताओं के नाम

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य में वक्फ संपत्तियों पर कथित 'जबरन कब्जे' को लेकर केंद्रीय खुफिया ब्यूरो (आईबी) ने गृह मंत्री अमित शाह के मंत्रालय को एक रिपोर्ट भेजी है। इस रिपोर्ट में तृणमूल कांग्रेस के मंत्री व कोलकाता के मेयर फिरहाद हकीम, एक राज्यसभा सांसद और एक निगम पार्षद समेत चार नेताओं के नाम शामिल हैं। रिपोर्ट में हाल ही में दिवंगत हुए एक विधायक का नाम भी दर्ज किया गया है। सूत्रों के अनुसार, संसद में वक्फ से जुड़ी विधेयक पर बहस शुरू होने से पहले ही यह रिपोर्ट दिल्ली भेजी गई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, जिन लोगों के खिलाफ आरोप लगाए गए हैं, उनमें वक्फ बोर्ड के दो मौजूदा सदस्य भी शामिल हैं। इनमें एक हैं नासिरुद्दीन अहमद, जो नदिया के कालिगंज से विधायक थे और कुछ महीने पहले उनका निधन हो गया। उन पर कृष्णनगर स्थित 'साहिबुल्ला वक्फ एस्टेट' के तीन हजार वर्गफुट क्षेत्र के एक फ्लैट पर जबरन कब्जा करने का आरोप है। दूसरे सदस्य तृणमूल के राज्यसभा सांसद नदीमुल हक हैं, जिन पर कोलकाता के तालबगान रोड स्थित वक्फ की 22 कट्ठा जमीन कब्जा करने का आरोप लगा है। रिपोर्ट में मंत्री फिरहाद हकीम और कोलकाता नगर निगम के एक पार्षद का नाम भी शामिल है, हालांकि इन दोनों के खिलाफ आरोपों का ब्योरा स्पष्ट नहीं किया गया है। रिपोर्ट सामने आने के बाद, फिरहाद हकीम ने सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि यह जानबूझकर उन्हें और तृणमूल कांग्रेस को बदनाम करने की साजिश है। उन्होंने कहा कि वे हमेशा कानून का पालन करते हैं और किसी भी गैरकानूनी गतिविधि में शामिल नहीं हैं। उनके मुताबिक, यह पूरी तरह से परेशान करने की कोशिश है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर टिप्पणी को लेकर ममता बनर्जी को अवमानना नोटिस

❑ **तृणमूल का विपक्ष पर निशाना, कहा... 'वोट से नहीं जीत सकते तो कोर्ट में जटिलता पैदा करते हैं'**

कोलकाता, समाज्ञा : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले पर टिप्पणी करने को लेकर एक वकील ने अदालत की अवमानना का नोटिस भेजा है। मामला 2016 की एसएससी भर्ती प्रक्रिया को लेकर सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले से जुड़ा है, जिसमें पूरी भर्ती प्रक्रिया को रद्द कर दिया गया था। इससे करीब 26 हजार अभ्यर्थी प्रभावित हुए हैं। बता दें कि ममता बनर्जी ने हाल ही में एक सभा में बेरोजगार हुए अभ्यर्थियों के पक्ष में बोलते हुए कहा था कि सरकार उनकी नौकरियां वापस दिलाने का प्रयास कर रही है। इसी बयान को आधार बनाकर वकील ने अदालत की अवमानना का आरोप लगाते हुए नोटिस भेजा है। उधर, इस मुद्दे पर तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता कुणाल घोष ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री सुप्रीम कोर्ट के फैसले से प्रभावित बेरोजगारों के पक्ष में खड़ी हैं। घोष ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा है कि मुख्यमंत्री नौकरी गंवाने वालों का समर्थन कर रही हैं और उन्हें न्याय दिलाने का प्रयास कर रही हैं। इस प्रक्रिया में बाधा डालने के लिए ही अदालत की अवमानना का नोटिस भेजा गया है। कुछ लोग कानूनी जटिलताएं खड़ी कर इस प्रक्रिया की रफ्तार धीमी करना चाहते हैं। मुख्यमंत्री न्यायपालिका का सम्मान करती हैं और निष्पक्ष न्याय में विश्वास रखती हैं। पुनर्विचार की मांग करना अदालत की अवमानना नहीं है। उन्होंने विपक्ष पर भी निशाना साधते हुए कहा कि राम-वाम वोट से नहीं जीत सकते तो कोर्ट में जटिलता पैदा करते हैं।

आवश्यकता

आवश्यकता सेल्समैन की आवश्यकता है, जिन्हें साड़ी-सूट/ड्रेस मटेरियल की जानकारी हो। Attractive Salary Age Limit (45 Years)- 9330112634

सभी को केंद्र सरकार के कानून को स्वीकार करना होगा : शुभेंदु अधिकारी

✒ **राज्य में वक्फ कानून लागू नहीं होने देने संबंधी ममता की टिप्पणी पर भाजपा नेता ने किया पलटवार**

कोलकाता, समाज्ञा : वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ मुर्शिदाबाद जिले में हुई हिंसा और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा इस कानून को राज्य में लागू नहीं होने देने संबंधी टिप्पणी पर विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने पलटवार करते हुए स्पष्ट कहा कि सभी को केंद्र सरकार के कानून को स्वीकार करना होगा। वक्फ पर ममता की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा नेता शुभेंदु ने कहा कि मुस्लिमों को खुश करने के लिए

ममता इस तरह की टिप्पणी कर रही है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा। उन्होंने ममता पर तुष्टीकरण और वोट बैंक की राजनीति में लिप्त रहने का आरोप लगाया। शुभेंदु ने कहा कि ममता ने इससे पहले नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) को भी अवैध कहा था और राज्य में इसे लागू नहीं होने देने का दावा किया था। लेकिन, पिछले साल सीएए बंगाल सहित पूरे देश में लागू किया गया। बंगाल में 100 से अधिक लोगों को सीएए के तहत नागरिकता प्रमाण पत्र दिए गए और यह प्रक्रिया जारी है। शुभेंदु ने कहा कि ममता तीन तलाक कानून को भी रोकना चाहती थीं, लेकिन वह भी कानून बन गया। यह (वक्फ) भी कानून बन गया और लागू हो चुका है। शुभेंदु ने मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा को लेकर भी ममता सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि असामाजिक तत्व सड़कों पर उतरकर सरकारी और सार्वजनिक संपत्तियों को जला रहे हैं और विरोध के नाम पर अराजकता फैला रहे हैं। बंगाल सरकार और प्रशासन कानून और व्यवस्था बनाए रखने में विफल हो रहे हैं क्योंकि वे जानबूझकर सत्तारूढ़ पार्टी के वोट बैंक की रक्षा के लिए आंखें मूंद रहे हैं।

रामनवमी शोभायात्रा को लेकर विहिप पर एफआईआर, हाई कोर्ट ने मांगी रिपोर्ट

❑ **राज्य पुलिस को 25 अप्रैल तक एफआईआर को सही ठहराने वाले दस्तावेजों के साथ रिपोर्ट पेश करने का आदेश**

कोलकाता, समाज्ञा : कलकत्ता हाई कोर्ट की एकल पीठ ने गुरुवार को बंगाल पुलिस को निर्देश दिया कि वह रामनवमी की शोभायात्रा को लेकर विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के खिलाफ दर्ज एफआईआर को सही ठहराने के लिए विस्तृत रिपोर्ट पेश करे। बता दें कि विहिप ने छह अप्रैल को हावड़ा जिले में शोभायात्रा निकाली थी। न्यायमूर्ति तीर्थंकर घोष की एकल पीठ ने राज्य पुलिस को 25 अप्रैल तक एफआईआर को सही ठहराने वाले सहायक दस्तावेजों के साथ रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया। पुलिस से यह स्पष्ट करने के लिए कहा गया कि एफआईआर के आधार पर आपराधिक कार्यवाही क्यों शुरू की गई। बता दें कि एफआईआर दर्ज करते हुए विहिप पर रामनवमी जुलूस पर अदालत द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया है, खासकर प्रतिभागियों की अधिकतम संख्या के संबंध में। हालांकि, विहिप ने पुलिस द्वारा उसके खिलाफ दर्ज एफआईआर को कलकत्ता हाई कोर्ट में चुनौती दी है। मामले की सुनवाई गुरुवार को हुई। विहिप के वकील ने जुलूस में शामिल होने वालों की सूची और उनके पहचान के लिए आधार कार्ड जैसे सहायक दस्तावेज अदालत में पेश किए। विहिप के वकील ने तर्क दिया कि शोभायात्रा के आयोजकों ने अदालत द्वारा निर्धारित सीमा के भीतर भागीदारी का स्तर बनाए रखा, लेकिन उस जुलूस को देखने के लिए सड़कों के किनारे बड़ी संख्या में लोग एकत्र हुए। विहिप के वकील ने तर्क दिया कि पुलिस ने उन दर्शकों को जुलूस का हिस्सा बताते हुए एफआईआर दर्ज की। उन्होंने यह भी दावा किया कि रैली में प्रतिभागियों की वास्तविक संख्या केवल 303 थी। इसके बाद, एकल न्यायाधीश की पीठ ने राज्य पुलिस को एफआईआर दर्ज करने के कारणों को उचित ठहराने और 25 अप्रैल तक मामले पर अदालत को एक रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया। पता चला कि पुलिस ने अंजनी पुत्र सेना नामक एक अन्य संगठन के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज की गई है, जिसने छह अप्रैल को रामनवमी के अवसर पर हावड़ा जिले में इसी तरह का जुलूस निकाला था। इनके खिलाफ भी एक ही आरोप लगाकर एफआईआर दर्ज की गई है।

प्रकाशनार्थ

न्यायालय श्रीमान सिविल जज जू0डि0 मऊ, जनपद मऊ
नं0मु0 680 सन् 2024
राजनाथ तिवारी उम्र तख0 67 वर्ष पुत्र स्व0 रामधनी तिवारी निवासी ग्राम बबुआपुर तहसील मऊनाथ भंजन, जनपद मऊ, हाल मुकाम 509 रविन्द्र सरनी, बी. सी. हातकोला पो0 हाटकोला जनपद कोलकाता, वेस्ट बंगाल पिन कोड 700005
वादी
बनाम
पोस्ट-एक वारेडीट
1- हरीशचन्द यादव उम्र तख0 68 वर्ष पुत्र स्व0 सहवीर निवासी बबुआपुर तहसील मऊनाथ भंजन, पोस्ट- रकवारेडीह जनपद मऊ
.... प्रतिवादी प्रथम पक्ष
2-तारकेश्वर उम्र तख0 46 वर्ष पुत्र स्व0 समधनी निवासी ग्राम बबुआपुर तहसील मऊनाथ मंजन, जनपद मऊ, हाल मुकाम संगम अपार्टमेन्ट विद्यास-ागर पल्ली राज रहाट गोपालपुर (म) जपागरानार्थ 24 परगनास वेस्ट बंगाल
.... प्रतिवादी द्वितीय पक्ष
3- रमाशंकर उम्र तख0 55 वर्ष पुत्र स्व0 किशोर
4- उमाशंकर उर्फ खरपत्तू उम्र तख0 48 वर्ष पुत्र स्व0 किशोर
निवासीगण ग्राम बबुआपुर तहसील मऊनाथ भंजन, जनपद मऊ
.... प्रतिवादीगण तृतीय पक्ष

राज्य के चुनाव में विदेशी नागरिक उम्मीदवार! हाईकोर्ट ने क्या कहा?

कोलकाता : पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ पार्टी की ओर से एक बांग्लादेशी नागरिक के चुनाव में उम्मीदवार बनने को लेकर बड़ा विवाद सामने आया है। आरोप है कि बिना वैध भारतीय पहचान पत्र के कुछ लोग राज्य में चुनाव लड़ रहे हैं। इस गंभीर आरोप को लेकर कोलकाता हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की गई थी। गुरुवार को इस मामले की सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायाधीश टी.एस. शिवज्ञनम ने याचिका का निपटारा किया। हालांकि, मुख्य न्यायाधीश ने स्पष्ट रूप से कहा कि इस तरह के आरोपों को पूरी तरह खारिज नहीं किया जा सकता, और इसलिए इस दिशा में एक ठोस कानून लाने की आवश्यकता है। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि याचिका का निपटारा होने के बावजूद कोई भी व्यक्ति भविष्य में इस प्रकार की शिकायत लेकर फिर अदालत का दरवाज़ा खटखटा सकता है। याचिकाकर्ता ने दावा किया था कि राज्य में हाल के चुनावों के बाद दो ऐसे मामले सामने आए हैं जिनमें उम्मीदवार भारतीय नागरिक नहीं थे। उनके अनुसार, चुनाव आयोग को यह स्पष्ट करना चाहिए कि चुनाव में कौन हिस्सा ले सकता है और कौन नहीं। मालदा में हुए एक चुनाव के बाद पता चला कि एक उम्मीदवार भारत का नागरिक नहीं था। आरोप है कि उस

व्यक्ति ने पंचायत प्रमुख द्वारा जारी एक फर्जी जातीय प्रमाणपत्र का उपयोग कर चुनाव लड़ा। वह महिला मूल रूप से बांग्लादेश की नागरिक हैं, लेकिन एक भारतीय पुरुष से विवाह करने के बाद भारत में रह रही हैं। आलो रानी सरकार नाम की उक्त महिला ने 2021 के विधानसभा चुनाव में भी हिस्सा लिया था। याचिकाकर्ता का तर्क है कि अगर अभी सख्त प्रक्रिया नहीं अपनाई गई तो 2026 के चुनाव में भी इसी तरह की घटनाएं दोहराई जा सकती हैं। उन्होंने मांग की कि नामांकन के समय आधार कार्ड और वोटर आईडी कार्ड जैसे दस्तावेजों से नागरिकता का प्रमाण अनिवार्य किया जाए। याचिकाकर्ता की वकील अमृता पांडे ने दलील दी कि अगर उम्मीदवार की नागरिकता पर संदेह है तो यह मुद्दा स्क्रूटनी के समय ही उठाया जाना चाहिए। वहीं अधिवक्ता सब्यसाची चटर्जी ने कहा कि चूंकि यह मामला चुनाव आयोग के अधिकार क्षेत्र में आता है, इसलिए आयोग को भी इसमें हस्तक्षेप करना चाहिए और यह देखना चाहिए कि ऐसी स्थिति क्यों उत्पन्न हो रही है। वहीं चुनाव आयोग की ओर से अदालत को बताया गया कि चुनाव के दौरान उम्मीदवार की नागरिकता की जांच आधार या वोटर कार्ड के माध्यम से करने की जिम्मेदारी गृह मंत्रालय की है, चुनाव आयोग की नहीं। अंत में अदालत ने निर्देश दिया कि रिट कोर्ट इस विषय पर नए दिशा-निर्देश लागू करने का आदेश नहीं दे सकता, और इसी आधार पर इस याचिका का निपटारा कर दिया गया।

टैब घोटाले से सबक लेकर बंगाल के शिक्षा पोर्टल पर ओटीपी अनिवार्य, राज्य सरकार ने बढ़ाई सुरक्षा

कोलकाता : टैब वितरण में हुए कथित घोटाले से सबक लेते हुए पश्चिम बंगाल सरकार ने अपने शिक्षा पोर्टल की सुरक्षा व्यवस्था को और कड़ा किया है। अब से किसी भी शिक्षक या अन्य व्यक्ति द्वारा केवल आईडी और पासवर्ड से पोर्टल में लॉगिन करना संभव नहीं होगा। लॉगिन के लिए एक ओटीपी यानी वन टाइम पासवर्ड की आवश्यकता होगी, और यह ओटीपी केवल स्कूलों के प्रधान शिक्षकों को ही भेजा जाएगा।

राज्य के शिक्षा विभाग के अनुसार, अब से स्कूलों के प्रधान शिक्षकों को अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई है। 'तरुणेर स्वप्न' (युवाओं का सपना), 'कन्याश्री', 'सबुज साथी' (हरित साथी) जैसी सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे स्कूल के छात्रों को देने के लिए स्कूलों को शिक्षा पोर्टल पर दस्तावेज़ अपलोड करने होते हैं। इसी प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और सुरक्षित बनाने के लिए यह नई व्यवस्था लागू की जा रही है।

अब से सभी संबंधित जानकारियां सिर्फ प्रधान शिक्षक ही पोर्टल पर अपलोड कर सकेंगे। यदि भविष्य में किसी योजना से संबंधित धनराशि के गबन या भ्रष्टाचार की कोई शिकायत सामने आती है, तो प्रधान शिक्षक उसकी ज़िम्मेदारी से बच नहीं सकेंगे।

इस प्रणाली का नाम रखा गया है ओटीपी-आधारित लॉगिन प्रिवेन्शनल एचओआई (हेड ऑफ इंस्टीट्यूशन)। इसके अंतर्गत 10 अप्रैल, 20 अप्रैल और 25 अप्रैल को संबंधित सर्कल ऑफिस में प्रधान शिक्षकों को अपनी जानकारी-जैसे नाम, फोन नंबर और आधार नंबर-प्रस्तुत करनी होगी। इसके बाद अतिरिक्त जिला विद्यालय निरीक्षक इन सूचनाओं को रिकॉर्ड कर पासवर्ड तैयार करेंगे। यह प्रक्रिया पूरी होने के बाद ज़िला विद्यालय निरीक्षक द्वारा अंतिम मंज़ूरी दी जाएगी। केवल मंज़ूरी मिलने के बाद ही प्रधान शिक्षक शिक्षा पोर्टल पर लॉगिन कर सकेंगे और दस्तावेज़ अपलोड कर सकेंगे।

स्कूल शिक्षा विभाग के सूत्रों के अनुसार, इस नई व्यवस्था के तहत प्रधान शिक्षकों द्वारा अपलोड की जा रही जानकारियों पर भी विशेष निगरानी रखी जाएगी। इस बाबत विभाग के कमिश्नर ने पहले ही सभी ज़िलों के विद्यालय निरीक्षकों को निर्देशात्मक नोटिस भेज दी है।

हनुमान जयंती पर शुभेंदु अधिकारी को रैली निकलने की अनुमति, लेकिन शर्तों के साथ

कोलकाता : राम नवमी के बाद अब हनुमान जयंती पर भी विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी को कोलकाता हाईकोर्ट से रैली निकालने की सशर्त अनुमति मिल गई है। गुरुवार को न्यायमूर्ति तीर्थंकर घोष की अदालत ने यह अनुमति दी। अदालत ने स्पष्ट किया कि यह रैली पूरी तरह शांतिपूर्ण होना चाहिए और इसमें किसी भी प्रकार की आपत्तिजनक टिप्पणी या भाषण नहीं होना चाहिए।

हनुमान जयंती 12 अप्रैल को है, और इसी दिन कोलकाता में रैली निकालने के लिए शुभेंदु अधिकारी ने पुलिस से अनुमति मांगी थी। लेकिन उनकी

शिकायत थी कि पुलिस ने उन्हें अनुमति नहीं दी, जिसके बाद वे अदालत की शरण में गए।

कोर्ट ने रैली की इजाजत देते हुए कहा कि 12 अप्रैल को शाम 5 बजे से रात 8 बजे तक यह शोभायात्रा निकाली जा सकती है। हालांकि, इसमें कुछ शर्तें भी लगाई गई हैं-माइक का इस्तेमाल ध्वनि प्रदूषण के नियमों का पालन करते हुए किया जाएगा और डीजे का इस्तेमाल पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। इसके अलावा, में 200 से 250 से अधिक लोगों के शामिल होने की अनुमति नहीं दी गई है। रैली कॉलेज स्ट्रीट के बाटा से शुरू होकर हरी घोष स्ट्रीट के हनुमान मंदिर तक जाएगा।

बीजेपी की ओर से आरोप लगाया गया है कि राज्य में लोकतांत्रिक माहौल नहीं है, इसलिए विपक्ष को किसी भी प्रकार के सभा या रैली की अनुमति नहीं दी जाती। पार्टी का कहना है कि हर एक कार्यक्रम के लिए उन्हें कोर्ट की शरण में जाना पड़ता है, जो दुर्भाग्यपूर्ण है।

भगवान महावीर भारतीय संस्कृति के उज्ज्वल नक्षत्र थे : मुनिश्री जिनेश कुमार जी

2624वां भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव का भव्य आयोजन

कोलकाता : युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी के सुशिष्य मुनि श्री जिनेश कुमार जी ठाणा-3 के सान्निध्य में 2624वां भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव का भव्य आयोजन महासभा भवन में श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा कोलकाता द्वारा आयोजित किया गया। इस अवसर पर महासभा सभा कोलकाता सभा एवं वृहत्तर कोलकाता की संघीय संस्थाओं के पदाधिकारी गणमान्य व्यक्तियों के साथ अच्छी संख्या में श्रद्धालुगण उपस्थित रहे।

इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए जिनेशकुमार जी ने कहा - भगवान महावीर भारतीय संस्कृति के उज्ज्वल नक्षत्र थे। वे अध्यात्म के महासूर्य, समता के महान साधक, करुणा के सागर व अप्रतिम ज्ञान के धारक थे। उनका जीवन अनुत्तर था, उनका संयम श्रेष्ठ व साधना अनुत्तर थी उनका जीवन असाधारण विश-षताओं का समवाय था। वे ज्योतिर्धर ज्योतिपुंज, अहिंसा के महास्रोत थे। वे जन्म से तीन ज्ञान के धारक थे। राजवंशीय व भौतिक वातावरण में जन्म लेने के बावजूद भी वे विलासिता से दूर रहे। घर में रहते हुए भी उन्होंने अनासक्ति, अनाग्रह, अनावेश और अनाकांक्षा का जीवन जीया। वे अतिशय धारी थे। उनका शरीर बल बहुत सुदृढ़ था। वे अनंत ज्ञान अनंत दर्शन व अनंत शक्ति से संपन्न थे। उनका जन्म साधारण बालक की तरह होकर भी असाधारण विशेषताओं से अनुप्राणित था। भगवान महावीर ने तीर्थकर बनने के पश्चात अहिंसा, अनेकांत और अपरिग्रह का सिद्धांत दिया। उनके संदेशों में दुनिया का कल्याण निहित है। महावीर के सिद्धांत आउट ऑफ डेट नहीं, आज भी अप टू डेट है। महावीर जयंती के दिन उनके शिक्षाओं को जीवन में अपनाने के साथ जन जन में फैलाने के लिए संकल्पित होंगे तभी महावीर जयंती मनाना सार्थक और सफल होगा। बाल मुनि कुणाल कुमार जी ने सुमधुर गीत का संगान किया। कार्यक्रम का शुभारंभ तेरापंथ महिला मंडल - मध्य कोलकाता के मंगलाचरण से हुआ। स्वागत भाषण श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा कोलकाता के अध्यक्ष अजय जी भंसाली ने दिया। इस अवसर पर महासभा के पंचमंडल सदस्य सुरेश जी गोयल, तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम ईस्ट जोन के कोर्डिनेटर प्रवीण सिरोहिया, तेरापंथ युवक परिषद कलकत्ता मेन के अध्यक्ष विवेक सुराणा ने अपने विचार व्यक्त किये। टॉलीगंज ज्ञानशाला ने व्यसनों की विनाश लीला, साउथ कलकता ज्ञानशाला ने जयंती श्राविका के प्रश्नोत्तर, पूर्वांचल ज्ञानशाला ने क्या कहता है जैन धर्म, उत्तर हावड़ा ज्ञानशाला ने आनंद श्रावक का अवधिज्ञान, साउथ हावड़ा ज्ञानशाला ने पूनिया श्रावक की सामायिक-एक सामायिक का मूल्य विषयों पर लघु नाटिका का मंचन कर सभी को प्रेरक संदेश प्रदान किया। आभार ज्ञापन सभा के कोषाध्यक्ष प्रमील बाफणा ने दिया। संचालन मुनिश्री परमानंद जी ने किया। नाटिका सम्मान का संचालन कार्यक्रम के संयोजक विजय बावलिया व विजय चौपड़ा ने किया। तेरापंथ प्रोफेशनल के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रकाश मालू ने रिजल्ट सुनाया। प्रकाश मालू, सुशीला पुगलिया व संगीता सेखाणी, झांकी व लघु नाटिका के जज थे। प्रथम स्थान पर दक्षिण हावड़ा सभा, द्वितीय स्थान पर उत्तर हावड़ा सभा तथा तृतीय स्थान पर दक्षिण कोलकाता सभा रही। सभा द्वारा सभी को पुरस्कृत किया गया।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को 10 वर्ष सश्रम कारावास की सजा

पश्चिम मेदिनीपुर : सात वर्षीय नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को घाटाल उपजिला न्यायालय ने गुरुवार को 10 वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई। पता चला है कि दोषी का नाम चंदन डागरा है। अदालती सूत्रों के अनुसार, वर्ष 2017 में, गाजन उत्सव के दौरान पश्चिम मेदिनीपुर जिले के चंद्रकोणा थाना अंतर्गत नारायणपुर गांव की सात वर्षीय नाबालिग लड़की गाजन उत्सव देखने गांव आई थी। तभी, इलाके का ही एक युवक चंदन डागरा जो पेशे से सुनार है, नाबालिग लड़की को अकेला पाकर उसे एक सुनसान जगह पर ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। अगले दिन लड़की के परिवार ने चंद्रकोणा थाने

में लिखित शिकायत दर्ज कराई। इस घटना के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। अंततः कुछ वर्षों के बाद, घाटाल उपजिला न्यायालय ने इस घटना पर अपना फैसला सुनाया। घाटाल अनुमंडल न्यायालय के अतिरिक्त जिला सत्र न्यायाधीश मयूख मुखर्जी की अध्यक्षता वाली अदालत ने आरोपी चंदन डागरा को दोषी करार देते हुए दस वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई।

सिलीगुड़ी में आकाशीय बिजली गिरने से बीएसएफ जवान की मौत

सिलीगुड़ी : आकाशीय बिजली गिरने से एक सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) जवान की मौत हो गई है। बताया गया है कि सिलीगुड़ी महकमा के फांसीदेवा में भारत-बांग्लादेश सीमा के बंदरगछ इलाके में गश्त के दौरान बिजली गिरने से जवान की मौत हुई है। मृत जवान का नाम दीपक कुमार है। वह बिहार के जमुई जिले के रहने वाले थे। पुलिस सूत्रों के अनुसार, बीएसएफ जवान दीपक कुमार बुधवार की रात बंदरगछ गांव के गेट नंबर 23 पर गश्त कर रहे थे। देर रात गेट के सामने बिजली गिरने से सैनिक चपेट में आ गए। बाद में, अन्य बीएसएफ जवान मौके पर पहुंचे और जवान को बरामद कर फांसीदेवा ग्रामीण अस्पताल ले गए। जहां ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। फांसीदेवा थाने की पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए उत्तर बंगाल मेडिकल कॉलेज व अस्पताल भेज दिया गया है।

पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक ने बंडेल-कटवा-अजीमगंज-नलहाटी खंड के स्टेशनों का किया निरीक्षण

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक मिलिंद देउस्कर ने गुरुवार को हावड़ा मंडल अंतर्गत बंडेल-कटवा-अजीमगंज-नलहाटी खंड में स्थित विभिन्न रेलवे स्टेशनों का गहन निरीक्षण किया। इस निरीक्षण यात्रा में उनके साथ प्रमुख विभागाध्यक्ष, हावड़ा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। इस निरीक्षण की शुरुआत अंबिका कलना स्टेशन से हुई, जहां महाप्रबंधक ने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत चल रहे स्टेशन पुनर्विकास कार्यों की प्रगति का अवलोकन किया। उन्होंने यात्री सुविधाओं की स्थिति, निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्धता का जायजा लिया। कटवा स्टेशन पर

उन्होंने फुट ओवरब्रिज, रनिंग रूम और क्रू लॉबी जैसी प्रमुख सुविधाओं की जांच की तथा पैनल इंटरलॉकिंग केबिन में जाकर परिचालन प्रक्रिया की समीक्षा की। इसके बाद अजीमगंज स्टेशन पर उन्होंने मास्टर प्लान, स्टेशन के प्रवेश व निकास मार्गों में सुधार कार्यों, इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग केबिन और पैनल रूम का निरीक्षण किया। नलहाटी स्टेशन पर महाप्रबंधक ने इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग पैनल रूम, इंटीग्रेटेड पावर सप्लाई प्रणाली और स्टेशन मास्टर कार्यालय का निरीक्षण किया। अहमदपुर स्टेशन पर महाप्रबंधक ने यात्री संघ के प्रतिनिधियों व स्थानीय नागरिकों से भेंट कर उनकी समस्याएं सुनीं और उन्हें भरोसा दिलाया कि उनकी मांगों पर यथासंभव सकारात्मक कार्रवाई की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने यात्रियों की सुरक्षा, सुविधा और स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करने के लिए निर्माण कार्यों को समय पर पूर्ण करने की आवश्यकता पर बल दिया। उनकी यह यात्रा पूर्व रेलवे की बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण और यात्री सेवा सुधार के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

म्यूचुअल फंड अपनाने को बढ़ावा देने के लिए जेडफंड्स की पहल

कोलकाता : जेडफंड्स ने अपनी प्लेटफॉर्म पर सिस्टमेटिक इंवेस्टमेंट प्लान्स के लिए यूपीआई ऑटोपे की कार्यक्षमता की शुरुआत की है। जेडफंड्स, जो एमएफडी को सशक्त बनाने वाला पहला प्लेटफॉर्म है, अब ग्राहकों को केवल एक यूपीआई पिन के साथ एसआईपी सेटअप करने की सुविधा देता है-इसके लिए कोई कागजी कार्रवाई, डेबिट कार्ड विवरण, या नेट बैंकिंग की आवश्यकता नहीं है। फरवरी में शुरू की गई यह विशेषता अब तक जेडफंड्स के लगभग 70 प्रतिशत भागीदारों द्वारा उनके ग्राहकों के एसआईपी सेटअप के लिए प्राथमिक तरीके के रूप में अपनाई जा चुकी है। वर्तमान में यह फीचर मासिक एसआईपी के लिए उपलब्ध है, और कंपनी भविष्य में इसे दैनिक एसआईपी विकल्पों तक विस्तारित करने की योजना बना रही है।

माझेरहाट की जली हुई यादें अभी भी ताज़ा, सतर्कता बरतते हुए बड़ा कदम उठाया लोक निर्माण विभाग ने

कोलकाता : माझेरहाट ब्रिज हादसा अब भी आम लोगों के ज़ेहन में ताज़ा है। उस दुर्घटना ने पूरे राज्य को हिला कर रख दिया था और यह साबित कर दिया था कि पुराने पुलों की समय पर स्वास्थ्य जांच कितनी जरूरी है। हादसे के बाद भले ही कोलकाता में कई नए फ्लाईओवर बन चुके हैं, लेकिन उस दिन की भयावहता आज भी लोगों के दिमाग से नहीं।

इसी अनुभव से सीख लेकर अब पश्चिम बंगाल का लोक निर्माण विभाग यानी पूर्त दफ्तर राज्यभर के फ्लाईओवरों की व्यापक स्वास्थ्य जांच शुरू करने जा रहा है। नबन्ना सूत्रों के मुताबिक, फिलहाल पश्चिम बंगाल में लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत कुल 2,220 उड़ालपुल यानी फ्लाईओवर हैं। इनमें से 176 पुल की स्थिति चिंताजनक है और इन्हें तुरंत मरम्मत की ज़रूरत है।

इस संदर्भ में पूर्त विभाग ने अपने अभियंताओं को आदेश दिया है कि वे इस महीने के भीतर सभी पुलों की स्वास्थ्य जांच कर उसकी रिपोर्ट जमा करें। विभाग का उद्देश्य है कि किसी भी संभावित दुर्घटना को रोकने के लिए समय रहते ज़रूरी कदम उठाया जाए।

माझेरहाट ब्रिज के गिरने की घटना ने यह साफ कर दिया कि न केवल नए निर्माण बल्कि पुराने ढांचों की नियमित निगरानी और मेंटेनेंस भी उतनी ही अहम है। अब जब सरकार पूरे राज्य के पुलों पर नज़र रख रही है, तब उम्मीद की जा सकती है कि भविष्य में इस तरह की कोई अनहोनी न हो।

सियालदह मंडल में फ्रंटलाइन कमर्शियल स्टाफ के लिए प्रशिक्षण एवं काउंसलिंग सत्र आयोजित

कोलकाता, समाज्ञा : सियालदह मंडल द्वारा अपने फ्रंटलाइन कमर्शियल स्टाफ के लिए एक विशेष प्रशिक्षण एवं काउंसलिंग सत्र का आयोजन किया गया। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक जसराम मीणा के नेतृत्व में आयोजित इस सत्र में चेकिंग स्टाफ, गुड्स क्लर्क्स और बुकिंग क्लर्क्स सहित वाणिज्य विभाग के अग्रिम पंक्ति के कर्मचारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर उन्हें टिकट रहित यात्रियों की पहचान के प्रति सजग रहने और टिकट जांच के दौरान यात्रियों के साथ सौम्य एवं सहयोगपूर्ण व्यवहार बनाए रखने के निर्देश दिए गए।

इस पहल के अंतर्गत मीणा ने न्यू अलीपुर गुड्स शेड और माझेरहाट स्टेशन का दौरा कर कर्मचारियों से सीधा संवाद स्थापित किया। उन्होंने कर्मचारियों को प्रोत्साहित करते हुए उनके कार्यों की सराहना की और यह बताया कि वे रेलवे की छवि को

सशक्त बनाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस दौरे के दौरान आयोजित संवादात्मक सत्र में कर्मचारियों को अपने दैनिक कार्यों में आने वाली समस्याओं को खुलकर साझा करने का अवसर मिला। इससे न केवल प्रबंधन और कर्मचारियों के बीच पारदर्शी संवाद की स्थापना हुई, बल्कि चुनौतियों के समाधान की दिशा में भी ठोस पहल की गई। यह प्रशिक्षण और काउंसलिंग कार्यक्रम सियालदह के डीआरएम दीपक निगम के प्रेरणास्पद नेतृत्व में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। डीआरएम ने बताया कि यह पहल कर्मचारियों की भागीदारी सुनिश्चित करने, कार्यक्षमता बढ़ाने तथा सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे प्रयासों से भारतीय रेल की सकारात्मक छवि और जनसंपर्क को सुदृढ़ करने में मदद मिलेगी।

मैन+हमेल ने एल्जी के कंप्रेस्ड एयर सिस्टम से लागत में कटौती कर उत्पादन क्षमता बढ़ाई

कोलकाता : विभिन्न उद्योगों के लिए फिल्ट्रेशन सिस्टम बनाने वाली अग्रणी वैश्विक कंपनी, मैन+हमेल ने एल्जी इक्विपमेंट्स लिमिटेड की अमेरिकी सब्सिडियरी पैटन्स इंक के सहयोग से अपने कंप्रेस्ड एयर सिस्टम को पूरी तरह से अपग्रेड कर लिया है।एल्जी के अत्याधुनिक एयर कंप्रेसर्स और ड्रायर्स से संचालित यह नई प्रणाली मैन+हमेल को न केवल उत्पादन दक्षता बढ़ाने में मदद कर रही है, बल्कि इसके जरिए कंपनी को हर साल 1.6 लाख डॉलर और 2 मिलियन किलोवाट घंटे ऊर्जा की बचतभी हो रही है। मैन+हमेल में मैन्युफैक्चरिंग इंजीनियरिंग के सीनियर मैनेजर स्टीवन ओवेन्स कहते हैं, जब एक एयर सिस्टम फेल होता है, तो केवल उत्पादन नहीं रुकता, बल्कि पूरी सप्लाई चेन पर इसकाअसर पड़ता है, डिलीवरी में देरी होती है, मेंटनेंस लागत बढ़ती है और ग्राहकों के कामकाज पर भी असर पड़ता है।

मैटर ने अहमदाबाद के चांगोदर में शुरू किया अपना पहला वर्ल्ड-क्लास मैन्युफैक्चरिंग हब

कोलकाता : मैटर ने अहमदाबाद के चांगोदर में अपने पहले वर्ल्ड-क्लास मैन्युफैक्चरिंग हब की शुरुआत की है। गुजरात के माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्रभाई पटेल के हाथों इस प्लांट का उद्घाटन हुआ, जो भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों के एक नए युग की शुरुआत का प्रतीक है। मैटर के को-फाउंडर और ग्रुप सीईओ मोहाल लालभाई ने कहा, 'यह हमारे लिए और भारत के ईवी इकोसिस्टम के लिए एक निर्णायक क्षण है। हमारा मैन्युफैक्चरिंग हब टेक्नोलॉजी और इनोवेशन की ताक़त के जरिए भारत के मोबिलिटी सिस्टम को बदलने के लिए तैयार है। हमारी क्षमता बढ़ाने के साथ-साथ हम सस्टेनेबिलिटी को केंद्र में रखकर काम कर रहे हैं जो लोगों और पर्यावरण दोनों पर दीर्घकालीन सकारात्मक प्रभाव पैदा करेगा।

कांचरापाड़ा स्टेशन पर चलाया गया स्वच्छता जागरूकता अभियान

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे के सियालदह मंडल द्वारा यात्रियों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए चयनित स्टेशनों पर लगातार स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत, 9 अप्रैल 2025 को कांचरापाड़ा रेलवे स्टेशन पर एक व्यापक स्वच्छता जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया, जिसमें स्वास्थ्य विभाग, आरपीएफ और स्टेशन स्टाफ ने सक्रिय भागीदारी निभाई। इस अभियान का उद्देश्य यात्रियों, विक्रेताओं तथा अन्य रेल उपयोगकर्ताओं के बीच रेलवे परिसर और उसके आस-पास स्वच्छता बनाए रखने के महत्व को उजागर करना था।

इस अभियान के दौरान जिम्मेदार कचरा निपटान को बढ़ावा देने, जगह-जगह कचरा फेंकने से रोकने तथा सार्वजनिक स्थानों पर थूकने की मनाही को सख्ती से दोहराया गया। स्टेशन की सुविधाओं का गहन निरीक्षण किया गया और यात्रियों, विक्रेताओं एवं कर्मचारियों से सीधा संवाद कर स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के महत्व को रेखांकित किया गया, ताकि रेल यात्रा को अधिक सुरक्षित, स्वच्छ और सुखद बनाया जा सके। इस दौरान प्लास्टिक प्रदूषण के गंभीर मुद्दे पर भी विशेष ध्यान दिया गया। अधिकारियों ने लोगों को प्लास्टिक कचरे के पर्यावरण और जनस्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया और टिकाऊ व पर्यावरण-अनुकूल विकल्प अपनाने के लिए प्रेरित किया।

घर से चोरी के मामले में 2 गिरफ्तार

कोलकाता : न्यू मार्केट थाना क्षेत्र में 24 मार्च की रात एक घर में हुई चोरी के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। यह मामला न्यू मार्केट थाना अंतर्गत दर्ज किया गया था, जिसमें पीड़ित ने घर से एक लाख रुपये नकद, सोने के आभूषण और एक मोबाइल फोन की चोरी की शिकायत दर्ज कराई थी।

पुलिस ने जांच के दौरान गुप्त सूचना के आधार पर दो आरोपियों - (1) राजेश शेख (23), निवासी दक्षिण रायपुर, 9 नंबर घेरी, थाना ढोलाहाट, दक्षिण 24 परगना और (2) नूर हुसैन फकीर (23), निवासी अकरा संतोषपुर, 16 बीघा बस्ती, थाना महेशतला, दक्षिण 24 परगना - को उनके-अपने निवास स्थानों से गिरफ्तार किया।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने चोरी की वारदात को अंजाम देने की बात कबूल की और उनकी निशानदेही पर चोरी गए सोने के अधिकांश आभूषण बरामद कर लिए गए हैं। बरामद सामानों को पुलिस ने जब्त कर लिया है और मामले में आगे की जांच जारी है।

मालदह टाउन स्टेशन पर स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे के मालदह मंडल द्वारा स्वच्छता बनाए रखने और जनस्वास्थ्य को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से गुरुवार को एक स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम पर्यावरण एवं हाउसकीपिंग प्रबंधन विभाग द्वारा वरिष्ठ मंडलीय पर्यावरण एवं हाउसकीपिंग प्रबंधक प्रदीप दास के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मालदा मंडल के डीआरएम मनीष कुमार गुप्ता ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और स्वच्छता के उच्च मानकों को बनाए रखने में मंडल की सामूहिक कोशिशों की सराहना की।

इस अवसर पर शैव कुमार प्रसाद (एडीआरएम/मालदह), आर.वी. नागराले (मुख्य परियोजना प्रबंधक/जीएसयू), तथा डॉ. अनुपा घोष (मुख्य चिकित्सा अधीक्षक/सीएमएस) सहित अन्य

वरिष्ठ शाखा अधिकारी एवं समर्पित रेलवे कर्मचारी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण स्काउट्स एंड गाइड्स टीम, एक एनजीओ के सदस्य, केंद्रीय विद्यालय के छात्र, रेलवे अधिकारियों और अन्य प्रतिभागियों द्वारा निकाला गया रूट मार्च रहा। प्रतिभागियों ने हाथों में बैनर और पोस्टर लेकर स्टेशन परिसर में यात्रियों से संवाद किया और स्वच्छता एवं स्वच्छ भारत अभियान से जुड़े संदेशों को जन-जन तक पहुंचाया। इसके अलावा, कविता पाठ, नुक्कड़ नाटक और जानकारीपरक प्रदर्शनियों जैसी कई रचनात्मक गतिविधियां भी आयोजित की गईं। स्काउट्स एंड गाइड्स द्वारा प्रस्तुत इन कार्यक्रमों ने स्वच्छता संबंधी संदेशों को प्रभावी ढंग से जनता तक पहुंचाया और व्यवहार में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में प्रेरित किया।

जमीयत उलेमा-ए-हिंद वक्फ कानून के खिलाफ एक करोड़ हस्ताक्षरों वाला प्रस्ताव पीएम को भेजेगा

✒ प्रमुख मुस्लिम संगठन ने वक्फ कानून के खिलाफ कोलकाता में की विशाल रैली

कोलकाता, समाज्ञा : प्रमुख मुस्लिम संगठन जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने नए वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ गुरुवार को कोलकाता में विशाल रैली आयोजित कर केंद्र के विरुद्ध जमकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान, संगठन के बंगाल चैप्टर के अध्यक्ष व राज्य सरकार में मंत्री सिद्दीकुल्लाह चौधरी ने वक्फ कानून के खिलाफ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को एक करोड़ लोगों द्वारा हस्ताक्षरित प्रस्ताव भेजने की कसम खाई। मौलाली में रामलीला मैदान में आयोजित विशाल रैली को संबोधित करते हुए चौधरी ने प्रधानमंत्री से इस कानून को तुरंत निरस्त करने या वापस लेने का आग्रह किया। उन्होंने इस कानून को मुसलमानों के खिलाफ बताते हुए कहा कि यह वक्फ बोर्डों की स्वायत्तता को कमजोर करता है। रैली मंच से जमीयत नेताओं ने वक्फ कानून के खिलाफ कानूनी लड़ाई लडने के लिए क्राउडफंडिंग अभियान की भी घोषणा की। मंत्री चौधरी ने कहा कि वक्फ कानून के खिलाफ हस्ताक्षर स्वयंसेवक बंगाल के विभिन्न जिलों में जाकर एकत्र करेंगे। उन्होंने कहा कि इस तरह के सामूहिक आंदोलन के कारण पहले भी सरकारों ने कानून वापस लिए हैं। हमारा लक्ष्य विभिन्न जिलों, कस्बों से एक करोड़ हस्ताक्षर प्राप्त करना और इस कानून को निरस्त करवाने के लिए उन्हें प्रधानमंत्री मोदी को भेजना है।

❑ सीएम कार्यालय से मंत्री को आया फोन, वक्फ कानून लागू नहीं होने दिया जाएगा

रैली के दौरान तृणमूल विधायक व पुस्तकालय सेवा मंत्री सिद्दीकुल्ला चौधरी ने यह भी कहा कि उन्हें मुख्यमंत्री कार्यालय से फोन आया है। उन्हें आश्वासन दिया गया है कि वक्फ कानून को बंगाल में लागू नहीं होने दिया जाएगा। चौधरी ने वक्फ कानून के खिलाफ मुर्शिदाबाद जिले में विरोध प्रदर्शन के दौरान हाल में हुई हिंसा की घटना का भी उल्लेख किया। पुलिस कार्रवाई की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि मुर्शिदाबाद में ऐसी कोई स्थिति नहीं थी कि पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़े। उन्होंने अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों को अशांति से दूर रहने की सलाह दी। उन्होंने अनुरोध किया कि कोई भी व्यक्ति किसी उकसावे में न आए। उन्होंने अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों से अपनी-अपनी जिम्मेदारियां निभाने की अपील की।

❑ 'केंद्र का इरादा वक्फ प्रशासन पर नियंत्रण करना'

जमीयत नेताओं ने कहा कि वक्फ कानून संविधान के अनुच्छेद 14, 25 व 26 के तहत गारंटीकृत मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है। चौधरी ने कहा कि यह कानून नौकरशाहों को अत्यधिक अधिकार देकर अल्पसंख्यक समुदाय की धार्मिक स्वतंत्रता का अतिक्रमण करता है। केंद्र का इरादा वक्फ प्रशासन पर नियंत्रण करना और मुस्लिम समुदाय को अपने धार्मिक बंदोबस्त के प्रबंधन से अलग करना है।

मिथुन चक्रवर्ती ने बशीरहाट में रामनवमी शोभायात्रा का किया नेतृत्व

कोलकाता, समाज्ञा : बॉलीवुड अभिनेता व भाजपा नेता मिथुन चक्रवर्ती ने उत्तर 24 परगना जिले में गुरुवार को रामनवमी शोभायात्रा का नेतृत्व किया। इस दौरान, मिथुन चक्रवर्ती की एक झलक पाने के लिए बशीरहाट में सड़क के दोनों ओर हजारों लोग खड़े थे। उनके साथ राज्य भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार भी थे। इस शोभायात्रा में सैकड़ों लोगों ने भाग लिया और यह शोणपुकुर, चौमाथा, थाना मोड़ और मोयलाखोला सहित बशीरहाट शहर के विभिन्न हिस्सों से गुजरी। मिथुन चक्रवर्ती ने 'जय श्री राम' के नारों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हिंदुओं को अपनी पहचान पर गर्व है। वहीं, सुकांत मजूमदार ने कहा कि हिंदुओं के एकजुट होने का समय आ गया है। उन्होंने कहा कि देखिए कैसे बंगाल में हर कोई छह अप्रैल से रामनवमी की शोभायात्राओं में हिस्सा ले रहा है।

पक्षी मारने वाली बंदूक से कुत्ते को मारने के आरोप में दो युवक गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : पक्षी मारने वाली बंदूक से कुत्ते को मारने के आरोप में दो युवकों को गिरफ्तार किया गया है। जानकारी के अनुसार, यह घटना बारासात मयना के अर्दबाग इलाके में घटी। स्थानीय निवासियों ने आरोप लगाया कि उस क्षेत्र में एक युवक अक्सर पक्षी-उड़ाने वाली बंदूक से पक्षियों को मारता था। स्थानीय लोगों के कई बार चेतावनी देने के बावजूद उक्त युवक ने एक न सुनी। बारासात पुलिस थाने में कई बार शिकायत करने के बावजूद कोई समाधान नहीं निकला। गुरुवार की दोपहर स्थानीय निवासियों ने एक तेज आवाज सुनी। जब वे दौड़कर मौके पर पहुंचे तो देखा कि एक कुत्ता गोली लगने से घायल होकर सड़क पर पड़ा हुआ है। जब इलाके के लोगों ने दबाव बनाकर युवक से पूछताछ की तो उसने स्वीकार किया कि गोली गलती से चल गई थी। परिणामस्वरूप, कुत्ते की मौत हो गई। कुत्ते की हत्या को लेकर इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर बारासात थाना पुलिस मौके पर पहुंची। इस घटना में पुलिस पहले ही दो युवकों को गिरफ्तार कर चुकी है और पुलिस ने उनके पास से पक्षी मारने वाली बंदूक भी बरामद कर ली है। दो युवकों को गिरफ्तार कर बारासात पुलिस थाने लाया गया।

गैंस सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी के खिलाफ कोलकाता में तृणमूल का प्रदर्शन, मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य ने सड़क पर बनाई रोटी।

हुगली में भीषण अग्निकांड: एक ही परिवार के चार सदस्य झुलसे, कोलकाता रेफर

हुगली, समाज्ञा : जिले के चंदननगर थाना अंतर्गत खलिसानी इलाके में भीषण आग लगने से एक ही परिवार के चार सदस्य गंभीर रूप से झुलस गए। घायलों की पहचान रमेश मन्ना (53), उनकी पत्नी सुष्मिता मन्ना (48) और दो बेटियां प्रीथा मन्ना (24) एवं पर्णा मन्ना (22) के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों की तत्परता से सभी घायलों को तुरंत चंदननगर महकमा अस्पताल में भर्ती कराया गया लेकिन हालत गंभीर होने के चलते उन्हें कोलकाता के एक निजी अस्पताल में रेफर कर दिया गया है।

घटना की जानकारी मिलते ही चंदननगर नगर निगम के मेयर राम चक्रवर्ती अस्पताल पहुंचे और परिवार की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि रमेश मन्ना पेशे से हलवाई हैं और 'मन्ना स्वीट्स' नामक उनकी मिठाई की दुकानें चंदननगर में खासा लोकप्रिय हैं। शहर में उनकी कुल चार दुकाने हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, दोपहर में अचानक घर से चीख-पुकार की आवाजे आने लगीं। जब लोग अंदर पहुंचे तो देखा कि परिवार के सभी सदस्य आग में झुलस चुके हैं। आग कैसे लगी, इसका स्पष्ट कारण अब तक सामने नहीं आया है, लेकिन प्रारंभिक अनुमानों के अनुसार गैस सिलेंडर से रिसाव या इलेक्ट्रिक शॉर्ट सर्किट इसकी वजह हो सकती है। फिलहाल पुलिस और फायर ब्रिगेड मामले की जांच कर रही है। स्थानीय लोग परिवार की सलामती की दुआ कर रहे हैं।

अमेजन पर शानदार डील और ट्रीट के साथ बनाएं नेशनल पेट डे को और भी खास

कोलकाता, समाज्ञा : इस साल नेशनल पेट डे पर, अमेजन ने आपके प्यारे दोस्तों को विशेष रूप से खुश करने के लिए एक खास स्टोर पेश किया है, जो 11 से 14 अप्रैल तक उपलब्ध रहेगा। इस स्टोर में पेट के लिए जरूरी चीजों का बेहतरीन संग्रह है, जिसमें पौष्टिक ट्रीट्स, खिलौने, प्रीमियम ग्रूमिंग प्रोडक्ट्स और रोजमर्रा की जरूरतों का सामान शामिल है। पेडिग्री, ड्रूल्स, रॉयल कैनिन जैसे प्रमुख ब्रांड्स के प्रोडक्ट्स एक ही जगह पर उपलब्ध हैं, जिससे ग्राहक आसानी से अपने पेट की देखभाल कर सकते हैं। तेज और भरोसेमंद डिलीवरी के साथ, अमेजन पे पर शानदार बचत का आनंद लिया जा सकता है। प्राइम मेंबर्स के लिए सेम डे डिलीवरी का विकल्प भी है, जिससे खरीदारी और भी सुविधाजनक हो जाती है। इसके अतिरिक्त, ग्राहक 5000 रुपये के न्यूनतम ऑर्डर पर एसबीआई क्रेडिट कार्ड से 10% की छूट का लाभ उठा सकते हैं।

भगवामय हुआ चांपदानी, राम नवमी पर निकली भव्य शोभायात्रा

हुगली, समाज्ञा : राम नवमी के उपलक्ष्य पर चांपदानी में एक भव्य और विशाल शोभायात्रा का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। पूरा क्षेत्र राम भक्ति में सराबोर रहा और भगवा रंग में रंगा नजर आया। शोभायात्रा ने शांति, सौहार्द्र और धार्मिक एकता का संदेश दिया। शोभायात्रा में श्रीरामपुर लोकसभा से सांसद कल्याण बनर्जी, चांपदानी के विधायक अरिंदम गुइन और नगरपालिका के चेयरमैन सुरेश मिश्रा भगवा वस्त्रों और पगड़ियों में शामिल हुए। उन्होंने बजरंगबली की पूजा कर शोभायात्रा की शुरुआत की। भगवान राम, माता सीता, हनुमान और अन्य देवी-देवताओं की आकर्षक झांकियों ने लोगों का ध्यान खींचा। इस आयोजन को लेकर सुरक्षा के चाक-चौबंद इंतजाम किए गए थे। चंदननगर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा पूरे मार्ग पर सीसीटीवी कैमरे, ड्रोन, वॉच टावर और अधिकारियों के बॉडी कैमरे से निगरानी रखी गई। पुलिस आयुक्त अमित पी. जवालगी स्वयं सुरक्षा व्यवस्था की कमान संभाले हुए थे। रामभक्तों ने पारंपरिक अस्त्र शस्त्र के साथ कला कौशल दिखाया। लड्डू वितरित किया गया। 18 अखाड़ों की शोभायात्रा में हजारों का हुजूम उमड़ा। सांसद कल्याण बनर्जी ने कहा, 'मैं सभी धर्मों का सम्मान करता हूं धर्म भिन्न हो सकते हैं, लेकिन उत्सव हम सभी मिलकर मनाते हैं। यही बंगाल की भूमि की संस्कृति और परंपरा है।' चांपदानी, जो कि एक मिली-जुली आबादी वाला क्षेत्र है, ने इस शोभायात्रा के माध्यम से एक बार फिर सांप्रदायिक सौहार्द और एकता की मिसाल कायम की।

कलकत्ता उच्च न्यायालय के निकट एक इमारत में लगी आग

कोलकाता, समाज्ञा : कलकत्ता उच्च न्यायालय के निकट एक इमारत में गुरुवार को आग लग गई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। दमकल विभाग के अधिकारियों ने बताया कि बहुमंजिला इमारत में एक खाली पड़ी लिफ्ट के पास जमा कचरे में दोपहर करीब 1.55 बजे आग लगी। उन्होंने कहा कि आग बुझाने के लिए दमकल की चार गाड़ियों को लगाया गया और घटना में कोई हताहत नहीं हुआ।

हनुमान जयंती को लेकर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक ने किया रूट का निरीक्षण

हुगली, समाज्ञा : ग्रामीण पुलिस अधीक्षक कामनाशिष सेन ने हनुमान जयंती शोभा यात्रा रूट का निरीक्षण किया। बांसबेड़िया जूट मिल कॉलोनी में भव्य शोभा यात्रा निकाली जाती है।आगामी 12 अप्रैल को यात्रा का आयोजन किया जाएगा। एसपी ने बताया भारी पुलिस बल तैनात किया जायेगा। सुरक्षा का पुख्ता बंदोबस्त किया गया है, ड्रोन कैमरे से निगरानी की जाएगी। मंदिर के निकट आयोजकों से मुलाकात कर नियमों को पालन करने का अपील की। बाइक से एसपी साथ डीएसपी क्राइम अभिजित सिन्हा महापात्र, सीआई सौमेन विश्वास, थाना प्रभारी दीपांकर सरकार बांसबेड़िया मिल फाड़ी इंचार्ज सुजीत राय सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। बांसबेडिया मिल फाड़ी में एसपी ने मगरा थाना साइबर सेल द्वारा बरामद की गई मोबाइल फोन उनके असली मालिक को लौटा दिया। साइबर फ्रॉड हुए एक लाख पांच हजार की राशि बरामदगी कर लौटा दिए। एक 60 हजार और 45 हजार की राशि की चेक दी गई। एसपी ने बताया 40 लोगों को मोबाइल लौटाएं गए हैं। खोए हुए मोबाइल वापस पाकर लोग काफी खुश हुए और कहा उन्हें भरोसा था।

तेज रफ्तार लॉरी की टक्कर से महिला की मौत, बेटा गंभीर रूप से घायल

हावड़ा, समाज्ञा : हावड़ा कोना एक्सप्रेसवे पर एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक महिला की मौत हो गई। मृतका की पहचान अनवरा बेगम (55) के रूप में हुई है। इस हादसे में महिला का बेटा शेख आलमगीर गंभीर रूप से घायल हो गया है, जो फिलहाल अस्पताल में भर्ती है। जानकारी के अनुसार, बुधवार को महिला अपने बेटे के साथ डॉक्टर दिखाकर बाइक से घर लौट रहे थे। वे कोना एक्सप्रेसवे के हेंगसांग क्रॉसिंग से कैरी रोड की ओर जा रहे थे। उसी दौरान पीछे से आ रही तेज रफ्तार लॉरी ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे दोनों सड़क पर गिर पड़े। उसी दौरान एक अन्य लॉरी ने अनवरा बेगम को कुचल दिया और फरार हो गई। वहीं, उनका बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया।

अंतर्राष्ट्रीय हिंदी परिषद का सम्मान समारोह आयोजित

कोलकाता, समाज्ञा : अंतर्राष्ट्रीय हिंदी परिषद के प्रधान कार्यालय में युवा प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में उपस्थित राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं संस्थापक अंतर्राष्ट्रीय हिंदी परिषद हृदय नारायण मिश्रा एवं सुशांत कुमार शर्मा (राष्ट्रीय संगठन मंत्री युवा प्रकोष्ठ) द्वारा सभी पदाधिकारीयों को अंग वस्त्र, मोती की माला एवं उपहार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने के लिए लोगों का हौसला बढ़ाया गया। इस दौरान, हृदय नारायण मिश्रा ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय हिंदी परिषद पूरे भारतवर्ष में लगभग 22 राज्य में संगठन को तीव्र गति से आगे बढ़ा रहा हैं। लाखों पदाधिकारी इससे जुड़ रहे हैं। सभी लोग अपना विचार हिंदी पर देकर हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने के लिए लोगों का अभिवादन कर रहे हैं। सुशांत कुमार शर्मा हिन्दी भाषा के प्रचार-प्रसार खूब जोर शोर से हर जगह कर रहें हैं।

वनबंधु परिषद एवं श्रीहरि सत्संग समिति का वार्षिक उत्सव हमारे राम सम्पन्न

कोलकाता : वनबंधु परिषद एवं श्रीहरि सत्संग समिति, कोलकाता चैप्टर का वार्षिक उत्सव हमारे राम राम नवमी के अवसर पर साइंस सिटी मुख्य सभागार में भव्य रूप से आयोजित हुआ। कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध अभिनेता आशुतोष राणा एवं उनकी 120 सदस्यों की टीम ने रामायण की खोज एवं अनकहे अध्याय नाटिका का प्रभावशाली मंचन किया। राणा ने रावण तथा राहुल बुचर ने राम की भूमिका निभाई। दर्शकों ने नाटिका की भूरि-भूरि प्रशंसा की। मुख्य अतिथि के रूप में हेमंत जी बांगड़ (निदेशक, ग्लोस्टर लिमिटेड) एवं सुभाष चन्द्र जी अग्रवाला (सीएमडी, मैदान एलॉयज) ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई एवं दोनों संस्थाओं के ग्रामीण और वनवासी विकास कार्यों की सराहना की। वनबंधु परिषद की स्थापना 1989 में कोलकाता में हुई थी और यह संस्था 37 चैप्टरों के माध्यम से 43,575 एकल विद्यालय संचालित कर रही है, जिनमें 11,59,511 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। श्रीहरि सत्संग समिति की स्थापना 1997 में कोलकाता में हुई थी, जो वर्तमान में 23 चैप्टरों के माध्यम से 54,136 संस्कार केन्द्र एवं 94 श्रीहरि मंदिर रथ संचालित कर रही है। इस आयोजन में सज्जन भजनका, सजन कुमार बंसल, रमेश कुमार सरावगी, रमेश कुमार माहेश्वरी, किशन कुमार केजरीवाल, महेन्द्र अग्रवाल, प्रदीप रावलवासिया, प्रवीण अग्रवाल, सुभाष मुरारका, नीरज हाड़ोदिया सहित महिला एवं युवा समिति ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

हावड़ा जिले के 60 शिक्षक अपने प्राइमरी स्कूल की नौकरी में लौटना चाहते हैं वापस

हावड़ा, समाज्ञा : हावड़ा जिले के 60 शिक्षक, जिन्होंने प्राइमरी स्कूल की नौकरी छोड़कर 2016 में एसएससी द्वारा हाई स्कूल में नौकरी ज्वाइन किया था। वे अब प्राइमरी स्कूल की नौकरी में लौटना चाहते हैं। इन शिक्षकों में से पहले ही 25 शिक्षकों ने जिला प्राथमिक शिक्षा विभाग में अपनी वापसी के लिए लिखित आवेदन किया था। जिला प्राथमिक शिक्षा परिषद के अध्यक्ष कृष्ण घोष ने इस मामले में कहा, यदि राज्य शिक्षा विभाग इन शिक्षकों को उनके पुराने पद पर वापस लाने का निर्देश देता है, तो जिला प्राथमिक शिक्षा विभाग इस प्रक्रिया को शीघ्र प्रारंभ करेगा।

उन्होंने यह भी बताया कि जो शिक्षक पहले प्राइमरी स्कूल में काम करते थे और अपनी नौकरी छोड़कर हाई स्कूल में गए थे, अब वे फिर से प्राइमरी स्कूल में लौटने के इच्छुक हैं। फिलहाल, इनकी संख्या 60 है और हमें उम्मीद है कि यह संख्या और बढ़ेगी। जिला प्राथमिक शिक्षा विभाग के सूत्रों के अनुसार, प्राइमरी स्कूल की नौकरी छोड़ने वाले शिक्षकों के बारे में सामान्यत: कोई जानकारी संग्रहित नहीं की जाती और सभी जानकारी हटा दी जाती है। अगर राज्य शिक्षा विभाग इन शिक्षकों को पुनः बहाल करने का आदेश देता है, तो उनकी सभी जानकारी फिर से एकत्रित की जाएगी। इसके साथ ही, इन शिक्षकों को पहले जैसे सभी लाभ और सुविधाएं दी जाएंगी, चाहे वह आर्थिक सहायता हो या अन्य सरकारी सुविधाएं जो प्राइमरी स्कूल के शिक्षकों को प्रदान की जाती हैं।

बंगाल को कब मिलेगा बकाया? मनरेगा घोटाले में केंद्र से रिपोर्ट तलब, हाईकोर्ट का निर्देश

कोलकाता : पश्चिम बंगाल में 100 दिनों के काम की योजना यानी मनरेगा में कथित वित्तीय अनियमितता को लेकर दायर जनहित याचिका पर गुरुवार को कोलकाता हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। इस सुनवाई में मुख्य न्यायाधीश की बेंच ने केंद्र सरकार से सीधे सवाल किया कि जिन जिलों से भ्रष्टाचार के तहत पैसे बरामद किए गए हैं, उन पैसों का क्या हुआ? क्या वे पैसे केंद्र सरकार को लौटा दिए गए हैं या क्या उन पैसों को योजना के तहत लोगों को वापस दिया गया है? इस मामले की अगली सुनवाई 15 मई को निर्धारित की गई है, और उससे पहले केंद्र सरकार को इस संबंध में पूरी रिपोर्ट अदालत में पेश करने का निर्देश दिया गया है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि कानून के मुताबिक यदि राज्य को मनरेगा के तहत बकाया राशि मिलनी है, तो केंद्र को उसे देना ही होगा। यह मामला उस समय गहराया जब विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने मनरेगा योजना में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाकर कोलकाता हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की थी। मामले की जांच के लिए अदालत ने चार सदस्यीय कमेटी गठित की थी, जिसने मार्च महीने में अपनी रिपोर्ट पेश करते हुए बताया कि हुगली, पूर्व बर्धमान, मालदा और दार्जिलिंग (जीटीए) जिलों से कुल मिलाकर लगभग 2 करोड़ 40 लाख रुपये की बरामदगी हुई है। गुरुवार को सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से तृणमूल कांग्रेस के सांसद और अधिवक्ता कल्याण बंद्योपाध्याय ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि केंद्र सरकार अहंकार में डूबी हुई है और वह कोई प्रस्ताव स्वीकार नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि पिछले तीन सालों से राज्य को कई योजनाओं का पैसा नहीं मिल रहा है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि केंद्र केवल चुनावी राजनीति कर रही है और आगामी चुनावों को देखते हुए सभी योजनाएं बंद कर दी गई हैं। वहीं याचिकाकर्ता के वकील बिकाश भट्टाचार्य ने कहा कि केंद्र और राज्य की लड़ाई में नुकसान केवल आम लोगों का हो रहा है, जो इन योजनाओं के वास्तविक लाभार्थी हैं। सुनवाई के दौरान जब एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ने यह बताया कि मनरेगा के तहत राज्य को अब तक 12 करोड़ रुपये दिए गए हैं और उन पैसों में भ्रष्टाचार हुआ है, तब मुख्य न्यायाधीश ने केंद्र के वकील से पूछा कि बरामद किए गए पैसे का क्या किया गया? क्या वे केंद्र को वापस किए गए या योजनाओं के तहत लोगों को दिए गए? इस पर केंद्र की ओर से कहा गया कि वह राशि सीधे 100 दिन की योजना के तहत लाभार्थियों के खाते में नहीं भेजी जा सकती। केंद्र जो निर्णय लेगा, वही किया जाएगा।

महावीर जयंती पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की शुभकामनाएं, बेलगछिया पार्श्वनाथ मंदिर में हुआ भव्य आयोजन

कोलकाता, समाज्ञा : भगवान महावीर स्वामी के 2624वें जन्मकल्याणक के पावन अवसर पर संपूर्ण जैन समाज को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कीं। उन्होंने भगवान महावीर के सिद्धांतों जियो और जीने दो तथा निर्भय जीवन-का स्मरण करते हुए समाज में अहिंसा, सहिष्णुता और सत्य के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। मुख्यमंत्री ने इस शुभ अवसर पर अपने मंत्रिमंडल की वरिष्ठ मंत्री शशि पंजा एवं स्थानीय पार्षद तरुण शाह को कोलकाता के प्रतिष्ठित बेलगछिया पार्श्वनाथ जैन मंदिर में आयोजित पूजा-अर्चना एवं नेवैद्य अर्पण समारोह में सम्मिलित होने के लिए प्रतिनिधि रूप में भेजा। दोनों प्रतिनिधियों ने भगवान के चरणों में नेवैद्य अर्पित कर समस्त समाज के सुख-समृद्धि की प्रार्थना की। मंदिर परिसर में आयोजित इस आध्यात्मिक कार्यक्रम में शहर के अनेक प्रतिष्ठित जैन समाज के प्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। मंदिर ट्रस्टी भागचंद पहाड़िया, महेंद्र पांडिया, मंदिर सचिव सुधीर जैन, सुनील पहाड़िया, सुरेंद्र जैन साहेब और प्रागेश जैन जैसे सम्मानित सदस्य मंच पर उपस्थित रहे और कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम की विशेष शोभा जीतो कोलकाता चैप्टर के चेयरमैन धर्मेंद्र जैन की उपस्थिति ने बढ़ाई। उनके नेतृत्व में जैन समाज को संगठित करने और समाज सेवा के विभिन्न क्षेत्रों में योगदान को सभी ने सराहा। जैन समाज के प्रमुख सदस्य दिनेश जैन गंगवाल ने कार्यक्रम में उपस्थित मंत्री शशि पंजा और पार्षद तरुण शाह का हार्दिक अभिनंदन करते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री को भगवान महावीर का आशीर्वाद और जैन समाज का स्नेह सदैव प्राप्त रहेगा। दिनेश जैन ने णमोकार दिवस की सफलता पर भी जीतो चेयरमैन धर्मेंद्र जैन को बधाई देते हुए कहा, धर्मेंद्र जी ने जिस तरह पूरे समाज को जोड़ने का कार्य किया है, वह वास्तव में ऐतिहासिक है। पूरे कार्यक्रम के दौरान भक्ति, सौहार्द और सामाजिक एकता की अनुपम भावना देखने को मिली। श्रद्धालुओं ने भगवान महावीर के चरणों में आस्था निवेदित कर उनके सिद्धांतों को अपने जीवन में उतारने का संकल्प लिया।

Name Change

I, Vijay Kumar Vishwakarma, son of Late Lalloo Prasad Vishwakarma, residing at 31/8, Ganga Ram Bairagi Lane, Howrah-711101, do hereby solemnly affirm and declare that my daughter's correct name Nishtha Vishwakarma DOB 13th August 2007, her mother's name Bandana Vishwakarma and Nishtha Vishwakarma and Nistha Vishwakarma, Vijay Kumar Vishwakarma and Vijoy Viswakarma and Bandana Vishwakarma and Vandana Viswakarma, are one and same identical person via affidavit in the Court of Ld Judicial Magistrate 1st Class at Howrah dated 11th August 2023.

न्यूज इन ब्रीफ

झारखंड में नक्सलियों के पांच बंकर ध्वस्त किए गए

चाईबासा : झारखंड के पश्चिम सिंहभूम जिले में सुरक्षाबलों ने बृहस्पतिवार को नक्सलियों के पांच बंकर ध्वस्त कर दिए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि जराईकेला थाना क्षेत्र के अंतर्गत कुल्पाबुरू गांव के निकट एक जंगल में ये बंकर मिले थे। उन्होंने बताया कि बुधवार को इलाके में पांच-पांच किलोग्राम के दो शक्तिशाली संवर्धित विस्फोटक उपकरण (आईईडी) बरामद किए गए थे।

तीन बच्चों के साथ तालाब में कूदी मां और बच्चों की मौत

भदोही (यूपी) : भदोही के एक गांव में एक महिला ने अपने तीन बच्चों को लेकर तालाब में छलांग लगा दी जिससे चारों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल ने बताया कि बृहस्पतिवार सुबह दुर्गागंज थाना क्षेत्र के शेरपुर गोपालहा गांव में अन्नू देवी (35), अपने तीन बच्चों-- दीक्षा (8), दिव्यांश (3) और सूर्यांश (6) को लेकर तालाब में कूद गई। उन्होंने बताया कि पुलिस ने गोताखोरों और स्थानीय लोगों की मदद से अन्नू देवी और उसके तीन बच्चों के शव गहरे पानी से निकाले हैं तथा चारों शवों को पोस्टमार्टम के लिए ले जाया गया है। अग्रवाल ने बताया कि शेरपुर गोपलहां गांव के सुनील यादव अपनी पत्नी अन्नू देवी और तीन बच्चों साथ मुंबई में रहता था, जबकि सुनील के माता पिता यहां गांव में रहते हैं। अपर पुलिस अधीक्षक के अनुसार सुनील की माता चमेलिया देवी कैंसर से पीड़ित थीं जिसके चलते वह अपनी पत्नी एवं बच्चों के साथ करीब डेढ़ महीने पहले यहां आया था। अग्रवाल के अनुसार चमेलिया देवी की सात अप्रैल को मृत्यु हो गई। बृहस्पतिवार सुबह अन्नू देवी तीनों बच्चों को लेकर तालाब पर पहुंची थी। तालाब के किनारे अन्नू देवी की चप्पल और पास में मोबाइल

यूपी के कई हिस्सों में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से 22 लोगों की मौत

लखनऊ : प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में बृहस्पतिवार को बेमौसम बारिश, ओलावृष्टि, आंधी, बिजली गिरने की घटनाओं का संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रभावित जिलों के अधिकारियों को पूरी तैयारी के साथ राहत अभियान चलाने का निर्देश दिया है।फिरोजाबाद में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से एक महिला समेत दो व्यक्तियों की मृत्यु हो गई।भारतीय मौसम विभाग, लखनऊ कार्यालय ने बृहस्पतिवार के लिए बारिश और आकाशीय बिजली गिरने की जिलेवार चेतावनी जारी की है।मौसम विभाग ने कहा है कि कौशांबी, वाराणसी, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, लखनऊ, बाराबंकी, रायबरेली सहित कई जिलों में भारी बारिश हो सकती है और आकाशीय बिजली गिर सकती है। इन जिलों से विस्तृत रिपोर्ट प्रतीक्षारत है।यहां जारी एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारियों को प्रभावित इलाकों का दौरा करने, राहत प्रयासों की कड़ी निगरानी करने और प्रतिकूल मौसम से प्रभावित लोगों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराने का बृहस्पतिवार को निर्देश दिया।उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि फसलों को हुए नुकसान का विस्तृत आकलन किया जाए और राज्य सरकार को इसकी रिपोर्ट तुरंत सौंपी जाए। इससे प्रशासन को उचित कार्रवाई करने और प्रभावित किसानों के लिए सहायता उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। राहत आयुक्त कार्यालय के अनुसार प्रदेश में बृहस्पतिवार को कुल 22 जनहानि, 45 पशुहानि तथा 15 मकान क्षतिग्रस्त की घटनाएं हुई हैं। बिजली से फतेहपुर एवं आजमगढ़ में 3-3, फिरोजाबाद, कानपुर देहात एवं सीतापुर में 2-2, गाजीपुर, गोण्डा, अमेठी, संतकबीरनगर एवं सिद्धार्थनगर में 1-1 तथा आंधी-तूफान से बलिया, कन्नौज, बाराबंकी, जौनपुर एवं उन्नाव में 1-1 जनहानि हुई है। राज्य सरकार द्वारा बड़े दुधारू पशुहानि में 37,500 रुपये, छोटे दुधारू आदि पशु की हानि में 4,000 रुपये, बड़े गैर-दुधारू पशुहानि में 32,000 रुपये तथा छोटे गैर-दुधारू पशुहानि में 20,000 रुपये मुआवजा राशि दिए जाने का प्राविधान है।इसके अलावा आंधी-तूफान एवं बिजली गिरने से गाजीपुर में 17, चन्दौली में 6, बलिया में 5, अम्बेडकरनगर, कन्नौज व गोरखपुर में 1-1 तथा फतेहपुर में अग्निकांड में 3 पशुहानि हुई है।

अधिकारी 24 घंटे में दें खराब मौसम से क्षतिग्रस्त फसलों का मुआवजा: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

लखनऊ : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खराब मौसम, तेज हवा और ओलावृष्टि से किसानों की फसलों को हुए नुकसान की क्षतिपूर्ति के लिए सर्वे कराने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने सभी जिलाधिकारियों, उपजिलाधिकारियों और तहसीलदारों को मौके पर जाकर तत्काल सर्वे कराकर संबंधित विभाग को जानकारी उपलब्ध कराने का आदेश दिया है ताकि 24 घंटे में अन्नदाताओं के बैंक खाते में क्षतिपूर्ति की धनराशि को भेजा जा सके। इतना ही नहीं, मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को क्षतिपूर्ति देने में लापरवाही न करने की हिदायत भी दी।

मायावती की भतीजी ने दहेज उत्पीड़न का आरोप लगाया, पति समेत सात पर मामला दर्ज

हापुड़ : बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख मायावती की भतीजी की शिकायत पर अदालत के निर्देश के बाद हापुड़ नगरपालिका परिषद की अध्यक्ष पुष्पा देवी और उनके परिवार के छह सदस्यों के खिलाफ घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न व यौन उत्पीड़न के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। शिकायतकर्ता के वकील राजीव शर्मा ने बताया कि महिला ने नौ नवंबर 2023 को हापुड़ नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष पुष्पा देवी के बेटे विशाल से शादी की थी। शर्मा ने कहा, शादी के बाद से ही आरोपी परिवार ने अपने राजनीतिक प्रभाव का इस्तेमाल कर पार्टी का टिकट, 50 लाख रुपये नकद और एक फ्लैट की मांग की। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि उसके पति ने बॉडीबिल्डिंग के लिए स्टेरॉयड का

इस्तेमाल किया, जिससे वह वैवाहिक जीवन के लिए चिकित्सकीय रूप से अयोग्य हो गया। उन्होंने कहा कि इसके बाद लगातार बहस हुई और 17 फरवरी 2025 को उसके ससुर और देवर ने कथित तौर पर उसका यौन उत्पीड़न करने का प्रयास किया। वकील ने कहा कि पुलिस में शिकायत दर्ज कराने के बावजूद शुरू में कथित रूप से कोई कार्रवाई नहीं की गई। इसके बाद पीड़िता ने अदालत का दरवाजा खटखटाया। थाना प्रभारी (एसएचओ) मुनीश प्रताप सिंह ने कहा, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट डॉ ब्रह्मपाल सिंह (के नौ अप्रैल) के निर्देश पर 10 अप्रैल को हापुड़ नगर कोतवाली में प्राथमिकी दर्ज की गई। उन्होंने पुष्टि की कि आगे की जांच की जा रही है और उचित कार्रवाई की जाएगी। आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 85 (पति या पति के रिश्तेदार द्वारा महिला के साथ क्रूरता करना), 115 (2) (स्वेच्छा से चोट पहुंचाना), 351 (2) (आपराधिक धमकी), 75 (यौन उत्पीड़न), 76 (महिला को निर्वस्त्र करने के इरादे से उस पर हमला या आपराधिक बल का प्रयोग) और दहेज निषेध अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

गर्मी में जनता को पानी के लिए परेशान होना पड़ा, तो जिम्मेदार अधिकारियों की खैर नहीं : भजनलाल शर्मा

जयपुर : राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने तापमान में अचानक हुई बढ़ोतरी के बाद पेयजल की मांग और उपलब्धता की स्थिति की समीक्षा के लिए बृहस्पतिवार को जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग (पीएचईडी) के अधिकारियों के साथ लंबी बैठक की। मुख्यमंत्री ने बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए कि गर्मी में जनता को अगर पानी के लिए परेशान होना पड़ा, तो जिम्मेदार अधिकारियों की खैर नहीं है। हाल में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने झालावाड़ में पानी की व्यवस्था को लेकर नाराजगी जताते हुए कहा था, अधिकारी सो रहे हैं, जनता रो रही है, मैं ऐसा नहीं होने दूंगी। उसके बाद विपक्षी कांग्रेस ने भजनलाल सरकार को घेर लिया था। शर्मा ने बृहस्पतिवार को पानी की व्यवस्था की समीक्षा के लिए मुख्यमंत्री निवास पर बैठक बुलाई। मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल के दिनों में गर्मी तेजी से बढ़ी है, ऐसे में

आमजन को बढ़ी हुई मांग के अनुसार पर्याप्त पेयजल मुहैया करवाया जाए।उन्होंने कहा कि सभी जिलाधिकारी आकस्मिक योजना के अनुसार पेयजल प्रबंधन स्वयं की देखरेख में सुनिश्चित करें।उन्होंने कहा कि शहरों के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी पानी की किसी तरह की किल्लत नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि अंतिम छोर के उपभोक्ताओं को भी पेयजल की कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए।

न्यूज अपडेट

नीतीश कुमार ने जेपी गंगा पथ के दीघा-दीदारगंज खंड का उद्घाटन किया

पटना : बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बृहस्पतिवार को पटना में गंगा नदी के किनारे बने जेपी गंगा पथ के दीघा-दीदारगंज खंड का उद्घाटन किया। एक बयान में कहा गया कि 3,831 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 20.5 किलोमीटर लंबे इस खंड से दीघा से दीदारगंज तक की यात्रा का समय कम हो जाएगा। कुमार ने कहा कि इस नये खंड से बिहारशरीफ, मोकामा और बेगूसराय जाने वाले लोगों को राहत मिलेगी। इस परियोजना की आधारशिला समाजवादी नेता जयप्रकाश नारायण की जयंती पर 11 अक्टूबर 2013 को रखी गई थी। उद्घाटन के बाद मुख्यमंत्री ने निर्माणाधीन छह लेन पुल का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माणाधीन पटना-बख्तियारपुर फोरलेन बाइपास का भी निरीक्षण किया। इस दौरान नीतीश कुमार के साथ विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा तथा जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी भी मौजूद थे।

झारखंड में बारिश और ओलावृष्टि: बिजली गिरने से चार लोग घायल

रांची : झारखंड में बृहस्पतिवार को बारिश और ओलावृष्टि हुई वहीं बिजली गिरने से कम से कम चार लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि तेज हवाओं के कारण कई पेड़ भी उखड़ गए, जिससे कुछ इलाकों में यातायात बाधित हुआ।अधिकारियों ने बताया कि धनबाद, हजारीबाग और कोडरमा समेत कई स्थानों पर ओलावृष्टि हुई, जिससे खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचा। उन्होंने बताया कि चतरा जिले में बिजली गिरने से तीन लोग घायल हो गए जिनकी पहचान बसंती देवी (25), चेतलाल यादव (70) और मुन्नी यादव (68) के रूप में हुई है। चतरा के सिविल सर्जन दिनेश प्रसाद ने बताया कि घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनकी हालत स्थिर है।पुलिस ने बताया कि हजारीबाग के केले गांव में 60 वर्षीय महिला मालती देवी भी बिजली गिरने से झुलस गईं। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।मौसम विभाग ने बृहस्पतिवार को झारखंड के कुछ हिस्सों में ओलावृष्टि, बिजली गिरने और तेज हवाओं के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है।रांची मौसम विज्ञान केंद्र के उपनिदेशक अभिषेक आनंद ने बताया, ''बृहस्पतिवार को राज्य के पूर्वी, पश्चिमी और मध्य भाग में कुछ स्थानों पर गरज और तेज हवाओं के साथ ओलावृष्टि हुई।''आनंद ने बताया कि झारखंड के डाल्टनगंज में सबसे अधिक 31.8 मिमी बारिश हुई, जबकि राजधानी रांची में 7.6 मिमी बारिश हुई। उन्होंने बताया कि बारिश से अधिकतम तापमान में चार डिग्री सेल्सियस तक की कमी आई है।

राजस्थान के मुस्लिम संगठनों की वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ एआईएमपीएलबी के अभियान के समर्थन की घोषणा

जयपुर : राजस्थान के प्रमुख मुस्लिम संगठनों ने वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 के खिलाफ 'ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी)' के राष्ट्रव्यापी जागरूकता अभियान को पूर्ण समर्थन देने की घोषणा की है। संगठनों के अनुसार 10 अप्रैल से सात जुलाई तक चलने वाले इस अभियान का उद्देश्य जागरूकता फैलाना है। यहां बृहस्पतिवार को आयोजित एक प्रेसवार्ता में राज्य के विभिन्न मुस्लिम संगठनों का प्रतिनिधित्व करने वाली संस्था 'राजस्थान मुस्लिम फोरम' ने इस अभियान में अपनी भागीदारी की घोषणा की।

समाज्ञा CINE मंत्र

मैं अलग-अलग भूमिकाएं निभाने से नहीं डरती: फातिमा सना शेख

अभिनेत्री फातिमा सना शेख का कहना है कि जब वह छोटी थीं तब फिल्मों का चयन करने को लेकर घबराती थीं और उत्साह के बजाए उनके मन में यह डर बैठा रहता था कि किस तरह की फिल्म करनी चाहिए।

'दंगल', 'धक धक', 'अजीब दास्तान' और 'लूडो' जेसी फिल्मों में अपनी भूमिकाओं के लिए मशहूर शेख ने कहा कि फिल्मों के चयन के प्रति उनका दृष्टिकोण अब बदल गया है।

उन्होंने पीटीआई-भाषा से कहा, 'मैं इस बारे में बहुत सचेत होकर नहीं सोचती कि मुझे किस तरह की फिल्में करनी हैं। मैं इसे बहुत सहजता से करती हूं। पहले मैं बहुत डर के साथ फिल्मों का चयन करती थी। अब मुझे लगता है, 'क्या होगा?', जैसे कि फिल्म नहीं चलेगी, लेकिन यह ठीक है। आप अपनी असफलताओं से सीखते हैं। अब मैं चीजों को समझने व तलाशने से नहीं डरती। लेकिन जब मैं छोटी थी, तो मुझे छानबीन करने से डर लगता था। मैंने कई बार उत्साह के बजाय डर के कारण काम चुना है।'

अभिनेत्री को अपनी रिलीज होने जा रही तीन फिल्मों का बेसब्री से इंतजार है। वह अप्लॉज एंटरटेनमेंट के साथ एक सीरीज के माध्यम से ओटीटी में भी शुरुआत करने के लिए तैयार हैं।

उन्होंने 'इंडिया ग्लोबल फोरम' से इतर कहा, ''हम सभी फिल्मों में अब खून-खराबा नहीं देखना चाहते। हम तो केवल बैठकर रोमांस देखना चाहते हैं, क्योंकि हर किसी की जिंदगी में रोमांस की कमी है। मैंने प्रेम कहानियों वाली फिल्में की हैं और तीनों इस साल रिलीज हो रही हैं।'

इम्तियाज अली, राजकुमार हिरानी और अनुराग कश्यप के साथ काम करने की इच्छा रखने वाली शेख 'लूडो' निर्देशक अनुराग बासु के साथ 'मेट्रो... इन दिनों' फिल्म के जरिए फिर से जुड़ रही हैं।

उन्होंने कहा, 'मुझे याद है कि मैंने उनसे कहा था, 'मैं आपकी सभी फिल्में करना चाहती हूं, आप जो भी बनाएंगे मैं वही करूंगी।' उनकी फिल्मों में सबसे छोटा किरदार भी बेहतरीन तरीके से लिखा जाता है और एक निर्माता के तौर पर वह अविश्वसनीय हैं। मेरी इच्छा है कि वह और भी फिल्में बनाएं।'

'मेट्रोइन दिनों' फिल्म बासु की 2007 की फिल्म 'लाइफ इन एमेट्रो' का सीक्वल है और चार जुलाई को रिलीज़ होने वाली इस फिल्म में आदित्य रॉय कपूर, सारा अली खान, अनुपम खेर, नीना गुप्ता, पंकज त्रिपाठी, कोंकणा सेन शर्मा और अली फज़ल जैसे कलाकार नज़र आएंगे।

उनकी अगली फिल्म 'आप जैसा कोई' एक रोमांटिक फिल्म है, जो दो व्यक्तियों श्रीरेणु त्रिपाठी (आर माधवन द्वारा अभिनीत) और मधु बोस (शेख द्वारा अभिनीत) के जीवन पर आधारित है।

उन्होंने कहा कि 'ऊलजलूल इश्क' में नसीरुद्दीन शाह और विजय वर्मा के साथ काम करना मजेदार और सहज रहा।

अपनी पहली ओटीटी श्रृंखला में, शेख एक पुलिस अधिकारी की भूमिका में नजर आएंगी। इसका शीर्षक 'न्याय' बताया जा रहा है।

सुशांत सिंह केस में क्लीन चिट मिलने के बाद रिया का पहला पोस्ट, लिखा- 'अब चैप्टर 2 शुरू हुआ'

अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत केस में रिया चक्रवर्ती का नाम घसीटा गया था। रिया और उनके भाई शोविक चक्रवर्ती पर कई गंभीर आरोप लगे। दिवंगत एक्टर सुशांत के फैंस ने सोशल मीडिया पर रिया और उनके परिवार को काफी ट्रोल किया। हालांकि, कई साल बाद हाल ही में सीबीआई ने इस मामले में रिया को क्लीन चिट दे दी है। इसके बाद रिया ने इंस्टाग्राम पर पहला पोस्ट शेयर किया है। रिया चक्रवर्ती ने अपने हालिया सोशल मीडिया पोस्ट में काफी इमोशनल मैसेज लिखा है। उन्होंने अपने भाई के साथ एक प्यारी सी तस्वीर शेयर की है। रिया की इस फोटो और कैप्शन को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि इस केस में क्लीन चिट मिलने के बाद वे कितनी राहत महसूस कर रही हैं और जिंदगी को फिर नए सिरे से शुरू करने को तैयार हैं।

रिया ने लिखा है, 'बेबी ब्रो, चैप्टर 2 अब शुरू हो रहा है'। इसके साथ उन्होंने रेड हार्ट इमोजी बनाया है। पोस्ट में उन्होंने भाई शोविक को टैग किया है। रिया और शोविक की इस तस्वीर पर नेटिजन्स प्यार लुटा रहे हैं। उन्हें करियर और जिंदगी में सफल होने की दुआ दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'प्यार, रोशनी और खूब सारी मजबूती तुम दोनों के लिए'। एक अन्य यूजर ने लिखा, 'आप दोनों भाई-बहन एक-दूसरे के लिए हिम्मत हो। यह प्यार बना रहे। चैप्टर 2 शानदार हो'।

रिया चक्रवर्ती और सुशांत सिंह राजपूत रिलेशनशिप में थे। सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद साल 2020 में रिया चक्रवर्ती को गिरफ्तार किया गया था। उनका मीडिया ट्रायल हुआ। उन पर सुशांत सिंह राजपूत को ड्रग्स देने जैसा गंभीर आरोप लगा। बता दें कि 14 जून 2020 को सुशांत सिंह राजपूत अपने बांद्रा स्थित फ्लैट में मृत पाए गए थे। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की क्लोजर रिपोर्ट में सुशांत की मौत की असल वजह सुसाइड बताई गई है।

मुंबई पुलिस की खास पहल का चेहरा बने आयुष्मान

अभिनेता आयुष्मान खुराना की गिनती इंडस्ट्री के बड़े सितारों में होती है। गुरुवार को आयुष्मान ने एक खास वजह से फैंस का दिल जीत लिया। दरअसल, उन्होंने मुंबई पुलिस के साथ हाथ मिलाकर साइबर क्राइम के खिलाफ जागरूकता फैलाने का बीड़ा उठाया है।

मुंबई पुलिस के साथ आयुष्मान की खास पहल

आयुष्मान मुंबई पुलिस की नई साइबर सिक्योरिटी को लेकर की गई पहल का चेहरा बने हैं। इस अभियान का मकसद आम लोगों, खासकर कमजोर तबके को साइबर अपराधियों के चालाक तरीकों के बारे में जागरूक करना है। ये अपराधी मासूम लोगों को ठगने और उनके साथ धोखा करने के लिए तरह-तरह के हथकंडे अपनाते हैं। इस पहल के तहत रिलीज हुए एक वीडियो में आयुष्मान ने ऑनलाइन सावधानी बरतने और ठगी से बचने के आसान टिप्स साझा किए। मौजूदा समय में ज्यादातर शिकार ऐसे लोग बनते हैं, जो इन अपराधियों की चालबाजियों से अनजान होते हैं। मुंबई पुलिस और आयुष्मान का मानना है कि इस वीडियो से लोग डिजिटल दुनिया में खुद को सुरक्षित रखने के लिए जरूरी जानकारी और हौसला पा सकेंगे।

साइबर सुरक्षा पर आयुष्मान ने कही ये बात

इस अभियान के बारे में बात करते हुए आयुष्मान ने कहा, आज के समय में साइबर सुरक्षा बेहद जरूरी हो गई है। ऑनलाइन ठगी और धोखाधड़ी इतनी बढ़ गई है कि हमें जागरूक और सतर्क रहना ही होगा। मुंबई पुलिस के साथ मिलकर काम करना मेरे लिए गर्व की बात है। पुलिस हमेशा शहर के लोगों की सुरक्षा के लिए आगे रहती है और अब ऑनलाइन सुरक्षा को बढ़ावा दे रही है। यह अभियान और पुलिस की नई हेल्पलाइन लोगों को साइबर अपराधों से बचाने और संभावित ठगी से सावधान रहने का शानदार प्रयास है। यह हमें याद दिलाता है कि किसी भी धोखे में फंसने से पहले दो बार सोचना जरूरी है।

इन फिल्मों में जल्द आएंगे नजर

फिल्मों की बात करें तो आयुष्मान इन दिनों रश्मिका मंदाना के साथ हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'थामा' की शूटिंग में व्यस्त हैं। इसके अलावा वह सारा अली खान के साथ एक स्पाई फिल्म पर भी काम कर रहे हैं, जिसका टाइटल अभी तक सामने नहीं आया है।

'स्त्री 2' की सफलता को दोबारा जीना चाहता हूं: राजकुमार राव

फिल्म 'भूल चूक माफ' में एक शादीशुदा युवक का किरदार निभा रहे बॉलीवुड अभिनेता राजकुमार राव का कहना है कि उनके जीवन में ऐसे कई पल हैं जिन्हें वह दोबारा जीना चाहेंगे।

अभिनेता ने कहा कि वह 'स्त्री 2' की सफलता को दोबारा जीना चाहेंगे और उस समय को भी एक बार फिर जीना चाहेंगे जब उन्हें उनकी पहली फिल्म 'लव सेक्स और धोखा' मिली थी।

अभिनेता की आगामी फिल्म 'भूल चूक माफ' का ट्रेलर जारी होने के मौके पर संवाददाता सम्मेलन में उनसे पूछा गया था कि वह अपने जीवन के किन पलों को फिर से जीना चाहेंगे।

राव ने संवाददाताओं से कहा, ''चूंकि मैं फिल्मी पृष्ठभूमि से नहीं आता इसलिए बाहरी व्यक्ति के तौर पर मेरे करियर के लिए बहुत मुश्किल भरा दौर था। जब आप मुंबई आते हैं, तो आपके लिए आसान नहीं हो सकता है। मैं अपने कई अभिनेता मित्रों को जानता हूं जो शहर में आए हैं और हर किसी को यह अवसर नहीं मिलता है। इसलिए, पहली फिल्म मिलना किसी भी अभिनेता के लिए महत्वपूर्ण है। मेरे साथ 2010 में ऐसा हुआ था जब मुझे मेरी पहली फिल्म मिली थी।''

राव ने कहा,'मैं उस पल को बार-बार जीना चाहूंगा। मैं उस पल को भी फिर से जीना चाहूंगा जब मेरी मां मेरे साथ थीं जब मैंने पहला राष्ट्रीय पुरस्कार हासिल किया था। फिर जब 'स्त्री 2' रिलीज हुई और पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर कमाई का आंकड़ा आया तो हम हैरान रह गए कि 'ये क्या हो गया'।'

अभिनेता ने कहा,'जब मैंने 2021 में पत्रलेखा से शादी की थी, उस पल को भी मैं फिर से जीना चाहूंगा।

'भूल चूक माफ' 'महारानी' के निर्देशक करण शर्मा द्वारा लिखित और निर्देशित फिल्म है। इसमें वामिका गब्बी, सीमा पाहवा, जाकिर हुसैन और अन्य भी शामिल हैं। यह फिल्म नौ मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

न्यूज इन ब्रीफ

प्रधानमंत्री मोदी 11 अप्रैल को मध्यप्रदेश के आनंदपुर धाम जाएंगे

भोपाल : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को मध्यप्रदेश के अशोकनगर जिले में आनंदपुर धाम जाएंगे। वहां वह एक सार्वजनिक कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। आनंदपुर धाम ईसागढ़ तहसील के आनंदपुर गांव में स्थित है। यह अशोकनगर जिला मुख्यालय से करीब 30 किलोमीटर और भोपाल से करीब 215 किलोमीटर दूर है। प्रधानमंत्री मोदी दोपहर करीब सवा तीन बजे ईसागढ़ में गुरु जी महाराज मंदिर में दर्शन करेंगे और पूजा करेंगे। पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) ने एक विज्ञप्ति में बताया कि एक घंटे बाद वह आनंदपुर धाम में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे और इस अवसर पर एक सभा को संबोधित करेंगे। आनंदपुर धाम की स्थापना आध्यात्मिक और परोपकारी उद्देश्यों के लिए की गई है।

तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल की तरह वक्फ अधिनियम को 'खारिज' करे केरल: मुस्लिम समूह

तिरुवनंतपुरम : केरल में मुस्लिम संगठनों ने राज्य की वामपंथी सरकार और विपक्षी दलों से एक संयुक्त प्रस्ताव पारित करने का आह्वान किया है, जिसमें यह कहा जाए कि राज्य में विवादास्पद वक्फ संशोधन अधिनियम लागू नहीं किया जाएगा। मुस्लिम संगठनों का कहना है कि राज्य को तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल की तर्ज पर ऐसा करना चाहिए। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने घोषणा की है कि वह अपने राज्य में इस अधिनियम को लागू नहीं करेंगी, जबकि तमिलनाडु विधानसभा ने संसद द्वारा पारित किए जाने से पहले ही केंद्र से वक्फ संशोधन विधेयक को वापस लेने की मांग करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया था। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने घोषणा की है कि उनकी पार्टी द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) इस कानून को उच्चतम न्यायालय में चुनौती देगी।

दिल्ली: लाल किले और जामा मस्जिद पर बम विस्फोट की फर्जी धमकी

नयी दिल्ली : दिल्ली के लाल किले और जामा मस्जिद को निशाना बनाकर बम विस्फोट किए जाने की धमकी मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने घटनास्थल पर पहुंचकर बृहस्पतिवार सुबह गहन जांच की। हालांकि जांच के बाद धमकी फर्जी पायी गयी। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि सुबह नौ बजकर तीन मिनट पर स्मारक परिसर में बम होने की सूचना मिली और टीम तुरंत मौके पर पहुंच गईं। उन्होंने कहा, ''हमने घटनास्थल पर दमकल का एक वाहन भेजा और वहां गहन तलाशी ली। हालांकि, घटनास्थल पर कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला।'' इस बीच, दिल्ली पुलिस ने एक बयान में कहा कि सूचना मिलने पर बम निरोधक दल और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने पूरे परिसर की गहन जांच की, लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला।

श्रीनगर से उड़ान भरकर आए एयर इंडिया एक्सप्रेस के पायलट की दिल्ली में मृत्यु

नयी दिल्ली : एअर इंडिया एक्सप्रेस के एक पायलट ने बुधवार को श्रीनगर से उड़ान भरी और दिल्ली हवाई अड्डे पर उतरने के कुछ देर बाद ही किसी स्वास्थ्य कारण से उनकी मृत्यु हो गई। एक सूत्र ने यह जानकारी दी। सूत्र के अनुसार, पायलट की उम्र 35 से 40 साल के बीच रही होगी। उन्होंने श्रीनगर से विमान को लेकर उड़ान भरी और दिल्ली हवाई अड्डे पर उतरने के बाद वह अच्छा महसूस नहीं कर रहे थे। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उनकी मृत्यु हो गई। एयरलाइन के एक प्रवक्ता ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा, ''हमें स्वास्थ्य कारणों से अपने एक मूल्यवान सहयोगी को खोने का गहरा अफसोस है... हम हर संभव सहायता प्रदान कर रहे हैं और हम सभी इस भारी नुकसान से उबरने की कोशिश कर रहे हैं।''

प्रौद्योगिकी भू-राजनीति और राष्ट्रीय सुरक्षा को पहले से कहीं अधिक प्रभावित कर रही : राजनाथ

वेलिंगटन (तमिलनाडु) : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि प्रौद्योगिकी भू-राजनीति और राष्ट्रीय सुरक्षा को पहले से कहीं अधिक प्रभावित कर रही है और युद्ध की परंपरागत धारणाएं नये सिरे से परिभाषित की जा रही हैं। तमिलनाडु के वेलिंगटन में रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज (डीएसएससी) के 80वें स्टाफ कोर्स के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए राजनाथ ने कहा कि युद्ध भूमि में तकनीकी नवाचार की ताकत वाकई अद्भुत है। उन्होंने कहा, आज प्रौद्योगिकी भू-राजनीति और राष्ट्रीय सुरक्षा को पहले से कहीं ज्यादा प्रभावित कर रही है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), रोबोटिक्स, सैन्य स्वायत्तता, ड्रोन विज्ञान, क्वांटम,

ब्लॉक चेन, अंतरिक्ष, साइबर सहित अन्य उभरती प्रौद्योगिकियां प्रतिरोध और युद्ध लड़ने के तौर-तरीके में क्रांति ला रही हैं। युद्ध अब जमीन, समुद्र और आकाश जैसे परंपरागत क्षेत्रों से परे अंतरिक्ष, साइबर, समुद्र के नीचे और रचनात्मकता के नये क्षेत्रों में लड़े जा रहे हैं। रक्षा मंत्री ने कहा, उदाहरण के लिए, ड्रोन विज्ञान यूक्रेन-रूस संघर्ष में एक परिवर्तनकारी प्रौद्योगिकी के रूप में नहीं, बल्कि एक नये हथियार के रूप में उभरा है। सैनिकों और उपकरणों की अधिकांश क्षति के लिए पारंपरिक तोपों या कमजोर सुरक्षा कवच को नहीं, बल्कि ड्रोन को जिम्मेदार ठहराया गया है। उन्होंने कहा, इसी तरह, पृथ्वी की निचली कक्षा में अंतरिक्ष क्षमताएं सैन्य खुफिया जानकारी, सतत निगरानी, तैनाती, लक्ष्य निर्धारण और संचार के तरीके में बदलाव ला रही हैं तथा युद्ध को एक नयी ऊंचाई पर ले जा रही हैं। युद्ध भूमि में तकनीकी नवाचार की ताकत वास्तव में अद्भुत है। राजनाथ ने कहा कि वर्तमान में जारी संघर्ष और समकालीन रुझान इस तथ्य को उजागर करते हैं कि युद्ध की परंपरागत धारणाएं नये सिरे से परिभाषित की जा रही हैं।

मेरी सफलता का श्रेय मेरे पति को, मुख्यमंत्री बनने के बाद परिवार के लिए समय कम हुआ: रेखा गुप्ता

नयी दिल्ली : कहते हैं, हर सफल आदमी के पीछे एक महिला का हाथ होता है। लेकिन दिल्ली की नयी मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का कहना है कि इसका उल्टा भी सच हो सकता है। बुधवार शाम 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में रेखा ने कहा कि उनके करियर को आकार देने और उनकी सफलता में उनके पति की अहम भूमिका रही है। रेखा को एकमात्र अफसोस यह है कि 20 फरवरी को मुख्यमंत्री पद संभालने के बाद उन्हें परिवार के साथ बिताने वाले समय में कटौती करनी पड़ी है। दिल्ली सचिवालय में दिए गए साक्षात्कार में भाजपा शासित राज्यों में एकमात्र महिला मुख्यमंत्री रेखा ने कहा कि वह अपने बड़े संयुक्त परिवार की ऋणी हैं, जिसने उनके सियासी करियर में उन्हें पूर्ण समर्थन दिया। रेखा ने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की सदस्य के रूप में अपने सियासी सफर की शुरुआत की। वह 1995 में दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ की सचिव चुनी गईं और 1996 में इसकी अध्यक्ष बनीं। एबीवीपी राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) की छात्र शाखा है, जिसकी कई विश्वविद्यालयों में मजबूत उपस्थिति है। लंबे समय तक नगर निगम पार्षद रहीं रेखा ने इस साल शालीमार बाग से चुनाव जीतकर पहली बार विधानसभा में दस्तक दी। वह भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और भाजपा की दिल्ली इकाई की महासचिव भी रह चुकी हैं। मुख्यमंत्री बनने के बाद जीवन में आए बदलावों के बारे में रेखा ने कहा कि पहले वह दिल्ली से बाहर पढ़ रही अपनी बेटी और बेटे से रोज बात करती थीं, लेकिन अब उन्हें तीन-चार दिन में एक बार ही उनसे बात करने का समय मिल पाता है। उन्होंने कहा, तो उनके (बच्चों के) लिए समय में कटौती करनी पड़ी है। रेखा ने कहा, पहले मैं अक्सर अपने पति से एक घंटा बात करती थी, लेकिन अब मुझे उनसे दस मिनट भी बात करने से पहले सोचना पड़ता है, क्योंकि मुझे लगता है कि इस बीच कहीं कोई जरूरी फोन कॉल न जाए। अब मैं अपने परिवार के लिए खाना बनाने और उनकी फरमाइशें पूरी करने जैसे काम भी नहीं कर पाती, जो कोई भी गृहिणी आम तौर पर करना पसंद करती है। यह पूछे जाने पर कि क्या उनकी सफलता के पीछे उनके पति का हाथ है, रेखा ने कहा, जी, बिल्कुल। उन्होंने मेरे लिए बहुत कुछ किया। उनका (परिवार का) साथ और समर्थन एक बड़ा सहारा होता है, जो आगे बढ़ने में आपकी मदद करता है। जब मुख्यमंत्री को बताया गया कि उनके परिवार के बारे में बहुत कम जानकारी है और बड़े पैमाने पर लोग सर्च इंजन गूगल पर उनके परिवार से जुड़ी जानकारियां खंगालते हैं, तो 50 वर्षीय रेखा ने कहा कि वह एक बड़े संयुक्त परिवार में रहती हैं, जिसमें उनके व्यवसायी पति, सास और चार जेठ-देवर के परिवार शामिल हैं।

यमुना सफाई: मुख्यमंत्री ने किया नालों और वजीराबाद बैराज पर नदी क्षेत्र का निरीक्षण

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बृहस्पतिवार को यमुना नदी की सफाई के लिए जारी कई परियोजनाओं का जायजा लिया और अधिकारियों को रिवरफ्रंट परियोजना पर काम करने के निर्देश दिए। इस दौरान उपराज्यपाल वीके सक्सेना और जल मंत्री प्रवेश वर्मा मुख्यमंत्री के साथ मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने संवाददाताओं से कहा, '' हम यमुना की सफाई प्रक्रिया की लगातार निगरानी कर रहे हैं। 22 नालों की सफाई का काम जारी है, ताकि इन नालों से निकलने वाला शोधित पानी नदी में गिरते समय निर्धारित मानकों के अनुसार हो।'' गुप्ता ने पूर्व की आम आदमी पार्टी (आप) सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उसने नाले के माध्यम से यमुना में गिरने वाले अनुपचारित अपशिष्ट जल पर ध्यान नहीं दिया। मुख्यमंत्री गुप्ता ने वजीराबाद में पूरक नाले, बारापुला नाला, सुनहरी पुल नाला और कुशक नाले का भी निरीक्षण किया और गाद निकालने संबंधी परियोजनाओं पर जारी कामों का भी जायजा लिया।

दिल्ली पुलिस ने चार अवैध बांग्लादेशी अप्रवासियों को किया गिरफ्तार

नयी दिल्ली : दिल्ली के बवाना और महिपालपुर से चार अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें से तीन प्रॉपर्टी डीलर का काम करते थे। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपियों की पहचान मुस्ताक (72) और उसके बेटों शाहिद खान (28) एवं मिंटू (32) के रूप में हुई है, जो बवाना की जेजे कॉलोनी में रहते थे। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी जाली दस्तावेजों के आधार पर दो दशक से अधिक समय से राष्ट्रीय राजधानी में रह रहे थे। उन्होंने बताया कि मोहम्मद मोंटो नामक एक अवैध बांग्लादेशी नागरिक महिपालपुर क्षेत्र में घर की तलाश कर रहा था, उसी दौरान पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। ये सभी अवैध बांग्लादेशी पश्चिम बंगाल के रास्ते भारत में घुसे थे और बाद में दिल्ली में बस गए थे तथा वर्तमान में बवाना इलाके में प्रॉपर्टी डीलर के रूप में काम कर रहे थे। अधिकारी ने बताया कि पुलिस को बवाना में अवैध बांग्लादेशी की मौजूदगी के बारे में सूचना मिली थी, जिसके बाद छापेमारी कर उन्हें पकड़ लिया गया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, पूछताछ के दौरान आरोपियों ने शुरुआत में बांग्लादेश से किसी भी तरह के संबंध से इनकार किया और जाली दस्तावेज पेश करके पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की।

जम्मू कश्मीर: आतंकियों से संबंध रखने के आरोप में 'वायरलेस ऑपरेटर' समेत दो सरकारी कर्मचारी बर्खास्त

जम्मू : जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बृहस्पतिवार को पुलिस विभाग के एक 'वायरलेस ऑपरेटर' सहित दो और सरकारी कर्मचारियों को आतंकी संबंधों के आरोप में बर्खास्त कर दिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा कि अगस्त 2020 में कार्यभार संभालने के बाद से उपराज्यपाल ने 70 से अधिक कर्मचारियों को बर्खास्त किया है, जिसमें आतंकवाद के प्रति ''बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करने'' की नीति पर जोर दिया गया है और इसे बनाए रखने वाले नेटवर्क को खत्म करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। इसमें वैचारिक, वित्तीय और साजो सामान की सहायता प्रदान करने वाले शामिल हैं। अधिकारियों ने कहा कि सेवा से बर्खास्त किए गए दो कर्मचारी जम्मू कश्मीर पुलिस विभाग में सहायक 'वायरलेस ऑपरेटर' बशारत अहमद मीर और लोक निर्माण (सड़क एवं भवन) विभाग में वरिष्ठ सहायक इश्तियाक अहमद मलिक हैं। अलग-अलग बर्खास्तगी आदेशों के अनुसार, सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) ने कहा कि उपराज्यपाल ने संविधान के अनुच्छेद 311 के खंड (दो) के उप-खंड (सी) को लागू करते हुए बिना किसी जांच के दोनों कर्मचारियों की सेवाओं को तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दिया।

भाजपा नये वक्फ कानून को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर जागरूकता अभियान शुरू करेगी

नयी दिल्ली : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) वक्फ (संशोधन) अधिनियम के फायदों का प्रचार करने और विपक्ष की आलोचना का मुकाबला करने के लिए 20 अप्रैल से एक पखवाड़े तक के लिए जन जागरूकता अभियान शुरू करेगी जिसमें विशेष रूप से मुसलमानों को लक्षित किया जाएगा। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रीजीजू ने बृहस्पतिवार को पार्टी प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए यह बात कही। देश भर के भाजपा पदाधिकारियों ने यहां एक कार्यशाला में भाग लिया। इसमें नड्डा ने विपक्षी दलों पर आरोप लगाया कि वे वोट बैंक की राजनीति के तहत संशोधित कानून के प्रावधानों के बारे में मुसलमानों को गुमराह कर

रहे हैं। पार्टी सूत्रों ने यह जानकारी दी। नड्डा ने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार वक्फ की संपत्तियों के पारदर्शी और कुशल प्रबंधन के साथ 'पसमांदा' (पिछड़े) मुसलमानों और महिलाओं को प्रबंधन और कल्याण कार्यक्रमों में हितधारक बनाने के लिए दृढ़ है। भाजपा शासित राज्यों के वक्फ बोर्डों के सदस्यों और पार्टी संगठन, जिसमें इसकी अल्पसंख्यक शाखा भी शामिल है, ने दिन भर की कार्यशाला में भाग लिया। नड्डा ने कहा कि आठ अप्रैल को लागू हुआ नया कानून वक्फ संपत्तियों का उपयोग गरीब मुसलमानों और महिलाओं के कल्याण के लिए करने में मदद करेगा।

अधिवेशन से बहुजन को स्पष्ट संदेश मिला कि वे भविष्य से जुड़े मुद्दों पर कांग्रेस का साथ दें : राहुल

नयी दिल्ली : लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कांग्रेस के अहमदाबाद अधिवेशन में पारित प्रस्ताव का जिक्र करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि इसमें बहुजन के लिए स्पष्ट संदेश है कि वे अपने भविष्य से जुड़े मुद्दों पर पार्टी का समर्थन करें और उसे मजबूत बनाएं। कांग्रेस का एक दिवसीय अधिवेशन बुधवार को अहमदाबाद में साबरमती नदी के तट पर आयोजित हुआ जिसमें पार्टी ने सामाजिक न्याय समेत कई मुद्दों पर प्रस्ताव पारित किया। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, कल, एआईसीसी के अहमदाबाद अधिवेशन 'न्यायपथ' में कांग्रेस ने देश के बहुजन को हिस्सेदारी देते हुए सामाजिक न्याय को मजबूत करने के लिए 3 ऐतिहासिक संकल्प लिए हैं। उन्होंने कहा, हम राष्ट्रीय कानून लाकर आरक्षण की 50 प्रतिशत सीमा को खत्म करेंगे, केंद्रीय कानून बनाकर 'एससी एसटी सब-प्लान' को कानूनी आकार देंगे और इन वर्गों की जनसंख्या के आधार पर बजट में हिस्सेदारी देंगे। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, ''संविधान के अनुच्छेद 15(5) में निर्धारित एससी, एसटी और ओबीसी के निजी शिक्षण संस्थानों में आरक्षण के अधिकार को लागू करवाएंगे।'' उन्होंने कहा, देश के बहुजनों के लिए हमारा संदेश साफ है - आपके भविष्य से जुड़े इन मुद्दों पर हमारा साथ निभाएं, हाथ को मज़बूत बनाएं...क्योंकि, हाथ बदलेगा हालात।

रेलवे ने वरिष्ठ नागरिकों की छूट वापस लेकर पांच साल में 8,913 करोड़ रुपये की अतिरिक्त कमाई की: आरटीआई

नयी दिल्ली : भारतीय रेलवे ने वरिष्ठ नागरिकों के लिए रियायतें वापस लेकर पांच वर्षों में लगभग 8,913 करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व अर्जित किया है। सूचना के अधिकार (आरटीआई) अधिनियम के तहत दायर एक आवेदन के जवाब में रेलवे सूचना प्रणाली केंद्र (सीआरआईएस) ने यह जानकारी प्रदान की। वरिष्ठ नागरिकों के लिए ट्रेन टिकट पर रियायत बहाल करने का सवाल संसद में कई मौकों पर सदस्यों द्वारा उठाया गया, हालांकि, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि रेलवे पहले से ही प्रत्येक यात्री को औसतन 46 प्रतिशत रियायत दे रहा है। साठ वर्ष से अधिक आयु के पुरुष और ट्रांसजेंडर तथा 58 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं को 20 मार्च, 2020 से पहले सभी वर्गों के लिए ट्रेन टिकटों पर क्रमशः 40 प्रतिशत और 50 प्रतिशत की छूट मिलती थी, लेकिन कोविड महामारी की शुरुआत के कारण रेल मंत्रालय ने इसे वापस ले लिया था। आरटीआई अधिनियम के तहत प्राप्त आंकड़ों से पता चलता है कि 20 मार्च, 2020 से 28 फरवरी, 2025 के बीच 31.35 करोड़ वरिष्ठ नागरिकों (पुरुष, महिला, ट्रांसजेंडर) ने रियायतों के निलंबन के कारण 8,913 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि का भुगतान करके यात्रा की।

समाज्ञा व्यापार

अमेरिका की शुल्क नीति के कारण भारत के सामने निर्यात बढ़ाने के अवसर : गडकरी

इंदौर (मध्यप्रदेश) : केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि अमेरिका की शुल्क नीति के कारण भारत के सामने दुनिया भर में अपना निर्यात बढ़ाने के अवसर पैदा हुए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार देश के आधारभूत ढांचे को मजबूत करते हुए लॉजिस्टिक्स (माल के परिवहन एवं आपूर्ति का काम) खर्च घटाने की कोशिश कर रही है ताकि निर्यात के बाजार में चीन जैसे देशों को टक्कर दी जा सके। गडकरी ने इंदौर से करीब 30 किलोमीटर दूर पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र में करीब 1,200 करोड़ रुपये की मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क परियोजना के

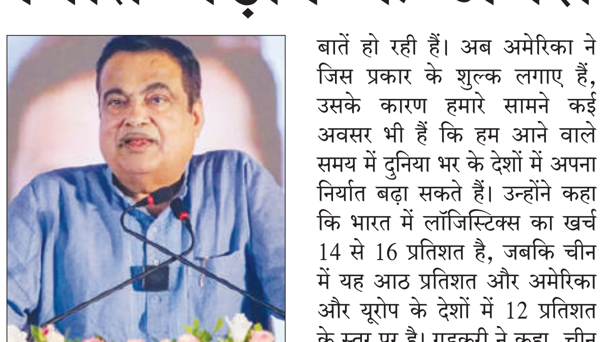

जारी निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। इसके बाद उन्होंने एक कार्यक्रम में कहा, आपको पता है कि आज दुनिया में किस तरह की बातें हो रही हैं। अब अमेरिका ने जिस प्रकार के शुल्क लगाए हैं, उसके कारण हमारे सामने कई अवसर भी हैं कि हम आने वाले समय में दुनिया भर के देशों में अपना निर्यात बढ़ा सकते हैं। उन्होंने कहा कि भारत में लॉजिस्टिक्स का खर्च 14 से 16 प्रतिशत है, जबकि चीन में यह आठ प्रतिशत और अमेरिका और यूरोप के देशों में 12 प्रतिशत के स्तर पर है। गडकरी ने कहा, चीन के मुकाबले भारत का लॉजिस्टिक्स खर्च करीब आठ प्रतिशत ज्यादा होने से हम निर्यात के मोर्चे पर प्रतिस्पर्धी नहीं बन पाते हैं। उन्होंने कहा कि लॉजिस्टिक्स खर्च घटाने के लिए देश भर में लॉजिस्टिक्स पार्क, मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क और अन्य सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। गडकरी ने कहा कि पीथमपुर में 255 एकड़ में फैले मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क के पहले चरण का निर्माण कार्य डेढ़ से दो साल में काम पूरा होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि इस पार्क से पश्चिमी मध्यप्रदेश के मालवा-निमाड़ अंचल में आयात-निर्यात को बल मिलेगा, लॉजिस्टिक्स खर्च घटेगा और आर्थिक तरक्की होगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देश का 40 प्रतिशत जैविक उत्पादन मध्यप्रदेश में होता है और राज्य के कुल जैविक उत्पादन में 75 प्रतिशत हिस्सेदारी अकेले मालवा-निमाड़ अंचल की है।

पंजाब एंड सिंध बैंक के मुद्रा ऋण से जमीनी स्तर पर 10 लाख रोजगार पैदा हुए : प्रबंध निदेशक

नयी दिल्ली : पंजाब एंड सिंध बैंक के प्रबंध निदेशक स्वरूप कुमार साहा ने कहा कि बैंक ने पिछले 10 साल में जो मुद्रा ऋण उपलब्ध कराएं उससे जमीनी स्तर पर 10 लाख नौकरियां उत्पन्न हुई हैं। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) की गत 10 वर्षों की प्रगति पर साहा ने कहा कि बैंक ने इस योजना के तहत 12,820 करोड़ रुपये का कर्ज दिया है, जिससे देश भर में 6.84 लाख से अधिक लोग लाभान्वित हुए हैं। साहा ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, '' इनमें छोटे विक्रेता, महिला उद्यमी, कारीगर और युवा शामिल हैं जो अब आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने के लिए सशक्त हैं। हमने ऋण शिशु (50,000 रुपये तक के ऋण) श्रेणी के करीब 44 प्रतिशत कर्ज वितरित किए है, जो पहली बार कर्ज लेने वालों और जमीनी स्तर पर उद्यमिता पर हमारे ध्यान देने की नीति को दर्शाता है। '' उन्होंने कहा कि पंजाब एंड सिंध बैंक ने उद्यमियों को अपना कारोबार स्थापित करने और उसका विस्तार करने में सक्षम बनाया है, जिससे रोजगार सृजन हुआ है। साहा ने कहा, '' इस योजना के जरिये बैंक द्वारा जमीनी स्तर पर अबतक करीब 10 लाख नौकरियां सृजित हुईं।'' प्रधानमंत्री मोदी ने आठ अप्रैल, 2015 को सदस्य ऋण संस्थानों के माध्यम से गारंटी-मुक्त संस्थागत कर्ज उपलब्ध कराने के लिए प्रधानमंत्री मुद्रा योजना शुरू की थी।

हिताची ने भरत कौशल को बनाया कार्यकारी चेयरमैन

नयी दिल्ली : जापान की कंपनी हिताची ने अपने भारतीय प्रबंध निदेशक भरत कौशल को कार्यकारी चेयरमैन बनाने की बृहस्पतिवार को जानकारी दी। भरत कौशल हिताची के पहले भारतीय प्रबंध निदेशक हैं। वह हिताची इंडिया के कार्यवाहक प्रबंध निदेशक और हिताची लिमिटेड के कॉरपोरेट अधिकारी, क्षेत्रिय रणनीतियों (भारत) भी बने रहेंगें। यह बदलाव एक अप्रैल 2025 से प्रभावी हो गया। कंपनी बयान के अनुसार '' नेतृत्व स्तर पर यह रणनीतिक बदलाव भारत के डिजिटल परिवर्तन में निरंतर नवाचार और सतत विकास को बढ़ावा देगा।''

बैंक ऑफ बड़ौदा ने कर्ज पर ब्याज दर 0.25 प्रतिशत घटाई

नयी दिल्ली : सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ बड़ौदा (बॉब) ने बृहस्पतिवार को कर्ज पर ब्याज दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती करने की घोषणा की। एक दिन पहले भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने प्रमुख ब्याज दर रेपो में 0.25 प्रतिशत की कटौती की थी। बैंक ने उसी फैसले का लाभ अपने ग्राहकों को देने के लिए कर्जों पर ब्याज की दर घटा दी है। बैंक ऑफ बड़ौदा ने बयान में कहा कि उसने खुदरा और एमएसएमई क्षेत्रों को दिए जाने वाले ऋण के लिए मानक-संबद्ध कर्ज की दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती की है।

निजी विवरणों का सार्वजनिक खुलासा अब भी आरटीआई कानून के अधीन: वैष्णव

नयी दिल्ली : इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि विभिन्न कानूनों के तहत सार्वजनिक खुलासे का विषय होने वाले व्यक्तिगत विवरणों को नया डेटा संरक्षण नियम लागू होने के बाद भी सूचना के अधिकार (आरटीआई) अधिनियम के अधीन जारी किया जाता रहेगा। केंद्रीय मंत्री ने मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस के नेता जयराम रमेश के लिखे एक पत्र के जवाब में सोशल मीडिया पर पोस्ट के जरिये यह स्पष्टीकरण दिया है। राज्यसभा सांसद

रमेश ने डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण (डीपीडीपी) अधिनियम 2023 की धारा 44 (3) को 'स्थगित, समीक्षा करने और निरस्त करने' की मांग की थी। रमेश ने 23 मार्च को लिखे अपने पत्र में कहा था कि डीपीडीपी अधिनियम की धारा 44 (3) से सूचना के अधिकार (आरटीआई) अधिनियम 2005 के तहत व्यक्तिगत जानकारी साझा करने पर रोक लगती है। इस पर वैष्णव ने कहा, ''कोई भी व्यक्तिगत जानकारी जो हमारे जनप्रतिनिधियों और कल्याण कार्यक्रमों आदि को नियंत्रित करने वाले विभिन्न कानूनों के तहत कानूनी दायित्वों के तहत प्रकटीकरण के अधीन है, उसका खुलासा आरटीआई अधिनियम के तहत जारी रहेगा।

एमएसएमई हमारी सबसे बड़ी संपत्ति, स्टार्टअप के साथ एकीकरण हो: अमित शाह

अहमदाबाद : केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्यमों (एमएसएमई) को देश की 'सबसे बड़ी संपत्ति' बताते हुए छोटे उद्योगों का स्टार्टअप के साथ एकीकरण करने का आह्वान किया। शाह ने यहां आयोजित 'गुजरात वार्षिक व्यापार प्रदर्शनी' के उद्घाटन कार्यक्रम को ऑनलाइन संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने हाल ही में 75 साल पूरे करने वाले गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (जीसीसीआई) से आग्रह किया कि वह युवाओं के लिए एक नया पारिस्थितिकी तंत्र तैयार करने के लिए छोटे उद्योगों की परंपरा को स्टार्टअप के साथ जोड़ें। उन्होंने जीसीसीआई के प्रबंधन से अगले 25 साल के लिए एक रूपरेखा तैयार करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, ''एमएसएमई हमारी सबसे बड़ी संपत्ति हैं। हर बड़े उद्योग ने एक छोटे उद्यम के तौर पर अपना सफर शुरू किया। जीसीसीआई को छोटे उद्योगों की परंपरा को स्टार्टअप के साथ जोड़ना चाहिए और युवाओं के लिए एक समूची पारिस्थितिकी बनाने के लिए इनका आधुनिकीकरण करना चाहिए।'' शाह ने कहा, ''चैंबर को सरकार, छोटे उद्योगों और महत्वाकांक्षी युवाओं के बीच एक पुल के तौर पर काम करना चाहिए। गुजरात में एमएसएमई क्षेत्र के विकास में मदद के लिए सहायक औद्योगिक इकाइयों को आकर्षित करने पर ध्यान देना चाहिए।'' केंद्रीय मंत्री ने जीसीसीआई से सरकार को नीतियां बनाने और लागू करने में सहायता करने के लिए एक स्थायी इकाई बनाने का सुझाव दिया।

न्यूज इन ब्रीफ

सुरुचि . सौरभ की जोड़ी को निशानेबाजी विश्व कप में कांस्य

ब्यूनस आयर्स : सुरूचि और एशियाई खेलों के पूर्व चैम्पियन सौरभ चौधरी ने आईएसएसएफ विश्व कप में 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में हमवतन मनु भाकर और रविंदर सिंह को 16 . 8 से हराकर कांस्य पदक जीता। सौरभ ने चारों निशानेबाजों में सबसे शानदार प्रदर्शन करते हुए 12वीं सीरिज में 10.7 स्कोर किया। इससे पहले भारतीय जोड़ियां दो चीनी जोड़ियों के बाद तीसरे और चौथे स्थान पर रहीं। सुरूचि और सौरभ ने 581 स्कोर किया जबकि मनु और रविंदर का स्कोर 579 रहा। भारत का यह इस विश्व कप में आठवां पदक है। भारत ने चार स्वर्ण, दो रजत और दो कांस्य जीते हैं।

रोहित शर्मा को लय पाने के लिये 40 रन की पारी की जरूरत भर है : माइकल क्लार्क

नयी दिल्ली : आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क का मानना है कि रोहित शर्मा सुपरस्टार है जिन्हें अपनी लय वापिस पाने के लिये महज 40 रन की पारी की जरूरत है। मुंबई इंडियंस के पूर्व कप्तान रोहित इस सत्र में अब तक चारों मैचों में नाकाम रहे हैं। जियोस्टार के विशेषज्ञ क्लार्क ने यहां एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा ,'रोहित असल सु-परस्टार है।' उन्होंने कहा ,' वह दिन दूर नहीं जब वह शतक लगायेगा। एक अच्छी पारी की जरूरत है। वह 40 या 60 रन की हो सकती है।' उन्होंने कहा,' एक बार लय हासिल कर ली तो आप उसे सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में देखेंगे। मैं उसके फॉर्म को लेकर चिंतित नहीं हूं।' उन्होंने कहा ,'हमें महान खिलाड़ियों से हमेशा अपेक्षायें रहती हैं क्योंकि वे इतने कामयाब होते हैं। लेकिन एक दो मैचों में खराब खेलना चलता है। क्लास स्थायी होती है।' क्लार्क अजिंक्य रहाणे की बल्लेबाजी के मुरीद हैं लेकिन वह इसे लेकर आश्वस्त नहीं हैं कि भारतीय चयनकर्ता टी20 फॉर्म के आधार पर इंग्लैंड दौरे के लिये उन्हें चुनेंगे या नहीं।

दिल्ली ने बेंगलुरु को छह विकेट से हराया, केएल राहुल ने खेली 93 रन की नाबाद पारी

केएल राहुल और ट्रिस्टन स्टब्स की 100 से ज्यादा रनों की नाबाद पारी के दम पर दिल्ली कैपिटल्स ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को उनके घर में छह विकेट से पटखनी दे दी। गुरुवार को चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी आरसीबी ने 20 ओवर में सात विकेट खोकर 163 रन बनाए। जवाब में दिल्ली ने 17.5 ओवर में चार विकेट खोकर 169 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। अक्षर पटेल के नेतृत्व वाली टीम की यह लगातार चौथी जीत है जबकि आरसीबी को पांच मैचों में दूसरी बार मुंह की खानी पड़ी है। 164 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली की शुरुआत खराब हुई। उन्होंने महज 58 के स्कोर पर चार विकेट खो दिए थे। इसके बाद केएल राहुल और ट्रिस्टन स्टब्स ने पांचवें विकेट के लिए 111 रनों की नाबाद साझेदारी निभाई और टीम को जीत दिलाई। इस दौरान विकेटकीपर बल्लेबाज केएल ने 37 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया और 93 रन बनाकर नाबाद रहे। उनके बल्ले से सात चौके और छह छक्के निकले। वहीं, स्टब्स ने चार चौके और एक छक्के की सहायता से 38* रन बनाए। आरसीबी के लिए भुवनेश्वर कुमार ने दो विकेट लिए जबकि यश दयाल और सुयश शर्मा को एक-एक सफलता मिली।

कोलकाता की कड़ी चुनौती का सामना करना होगा चेन्नई को

गायकवाड़ चोट के कारण बाहर, महेंद्र सिंह धोनी होंगे सीएसके के कप्तान

चेन्नई : चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को बृहस्पतिवार को करारा झटका लगा जब नियमित कप्तान रूतुराज गायकवाड़ कोहनी के फ्रेक्चर के कारण आईपीएल से बाहर हो गए जिससे एक बार फिर महेंद्र सिंह धोनी को टीम की बागडोर मिली है। सीएसके के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने इसकी पुष्टि की। फ्लेमिंग ने शुक्रवार को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ होने वाले मैच से पहले मीडिया को बताया ,'रूतुराज गायकवाड़ कोहनी के फ्रेक्चर के कारण आईपीएल से बाहर हो गए हैं। हमारे पास एक 'अनकैप्ड' खिलाड़ी हैं, एम एस धोनी बचे हुए आईपीएल सत्र में टीम के कप्तान होंगे।'

चेन्नई : नियमित कप्तान रुतुराज गायकवाड़ के चोटिल होने के बाद मुश्किलों में घिरी चेन्नई सुपर किंग्स को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपना अभियान पटरी पर लाने के लिए शुक्रवार को यहां होने वाले मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की कड़ी चुनौती से पार पाना होगा। गायकवाड़ कोहनी में फ्रेक्चर के कारण आईपीएल के बचे हुए सत्र से बाहर हो गए जिससे अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज एम एस धोनी फिर टीम की कप्तानी की जिम्मेदारी उठायेंगे। लगातार हार से बेजार चेन्नई की टीम को अभी तक पांच मैच में से चार में हार का सामना करना पड़ा है और इसलिए यह मैच उसके लिए बेहद महत्वपूर्ण बन गया है। उसे अपने पिछले मैच में पंजाब किंग्स से 18 रन से पराजय का सामना करना पड़ा था। चेन्नई की टीम अब अपना भाग्य बदलने के उद्देश्य से अपने घरेलू मैदान पर खेलने के लिए उतरेगी। उसे हालांकि अभी तक यहां के विकेट से उतनी मदद नहीं मिली है जैसे कि अतीत में मिला करती थी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ बड़ी हार के बाद चेन्नई के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने पिच को लेकर अपनी नाराजगी खुलकर व्यक्त की थी। चेन्नई की पिछली सफलताओं में उसका घरेलू मैदान पर अच्छा प्रदर्शन का महत्वपूर्ण योगदान रहा है लेकिन अब यहां की पिच काफी बदल गई है और उसके खिलाड़ी इससे सामंजस्य नहीं बिठा पा रहे हैं। चेन्नई को अगर अपना अभियान पटरी पर लाना है तो उसके खिलाड़ियों को जल्द से जल्द यहां की परिस्थितियों से तालमेल बिठाना होगा। यही नहीं उसके स्पिन गेंदबाजों को सफलता हासिल करने का तरीका ढूंढना होगा। सभी की निगाहें एक बार फिर से महेंद्र सिंह धोनी पर टिकी रहेगी। उन्होंने पंजाब किंग्स के खिलाफ पिछले मैच में 12 गेंद पर 27 रन बनाए थे जिसमें तीन छक्के और एक चौका शामिल है। चेन्नई की टीम के लिए अच्छी बात यह है कि डेवोन कॉनवे, रचिन रवींद्र और शिवम दुबे जैसे बल्लेबाजों ने लय हासिल करने के संकेत दिए हैं लेकिन कप्तान रुतुराज गायकवाड़ से बड़ी पारी की दरकार है। चेन्नई की गेंदबाजी कमोबेश वैसी ही रहेगी, जिसमें खलील अहमद, मुकेश चौधरी और मथीशा पथिराना तेज गेंदबाजी विभाग संभालेंगे जबकि रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जड़ेजा और नूर अहमद पर स्पिन विभाग की जिम्मेदारी होगी।

ओलंपिक से 75 किग्रा हटाए जाने के बाद 70 किग्रा वजन वर्ग में जा सकती है लवलीना

नयी दिल्ली : तोक्यो ओलंपिक की पदक विजेता भारतीय मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन 70 किग्रा वर्ग में जा सकती हैं, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने 2028 में लॉस एंजिल्स में होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए उनके मौजूदा 75 किग्रा भार वर्ग को खत्म कर दिया है। आईओसी ने बुधवार को ओलंपिक 2028 के लिए कार्यक्रम और खिलाड़ियों के कोटा की घोषणा की। नए बदलाव के कारण लवलीना को या तो 70 किग्रा तक नीचे जाना होगा या 80 किग्रा से अधिक वजन वर्ग में अपना भाग्य आजमाना होगा। घटनाक्रम से हैरान लवलीना ने गुवाहाटी से पीटीआई से कहा, ''यह मेरे लिए बिल्कुल नई जानकारी है। यह काफी चौंकाने वाली है। मुझे लगता है कि मुझे 70 किग्रा तक नीचे जाना होगा क्योंकि मेरे लिए 80 किग्रा से अधिक तक जाना मुश्किल होगा।'' उनकी निजी कोच प्रणामिका बोरा भी इस घटनाक्रम से हैरान थी लेकिन उन्होंने कहा कि फिटनेस और चिकित्सा मूल्यांकन के बाद ही नए वजन वर्ग को लेकरअंतिम फैसला किया जाएगा। बोरा ने कहा, '''इस खबर से मैं वास्तव में हैरान हूं। अभी किसी फैसले पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। वह 70 और 80 दोनों वजन वर्गों में लड़ सकती है लेकिन हमें इस पर फैसला करने से पहले कुछ परीक्षण करने होंगे।'' वर्तमान में, बोरगोहेन का प्राकृतिक वजन 74 किलोग्राम है और बोरा ने कहा कि बहुत अधिक वजन कम करने से ताकत में कमी आ सकती है। पेरिस ओलंपिक के लिए बोरगोहेन के साथ यात्रा करने वाली बोरा ने कहा, ''फिलहाल उसका प्राकृतिक वजन 74 किलोग्राम है और बहुत अधिक वजन कम करने से उसकी ताकत कम हो सकती है। इसलिए हम देखेंगे कि उसे किस चीज से अधिक फायदा मिलता है।'' मुक्केबाजी को पिछले महीने ही 2028 ओलंपिक में शामिल करने की पुष्टि की गई थी। मुक्केबाजी में पहली बार पुरुषों और महिलाओं की समान संख्या (प्रत्येक में सात) शामिल होंगी। नई ओलंपिक महिला श्रेणियों में 51 किग्रा (फ्लाईवेट), 54 किग्रा (बैंथमवेट), 57 किग्रा (फेदरवेट), 60 किग्रा (लाइटवेट), 65 किग्रा (वेल्टरवेट), 70 किग्रा (लाइट मिडिलवेट) और 80 किग्रा से अधिक (हैवीवेट) शामिल हैं।

बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप : सिंधू और राजावत हारे, कपिला-क्रास्टो की जोड़ी क्वार्टर फाइनल में पहुंची

निंगबो (चीन) : भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू और युवा खिलाड़ी प्रियांशु राजावत बृहस्पतिवार को यहां बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में अपने वर्ग के प्री-क्वार्टर फाइनल में हारकर बाहर हो गए। विश्व रैंकिंग में 17वें स्थान पर काबिज 29 वर्षीय सिंधू ने कड़ी टक्कर दी लेकिन एक घंटे छह मिनट तक चले महिला एकल मुकाबले में दुनिया की चौथी और तीसरी वरीयता प्राप्त जापान की अकाने यामागुची से 12-21, 21-16, 16-21 से हार गईं। राजावत पुरुष एकल मुकाबले में सातवीं रैंकिंग और पांचवें वरीय जापान के कोडाई नाराओका से सीधे गेम में 14-21, 17-21 से हार गए। पुरुष एकल स्पर्धा में किरण जॉर्ज का सफर भी समाप्त हो गया। उन्हें थाईलैंड के पांचवें वरीय कुनलावुत वितिदसर्ण के खिलाफ 21-19 13-21 16-21 से हार का सामना करना पड़ा। इस तरह भारत का पुरुष और महिला एकल स्पर्धाओं में अभियान समाप्त हो गया है। हालांकि ध्रुव कपिला और तनिषा क्रास्टो की मिश्रित युगल जोड़ी ने चीनी ताइपे के ये होंग वेई और निकोल गोंजालेस चैन को 12-21 21-16 21-18 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

आओ हम अपने आस्तीनों को ऊपर चढ़ाये ।
रक्तदान करके किसी की जिंदगी बचायें ।
BELILIOUS WELFARE SOCIETY
PRESENTS
स्वेच्छा रक्तदान महोत्सव
In Association with :
LIONS CLUB OF CALCUTTA BRABOURNE ROAD
Date
On Sunday
13th April, 2025
From 10.00 am Onwards
Media Partner : समाज्ञा हिन्दी दैनिक ESTD - 2016
BWS BANQUET HALL
121, I. R. Belilious Lane, Howrah - 711 101
Contact : Anil Jaiswal - 9883101516 / Krishna Shaw - 8981929635 / Tushar jaiswal - 6289762478

श्री गणेशाय नमः
श्री हनुमंते नमः
ॐ नमः शिवाय
श्री श्री हनुमान जयन्ती महोत्सव

प्रेरणास्रोत

ब्रह्मलीन
श्री लाल बाबाजी

अद्भुत, अलौकिक,
एवं दिव्य श्रृंगार
सवामणी
छप्पन भोग

सवा क्विंटल
(१२५ किलो)
पंचमेवा के एक
रोट का महाभोग

पावन सानिध्य

पूज्य श्री बजरंग
लाल शर्मा 'भाईजी'

चैत्र शुक्ल पूर्णिमा, शनिवार, १२ अप्रैल २०२५
प्रातः ५ बजे मंगला आरती से मध्यरात्रि १२ बजे तक मंदिर खुला रहेगा
मंगला आरती एवं श्रृंगार-दर्शन प्रातः ५ बजे से, प्रसाद वितरण प्रातः ६ बजे से, भोग-आरती प्रातः १०.१५ बजे, संध्या आरती रात्रि ९ बजे, शयन आरती मध्य रात्रि १२ बजे

मुख्य अतिथि वृन्द : पूज्य श्री दिलीप जी महाराज (भारत सेवाश्रम संघ), श्री सुजीत बोस (दमकल मंत्री) विशिष्ट अतिथि : श्री विवेक गुप्ता (विधायक), श्री जी.वी. सुब्रमण्यम (निदेशक-भारतीय विद्या भवन), श्री डी.के. मिश्रा (प्रिंसिपल चीफ कमिश्नर, इनकम टैक्स), श्री निताई दत्त (उप चेयरमैन द. दमदम नगरपालिका), श्री संजीव चक्रवर्ती (आई. सी, लेकटाउन)

शुभेच्छु वृन्द : श्री हरि किशन राठी (वीको), पद्मश्री श्री प्रह्लाद राय अग्रवाला, श्री कुंज बिहारी अग्रवाला (रूपा), श्री विश्वनाथ सेकसरिया (अमूल), श्री हरि प्रसाद बुधिया (पैटन), श्री सत्यनारायण देवरालिया, श्री सजन कुमार बंसल (स्कीपर), श्री ललित बेरीवाल (श्याम स्टील), श्री ओम जालान (बंगाल एनर्जी), श्री बनवारीलाल सोती, श्री मनोज गुप्ता (कम्फर्ट लेडी), श्री सत्यनारायण राठी, श्री अनिल केडिया, श्री पवन मूंधड़ा, श्री डी के सराफ, श्री जगदीश प्रसाद जाजू, श्री हरि प्रसाद शर्मा (मंगलम), श्री निर्मल सराफ (पनघट), श्रीमती मीना पुरोहित (पार्षद), श्री विजय ओझा (पार्षद), श्री महेश शर्मा (पार्षद), श्री बैजनाथ मित्तल, श्री बिरम प्रकाश सुल्तानिया (ए-फर्स्ट), श्री शंकरलाल कारीवाल (वेदम), श्री सीताराम शर्मा (गुरुजी ठण्डाई), श्री दिनेश जैन (गंगवाल), श्री त्रिलोक कोठारी (मुम्बई), श्री राजेन्द्र सुराणा (Zedd), श्री अरविन्द बियानी (स्काई किंग), श्रीमती मंजु डागा, श्री मोंटी अग्रवाल, श्री लक्खी प्रसाद पंसारी, श्री सुभाष मुरारका, श्री सुधीर भट्टाचार्य, श्री सीताराम गोयल, श्री महावीर प्रसाद दमानी, श्री बाबूलाल बंका, श्री प्रमोद कुमार अग्रवाल, श्री प्रेम कुमार अग्रवाल (आलमपुरिया), श्री सुब्रत दास, श्री सतीश गोयल, श्री जुगल सरिया, श्री उत्तम अग्रवाल, श्री अनूप गाड़ोदिया, श्री अमन अग्रवाल, श्री गोपाल अग्रवाल (हंसारिया), श्री विकास अग्रवाल, श्री गोपाल जैन, श्री लक्ष्मण अग्रवाल, श्री विनोद जाजू

सेवक वृन्द : दिलीप कुमार अग्रवाल, गंगा प्रसाद चौधरी, प्रकाश चण्डालिया, ओमप्रकाश चौधरी, नरेन्द्र कुमार गोयल, अमित धानुका, दीपक सोमानी, सुदर्शन गाडिया, दीनदयाल जोशी, अरूण शर्मा, प्रवीण मित्तल, अविनाश शर्मा, सुधीर शर्मा, सुनील तोषावर, अनुप जोशी, दयाराम कड़ेल, गणेश शर्मा, डा. आर.के.पोद्दार, मनोज कुमार अग्रवाल, सुभाष शर्मा, निकुंज बेरीवाल, राजेश अग्रवाल, गोपाल कानोड़िया, मनमोहन अग्रवाल, प्रवीण चौधरी, मनोज बजाज, विद्यासागर मंत्री, संदीप पंसारी, संजय गुप्ता, प्रणय अग्रवाल, गोपाल बंका, प्रमोद बगड़िया, प्रकाश शर्मा, दुष्यन्त केडिया, संजय बगड़िया, अनिल जाजोदिया, दीपक बजाज, राकेश चण्डालिया, अरूण गोयनका, संजय अग्रवाल, मनोहरलाल अग्रवाल, बालकृष्ण सराफ, कौशल अग्रवाल, राकेश जैन, पंकज केशान, राजेश भूतोड़िया, हर्ष गाड़ोदिया, गोविन्द कलोया, गगन कड़ेल, प्रशान्त सोनी

सहयोगी संस्थाएं : अ. भा. गौड़ ब्राह्मण सभा, श्री भूमि संसद, श्री भूमि विकास मंच, बांगुड़ एवेन्यू संघ, बांगुड़ जागरण मंच, पूर्व कलकत्ता नागरिक परिषद, श्री मैढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार महिला समिति, श्री बाल हनुमान महिला समिति

शिकंजी व जल सेवा
अवनी ऑक्सफोर्ड फेज-१ सदस्यवृन्द

श्री बाल हनुमान मन्दिर, लेकटाउन धाम, कोलकाता
सीधा प्रसारण
358, लेकटाउन, ब्लॉक-ए, कोलकाता-700089 फोन : 033 25346931 8240097409, 9831061411, 9051583112
सभी भक्त सपरिवार सादर आमंत्रित
www.balhanuman.in email : info@balhanuman.in /BalHanumanMandir / ShreeBalHanuman

वर्ष 10, पूर्णांक 4203 अंक 013, RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सरोज राय द्वारा 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- अनिल कुमार राय (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in